HVS/Lib/10

15-11-99

हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

4 फरवरी, 1999

खण्ड - 1, अंक - 6

(सील)

विषय सूची

वीरवार, 4 फरवरी, 1999

	पृष्ठ संख्या
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(6)1
सदस्यों के सदन से निलम्बन के निर्णय पर पुनर्विचार के लिये अनुरोध	(6)1
वैयक्तिक स्पष्टीकरण –	
लोक निर्माण मंत्री द्वारा	(6)5
सदस्यों के सदन से निलम्बन के निर्णय पर पुनर्विचार के लिये अनुरोध (पुनरारम्भ)	(6)6
सदस्य का नाम लेना	(6)7
वाक-आऊट	(6)8
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)	(6)9
वर्ष 1999-2000 के बजट पर सामान्य चर्चा	(6)19

मूल्य :

94 00

हरियाणा विधान सभा

वीरवार, 4 फरवरी, 1999

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष (प्रो० छत्तर सिंह चौहान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Mr. Speaker : Hon'ble members now Questions Hour, Mr. Dev Raj Diwan.

श्री देव राज दीवान : स्पीकर साहब, ...

सदस्यों के सदन से निलम्बन के निर्णय पर पुनर्विचार के लिये अनुरोध

श्री खुरशीद अहमद : स्पीकर साहब, मैं आपसे अर्ज करना चाहूंगा कि हमारे जो साथी सदन से बाहर हैं उनको आप सदन में बुलाएं। उनको आपने पिछले दो तीन दिन से सदन से बाहर निकाला हुआ है। आज आप उनको सदन में वापिस आने की इजाजत दें। आपसे यह दरखास्त हम सभी अपोजिशन वालों की तरफ से है।

श्री अध्यक्ष : खुरशीद अहमद जी यह क्वैश्चन आवर है। आप इस बारे में प्रोपर टाईम पर मेरे से बात करें। (शोर)

श्री खुरशीद अहमद : स्पीकर साहब, आज की क्वैश्चन लिस्ट में उन्हीं मैम्बर्ज के ज्यादातर क्वैश्चंज हैं जो सदन से बाहर हैं। (शोर)

श्री अध्यक्ष : आप कृपया बैठ जाएं। (शोर)

श्री धीर पाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी की तरफ से मैं भी आपसे प्रार्थना करूंगा कि आप उन माननीय सदस्यों को हाउस में आने की इजाजत दें जो सदन से बाहर निकाल रखे हैं। (शोर)

श्री अध्यक्ष : आप कृपया बैठ जाएं। (शोर)

श्री खुरशीद अहमद : स्पीकर साहब, मैं आपको हाथ जोड़ कर दरखास्त कर रहा हूँ कि आप उनको सदन में आने की इजाजत दें। (शोर)

श्री धीर पाल सिंह : स्पीकर साहब, मैं भी आपके आगे हाथ जोड़ कर प्रार्थना करता हूँ कि आप उन माननीय सदस्यों को हाउस में आने की इजाजत दें। (शोर)

श्री अध्यक्ष : मैं भी आपके आगे हाथ जोड़ता हूँ कि आप हाऊस को आराम से चलने दें।

श्री धीर पाल सिंह : स्पीकर साहब, यह बजट सैशन है, यदि इस तरह से विपक्ष के 9 सदस्य सदन से बाहर होंगे तो फिर इस बजट सैशन का महत्व ही खत्म हो जाएगा। (शोर) स्पीकर साहब, चौधरी खुरशीद अहमद जी ने भी आपसे विनती की है और मैं भी अपनी पार्टी की ओर से आपसे विनती कर रहा हूं कि आप अपने फैसले पर पुनर्विचार करें और उन माननीय सदस्यों को हाउस में आने की इजाजत दें। इस तरह से आप हाउस में एक अच्छी रिवायत डालें। (शोर)

श्री अध्यक्ष : आप कृपया बैठ जाएं। (शोर)

श्रीमती करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, जो माननीय सदस्य सदन से बाहर हैं उन्हीं के ही इस क्वैश्चन लिस्ट में सबसे ज्यादा क्वैशचंज हैं, इसलिये आप उनको हाउस में आने की इजाजत दें ताकि वे क्वैश्चन आवर में पार्टीसिपेट कर सकें। (शोर)

श्री अध्यक्ष : बहन जी, आप कृपया बैठ जाएं। (शोर)

श्रीमती करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, विपक्ष और सत्ता पक्ष दोनों को मिला कर यह सदन कहलाता है इसलिए आपसे मेरा नम्र निवेदन है कि आप उन माननीय सदस्यों को सदन में बुला लें। (शोर)

श्री अध्यक्ष : बहन जी, आप कृपया बैठ जाएं। (शोर) आप सभी पहले क्वैश्चन आवर को खत्म होने दें, उसके बाद जीरो आवर में इस बारे में आप जो बात कहना चाहते हैं वह उस समय आराम से कहिए। (शोर)

श्री जसविन्द्र सिंह सिंधू : स्पीकर साहब, जो माननीय सदस्य सदन से बाहर हैं आप उनको हाउस में आने की इजाजत दें। (शोर)

श्री धीर पाल सिंह : स्पीकर साहब, इस क्वैश्चन लिस्ट में सबसे ज्यादा क्वैशचंज उन्हीं माननीय सदस्यों के हैं जो सदन से बाहर हैं। अगर वे क्वैश्चन आवर में पार्टीसिपेट नहीं करेंगे तो इस क्वैश्चन आवर का महत्व ही क्या रहेगा? (शोर)

श्री बलवंत सिंह : स्पीकर साहब, उन माननीय सदस्यों के भी आज क्वैशचंज लगे हुए हैं, आप उनको हाउस में आने की इजाजत दें ताकि वे क्वैशचंज के जरिए सदन में अपने हल्के की बातें कह सकें। (शोर)

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे निवेदन है कि आप हाउस के अन्दर एक अच्छी परम्परा चलाएं। सदन में विपक्ष की बहुत अहम भूमिका होती है इसलिए आप उनको हाउस में आने की इजाजत दें ताकि वे हाउस के अन्दर अपने-अपने हल्कों की बात कह सकें। वे काफी सीनियर मैम्बर हैं। चौधरी सम्मत सिंह जी और चौधरी बीरेन्द्र सिंह तो काफी सीनियर मैम्बर हैं। स्पीकर साहब, विपक्ष की सदन के अन्दर बहुत अहम भूमिका होती है, इसलिये आप उन सभी माननीय सदस्यों को सदन में वापिस बुलाएं ताकि एक अच्छी परम्परा बने। (शोर)

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने पिछले 4 दिन से रोले के अलावा सदन में कोई काम नहीं किया और इनकी रोले के अलावा कोई इन्टैन्शन है ही नहीं। (शोर एवं विघ्न)

लोक निर्माण मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय विपक्ष के जो साथी हैं उनसे अनुरोध करना चाहता हूं कि वे हाउस की कार्यवाही को ठीक ढंग से चलने दें। पिछले तीन दिन से ये ठीक ढंग से सदन की कार्यवाही नहीं चलने दे रहे हैं। अब यह समय तो क्वैशचन आवर का है। लेकिन ये बीच में गलत तरीके से इधर-उधर की बातें लेकर खड़े हो जाते हैं। जितनी भी प्रदेश

के हित की बातें हैं, उनके लिये हमारे मंत्री पूरी तैयारी करके आते हैं जो सवाल किसी सदस्य साथी ने करना होता है उसका संतोषजनक ढंग से जवाब एक मंत्री को देना होता है। अध्यक्ष महोदय, इस हाउस के माध्यम से पूरे प्रदेश की जनता को सरकार की कारगुजारियों का पता चलता है। मैं इनसे फिर अनुरोध करता हूं कि ये क्वैश्चन आवर को ठीक ढंग से चलने दें और जब जीरो ऑवर आरम्भ होगा, उस वक्त ये अपनी बात कह सकते हैं। (शोर एवं विघ्न)

श्री वीर पाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, हमारे जो माननीय सदस्य हाउस से बाहर हैं, उन्हीं के ही अधिकतर प्रश्न, प्रश्न सूची में लगे हुए हैं। इसलिए आप उनको सदन में बुला लें। (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष : कृपया आप सभी बैठिये। (शोर)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, कल भी आपने इनका रवैया देखा। इनकी आपके प्रति कैसी टिप्पणी रही तथा जो कल इन्होंने कहा उस पर हम सभी को आपत्ति है। जैसा कल इन्होंने आपके प्रति व्यवहार किया, वह नहीं करना चाहिए था। अध्यक्ष महोदय, आपने सारे माननीय विपक्ष के साथियों को बोलने का पूरा समय दिया लेकिन बेहद अफसोस की बात है जो अब भी आप देख रहे हैं कि क्वैश्चन ऑवर में ये दूसरे मुद्दे ही उठा रहे हैं। ये जब जो जी में आता है बोलना शुरू कर देते हैं और अनाप-शनाप बातें करते हैं। हम इनकी इस तरह की बातें बर्दाश्त नहीं करेंगे। यह क्वैश्चन आवर है, पहले इसको खत्म होने दें और इन्होंने जो बात कहनी है वह जीरो आवर में कह लें। (शोर एवं विघ्न) अध्यक्ष महोदय, ये आपकी इजाजत के बिना बोल रहे हैं। (शोर)

श्री वीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, * * * * * (शोर एवं विघ्न)

श्री दिलू राम : अध्यक्ष महोदय, * * * * *

श्री बलवंत सिंह : अध्यक्ष महोदय * * * * *

श्री अध्यक्ष : मेरी परमिशन के बगैर जो बोला जा रहा है, वह रिकार्ड न किया जाये। (शोर एवं विघ्न)

श्री धर्मबीर गाबा : अध्यक्ष महोदय, यह हाउस पुरानी मर्यादाओं और परम्पराओं के अनुसार चलता रहा है। उन्हीं मर्यादाओं और परम्पराओं को हम लोग कायम रखना चाहते हैं। कुछ गलतियां हम से हुई है और कुछ गलतियां ट्रेजरी बैंचिज़ से भी हुई हैं। अध्यक्ष महोदय, हम चाहते हैं कि उनको भुला कर सही ढंग से क्लैम करें। (विघ्न) मेरा दिल इस बात की गवाही देता है कि हाउस की कार्यवाही बिल्कुल ठीक ढंग से चलेगी। आपको याद होगा कि पिछली बार सारा विपक्ष सदन से वाकआउट कर गया था, मैं अकेला हाउस में रहा था और मैंने रिप्लाई सुना था। आज भी हम चौधरी बंसी लाल, आनरेबल मुख्य मन्त्री जी का जवाब, पूरी तरह से, सिंसियरली सुनना चाहते हैं। इसलिए मैं आपसे हाथ जोड़ कर निवेदन करता हूं कि आप उनको माफ करें और हाउस मे बुलाएं ताकि यह हाउस समूथली चल सके। जो बजट पेश हुआ है हमें भी उस पर अपनी बात रखनी है और आनरेबल मुख्य मंत्री जी का जवाब भी सुनना है। मैं आनरेबल मुख्य मन्त्री जी को भी कह कर आया था कि मैं रिप्लाई सुनूंगा। अध्यक्ष महोदय, लीडर ऑफ दि हाउस और आपसे मेरी हाथ जोड़ कर प्रार्थना है कि आप ठण्डे दिमाग से सोचें, जो होना था सो हो गया। हम हमेशा सारे के सारे बजट सैशन को समूथली चलने देंगे, आप उन सभी मैम्बर्ज़ को हाउस में बुलाने की कृपा करें। (विघ्न)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, अभी गाबा साहब मर्यादाओं की बात कर रहे थे। गाबा साहब पुराने सदस्य हैं मैं इनसे यह जानना चाहता हूं कि यह कौन सी मर्यादा है कि प्रश्नकाल के दौरान इस प्रकार की बात कहना शुरू कर देते हैं। (विघ्न एवं शोर) जब हम कुछ कहना चाहते हैं तो ये उठ कर चले जाते हैं। स्पीकर सर, जब हमारे लोग बोलना शुरू करते हैं तो ये बीच में खड़े हो जाते हैं। आज ये गुजारिश कर रहे हैं कल ये आंखें दिखा रहे थे। अब ये नरमी दिखा रहे हैं, मौका आने पर ये फिर आंखें दिखाने लगेंगे। इनका कसूर नहीं है। अध्यक्ष महोदय, आप अच्छी तरह से जानते हैं कि इन्होंने अपनी सरकार के दौरान हरमिंदर सिंह चट्ठा जी जब विधान सभा के अध्यक्ष हुआ करते थे उनके खिलाफ क्या-क्या करवाया था। अध्यक्ष महोदय, ये लोग क्या जाने कि चेयर की मर्यादा क्या होती है और इस सदन की मर्यादा क्या है? (विघ्न एवं शोर)

Mr. Speaker : This is not proper time to express such things. मेरा आपसे निवेदन है कि पहले क्वैश्चन आवर समाप्त होने दें उसके बाद जीरो आवर में आप अपनी बात कहें। (विघ्न)

श्री रमेश कुमार : अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे गुजारिश है कि आप उनको हाउस में बुला लें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, इनकी यह जिम्मेदारी है कि ये ठीक काम करें और ऐसा विश्वास दिलाएं कि दोबारा से ऐसा नहीं करेंगे। पिछले अधिवेशन में बार-बार इनको सदन से निकाला गया था लेकिन इन्होंने न तो इस हाउस पर और न ही इस चेयर पर बिश्वास रखा तथा ये लोग इस सदन की कार्यवाही को हाईकोर्ट में ले गये थे। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : कोर्ट में जाने का सब को अधिकार है, इसमें कोई ऐसी बात नहीं है।

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं पूछता हूं कि कोर्ट में कौन जाता है ? (विघ्न) क्या मंत्री बनने के बाद सारे अधिकार इन्हीं के पास आ गए हैं? कोर्ट में कोई तभी जाता है जब किसी कार्य से वह असंतुष्ट रहता है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : धीरपाल जी, मैं इनसे यही बात कह रहा हूं। मैंने इनको कहा है कि everyone has a right to knock the doors of the court. Please take your seat.

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, हाउस और चेयर का एक सम्मान होता है लेकिन ये लोग हाउस और चेयर के सम्मान को क्या जाने ? (विघ्न एवं शोर)

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, आज मंत्री बनने के बाद ये सम्मान की बात कह रहे हैं, चेयर का जितना सम्मान ये करते हैं हमें उसका पता है। जब ये इधर हुआ करते थे तो ये जैसा सम्मान करते थे हमें पता है। आज इनको बोलने का मौका मिला हुआ है लेकिन सारे सम्मान के ये ठेकेदार नहीं हैं। (विघ्न एवं शोर)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से विपक्ष के भाइयों से अनुरोध करता हूँ कि वे प्रश्न काल को पूरा होने दें और जो भी बात इन्होंने कहनी है वह जीरो आवर में कह लें। इनकी बातें सुनने के बाद, अध्यक्ष महोदय, आपने जो रियायत देनी हो वह दे दें। अध्यक्ष महोदय, पिछले सैशन के दौरान भी जब ये अपनी बातों से बाज नहीं आते थे तब आपने इनको सदन से बाहर निकाला था। उसके बाद इन्होंने यहां पर कहा था कि आगे से ऐसा नहीं करेंगे। लेकिन ये फिर वही बातें करते हैं। इसलिये

अब हम इनकी बातों को बिल्कुल भी मानने के लिये तैयार नहीं हैं।

श्री जसविन्द्र सिंह सिंधू : अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय कर्ण सिंह दलाल जी ने टिप्पणी की है कि हम आपकी चेयर का सम्मान नहीं करते हैं। मैं कहना चाहता हूँ कि हम आपकी चेयर का पूरा मान-सम्मान करते हैं और आपके हर हुक्म को मानते हैं। अगर आपकी चेयर की तरफ से हमें इन्साफ नहीं मिलता है तो हम उसके लिए आपसे प्रार्थना करते हैं और अपनी बात कहते हैं। प्रोफैसर सम्पत सिंह जी बहुत ही सीनियर मैम्बर हैं। आप रिकार्ड देख लें वे सबसे ज्यादा सप्लीमैंटरी भी पूछते हैं, आपको उन्हें वापिस बुला लेना चाहिए। इसी तरह से रणदीप सिंह सुरजेवाला जी कांग्रेस के मैम्बर हैं और दूसरे भी कई साथी हैं उनको भी वापिस बुला लेना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, श्री कर्ण सिंह दलाल जी भी जब पिछली सरकार के वक्त हमारे साथ अपोजिशन में बैठते थे तो उस वक्त ये भी ऐसा ही किया करते थे। उस समय जब इनको भी सदन से बाहर निकाल दिया गया था तब हमने इनके साथ मिलकर सदन के बाहर धरना दिया था और इनको सदन में वापिस बुलाने के लिए उस वक्त के स्पीकर साहब से दरख्वास्त की थी। आज ये वहां बैठ गए हैं तो हमें मर्यादा सिखाते हैं। अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे दरख्वास्त है कि जो मैम्बर्ज सदन से बाहर निकाले गए हैं, उनको सदन में वापिस बुला लिया जाए। वे बहुत ही सीनियर मैम्बर्ज हैं।

श्री अध्यक्ष : जसविन्द्र सिंह जी, जो सीनियर मैम्बर्ज होते हैं उनकी जिम्मेवारी ज्यादा होती है।

गृह मन्त्री (श्री मनी राम गोदारा) : अध्यक्ष महोदय, मैम्बर्ज साहेबान से मैं एक बात पूछना चाहता हूं कि wherefrom the Speaker's role has come. मैं आपको बताना चाहूंगा कि उन मैम्बर्ज को सदन से बाहर निकालने की मोशन हाउस की तरफ से रखी गई थी और हाउस ने ही वह मोशन पास की थी। इसलिये अब यह आपके अधिकार क्षेत्र में नहीं है। जो मैम्बर सदन की कार्यवाही नहीं चलने देगा, उसके खिलाफ कार्यवाही तो होनी ही चाहिए। (शोर)

श्री खुरशीद अहमद : स्पीकर साहब, आप उस फैसले के बारे पुनर्विचार करें और उन मैम्बर्ज को हाउस में बुलाने की कृपा करें। (शोर)

श्री अध्यक्ष : यह मेरे अधिकार की बात नहीं है। यह हाउस के अधिकार की बात है। (शोर)

श्री भागीराम : अध्यक्ष महोदय, ... (शोर)

श्री अध्यक्ष : भागीराम जी, कृपया आप बैठ जाएं। जब कोई माननीय सदस्य बोल रहा हो तो पहले उसको सुन लेना चाहिए। मैं आपको बताना चाहूंगा कि that motion was adopted by the House. The Speaker cannot do anything in this matter. Let the questions be asked first.

वैयक्तिक स्पष्टीकरण –

लोक निर्माण मन्त्री द्वारा

लोक निर्माण मन्त्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : अध्यक्ष महोदय, मेरा पर्सनल एक्सप्लेनेशन है। अभी थोड़ी देर पहले श्री जसविन्द्र सिंह जी ने मेरे बारे में टिप्पणी की थी उन्होंने कहा था कि जब मैं विपक्ष में बैठा करता था तो उस समय मैं आपत्तिजनक बात करता था। अध्यक्ष महोदय, उस समय आप भी हमारे साथ विपक्ष में बैठा करते थे। इसलिए आपको विदित है कि उस समय मैंने कभी भी कोई आपत्तिजनक बात नहीं की। (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, * * * * *

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब जो कुछ भी बोल रहे हैं that should not be recorded. (Interruptions) Whosoever is speaking without the permission of the Chair, his version should not be recorded.

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, आप अच्छी तरह से जानते हैं कि उस समय की सरकार हमारे साथ किस तरह की ज्यादती किया करती थी। हमें यहां पर बोलने ही नहीं दिया जाता था। दूसरी तरफ आप निष्पक्षता से सभी मैम्बर्ज को बोलने की इजाजत देते हैं, सभी को बोलने का पूरा मौका देते हैं। हमें तो उस वक्त बोलने की इजाजत ही नहीं दी जाती थी। (शोर एवं व्यवधान)

स्पीकर साहब, हमें इस बात का फख्र है कि उस समय भी चौधरी बंसीलाल जी हमारे नेता हुआ करते थे, वे हमें उस समय बैठाया करते थे और कहते थे कि आप लोगों ने ऐसी कोई भी कार्यवाही नहीं करनी है जिससे सदन की अवमानना होती हो। दूसरी तरफ ये लोग हैं कि किसी की भी बात मानने के लिये तैयार नहीं हैं। इनकी तो वह हालत है कि "सिंह का भाई बघेरा, एक कूदे 9 और दूसरा 13"। इनके नेता तो ज्यादा बोलते ही हैं इनकी पार्टी के सदस्य उनसे भी ज्यादा शोर मचाने की कोशिश करते हैं। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से इन विपक्ष के साथियों से अनुरोध करूंगा कि वे प्रश्नकाल की कार्यवाही को ठीक तरह से चलने दें और जीरो ऑवर में अपनी बात कहें।

सदस्यों के सदन से निलम्बन के निर्णय पर पुनर्विचार के लिये अनुरोध (पुनरारम्भ)

शिक्षा मन्त्री (श्री रामबिलास शर्मा) : स्पीकर सर, विपक्ष के 14 ऐसे माननीय विधायक हैं जिनके सवाल आज लगे हुए हैं और वे इस समय सदन में मौजूद हैं। सर, कल भी क्वैश्चन ऑवर नहीं हुआ था इसलिए कम से कम आज तो क्वैश्चन ऑवर होना ही चाहिए। इन मौजूद 14 सदस्यों में विपक्ष की सभी पार्टीज के सदस्य हैं। इसके अलावा आपने बोलने के लिये समय देने का भी एक नया रिकार्ड कायम किया है। स्पीकर साहब, आप की जिम्मेदारी ज्यादा होती है क्योंकि आप पूरे सदन के कस्टोडियन हैं। मैं माननीय सदस्यों से कहना चाहता हूँ कि आज के क्वैश्चन ऑवर में उन 14 विधायकों के सवाल आने दें, जो यहां पर मौजूद हैं। इसके बाद आप सभी पार्टीज के लोगों को अपने चैम्बर में बुला लें और वहां पर आप इन सभी लोगों के साथ इस बारे में बात कर लें लेकिन आज क्वैश्चन ऑवर को आप चलायें।

जन स्वास्थ्य मन्त्री (श्री जगन्नाथ) : स्पीकर सर, मेरी आपसे अर्ज है कि हमारे हाउस के नेता चौधरी बंसीलाल जी हैं। वे हमारी पार्टी के नेता भी हैं। इसी तरह से रामबिलास जी एवं कमला वर्मा जी, बी०जे०पी० के नेता हैं। अगर ये भी हमारे को कहते हैं कि आप सभी चुप रहें तो हम चुप रहते हैं तथा यदि ये कहते हैं कि इस आदमी को बोलना है तो वह आदमी ही बोलता है। लेकिन श्री ओम प्रकाश चौटाला कभी भी पीछे मुड़कर यह नहीं कहते हैं कि हाउस को चलने दें। इनको क्वैश्चन ऑवर में तो ऐसा नहीं करना चाहिए। कम से कम क्या इनको अपने सदस्यों से इस बारे में नहीं कहना चाहिये कि वे हाउस को चलने दें ?

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, मेरा एक और लास्ट सुजैशन है। सर, आप अच्छी तरह से जानते हैं और हमारे ये विपक्ष के साथी भी जानते हैं कि इनके जो साथी यहां पर मौजूद नहीं हैं लेकिन उनके

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

सवाल लगे हुये हैं तो क्या यह रिवायत नहीं है कि अगर वह सदस्य खुद यहां पर मौजूद न हो जिसका सवाल लगा हुआ है, वह अपने किसी दूसरे साथी को अपना क्वैश्चन पूछने के लिए अथोराइज कर सकता है ? लेकिन स्पीकर सर, इनकी तो सवालों में कोई रूचि ही नहीं है।

श्री अध्यक्ष : ऐसा है कि जो सदस्य पहले से सस्पैंडिड हैं, वे ऐसा नहीं कर सकते हैं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, अगर ऐसी बात है तो इनको अपने-अपने सवालों के बारे में तो यहां पर बहस करनी चाहिए और उनके बारे में सरकार के रवैये का पता करना चाहिए। (विघ्न)

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात सुनिए।

Mr. Speaker : Now, it is enough. Take your seat please. (Interruptions)

मैंने आपको सुन लिया है, अब आप बैठें। अब देवराज दीवान जी, आप अपना सवाल पूछें और जीरो ऑवर में यह मामला मैम्बर्ज उठा सकते हैं।

श्री देवराज दीवान : अध्यक्ष महोदय, सर्वप्रथम सदन में मैं आपसे निवेदन करूंगा कि आप कृपा करके विपक्ष के बाहर गए हुए सदस्यों को सदन में बुला लें।

श्री अध्यक्ष : अगर आपने अपना सवाल पूछना है तो पूछें।

श्री देवराज दीवान : सर, मेरे प्रश्न के बाद सम्पत सिंह जी का प्रश्न है। कृपया आप उनको हाउस में बुला लें।

श्री अध्यक्ष : ठीक है आप अपना सवाल नहीं पूछते तो कोई बात नहीं। अब अगला सवाल होगा। (शोर एवं व्यवधान)

(माननीय सदस्य श्री देवराज दीवान द्वारा प्रश्न संख्या 851 पूछा नहीं गया।)

सदस्य का नाम लेना

श्री अध्यक्ष : भागीराम जी जो भी बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए। (शोर एवं व्यवधान) Bhagi Ram Ji, please take your seat, otherwise I will have to name you.

(इस समय बहुत से सदस्य खड़े होकर बोलने लगे)

श्री अध्यक्ष : कृपया आप सभी अपनी सीटों पर बैठें।

श्री भागीराम : अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात तो सुनें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, * * * * * * * * * *

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब जो कुछ कह रहे हैं, इसे रिकार्ड न किया जाए। चौटाला साहब, आप बैठ जाइए। (शोर एवं व्यवधान) मैं आपका अधिकार सुन चुका हूं, आज बजट पर बहस होनी है जिसमें सबसे पहले आपने बोलना है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, * * * * * * * * * *

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री धीर पाल सिंह : स्पीकर सर, मन्त्री ब्रैट कर रहे हैं। क्या मन्त्रियों को अधिकार है, हमारे कोई अधिकार नहीं हैं ? (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : Chautala Sahib, I won't allow you to speak. I warn you to take your seat. आप यह सोचते हैं कि हाउस आपके कहने से चलेगा। (शोर एवं व्यवधान) आप कहते हैं कि हाउस आपके कहने से चलेगा। आप कृपया बैठ जाइये। (शोर एवं व्यवधान) आप सम्मान को जानते ही नहीं, सम्मान नाम की चीज आपने सीखी ही नहीं। (शोर एवं व्यवधान) क्या यहां आपका हुक्म चलेगा ? यहां आपका हुक्म नहीं चलेगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री सतपाल सांगवान : चौटाला साहब, आपको सब जानते हैं। क्या यही आपका बिहेवियर है ? क्या चेयर से ऐसा बिहेव करते हैं ?

Mr. Speaker : I request all the Hon'ble Members to please take their seats. (Noise & Interruptions) चौटाला साहब जो कुछ कह रहे हैं, उसे रिकार्ड नहीं करना है। आपके सामने मेरा कोई उत्तरदायित्व नहीं कि मैं आपको एक्सप्लेन करूं। (शोर एवं व्यवधान) ये सब आपकी आदत है। दूसरों को न सिखायें। तानाशाही तो आपने की है और कोई तानाशाही नहीं करता। (शोर एवं व्यवधान)

(Despite repeated requests made by the Hon'ble Speaker, Sh. Om Parkash Chautala continued to speak without permission of the chair)

Mr. Speaker : I name Mr. Chautala. He may please leave the House. (Noise & Interruptions). आपको यह अधिकार नहीं कि दूसरे के अधिकारों को छीनें।

As I have named Shri Om Parkash Chautala, I request him to please leave the House. (Interruptions)

(इस समय श्री देवराज दीवान सहित सदन में उपस्थित विपक्ष के सभी सदस्य सदन की वैल तक चले गए और थोड़ी देर के लिये धरने पर बैठ गये)

Mr. Speaker : As I have named Shri Chautala, I request him to please leave the House.

(At this stage Shri Om Parkash Chautala withdrew from the House.)

वाक - आऊट

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, अगर आप ने इसी तरह से हमें नेम करना है तो हम एज ए प्रोटैस्ट इस सदन से वाक आउट करते हैं।

श्री खुरशीद अहमद : अध्यक्ष महोदय, आप किसी सदस्य को बोलने का मौका तो देंगे नहीं इसलिये हम भी सदन से वाक आउट करते हैं।

(इस समय हरियाणा लोकदल (राष्ट्रीय), इंडियन नैशनल कांग्रेस के सभी उपस्थित सदस्य और श्री देवराज दीवान, आजाद सदस्य एज ए प्रोटैस्ट सदन से वाक आउट कर गये)

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker : Hon'ble members, now next question. Sh. Kailash Chander Sharma.

Repair of Roads

***864. Shri Kailash Chander Sharma** : Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to repair the following roads of District Mohindergarh :—

(i) from Nayan to Sainion Ki Dhani;
(ii) from Thanwas to Amarpura ;
(iii) from Moshnuta to Bayal via Panchnuta ;
(iv) from Lujota to Dokhera ;
(v) from Nagal Dargu to Golwa ;
(vi) from Khatoti to Dohar Mohanpur ;
(vii) from Bhankhri to Badopur ; and
(viii) from Mohindergarh road Nasibpur to Bans via Dharsu ?

लोक निर्माण मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : हां, श्रीमान जी।

श्री कैलाश चन्द्र शर्मा : स्पीकर सर, मैंने तारांकित प्रश्न सं० 864 में जो सड़कें दर्शायी हैं, उन सड़कों की हालत बहुत ज्यादा खराब है। मेरा आपके माध्यम से मंत्री जी से निवेदन है कि इन सड़कों को जल्दी से जल्दी ठीक करवाने का कष्ट करें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री कैलाश चन्द्र शर्मा जी ने जो प्रश्न पूछा है उस बारे में इनकी बात ठीक है कि इन सड़कों की हालत काफी खराब है। इन सड़कों में जो खटोटी से डोहर मोहनपुर तक की सड़क है उस सड़क को ठीक करने का काम हमने अलाट कर दिया है, जिस पर लगभग 12 लाख 42 हजार रुपये का खर्चा होगा। जो सात अन्य सड़कें हैं, उनमें ओ०डी०आर० का काफी काम होना है और इन पर हैवी पैचवर्क किया जाना है। जितना भी जल्दी हो सकेगा हम इन सड़कों को ठीक करने की कोशिश करेंगे।

श्री कैलाश चन्द्र शर्मा : धन्यवाद, सर।

UPGRADATION OF SUB-STATION SANJARWAS

***956. Shri Sat Pal Sangwan :** Will the Chief Minister be pleased to state :—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to increase the capacity of Sanjarwas, Ateli Khurd, Old Dadri Power sub-station; and

[Shri Sat Pal Sangwan]

(b) the time by which the work for setting up of new sub-station at Morewala is likely to be completed ?

मुख्यमंत्री (श्री बंसी लाल) :

(क) 33 के०वी० उपकेन्द्र, सांजरवास तथा 132 के०वी० उपकेन्द्र अटेली की क्षमताओं में वृद्धि करने के लिए प्रस्ताव है। 132 के०वी० उपकेन्द्र, पुरानी दादरी (दादरी-1) की क्षमता में वृद्धि करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ख) नए 33 के०वी० उपकेन्द्र मोरवाला का निर्माण कार्य सितम्बर, 1999 तक पूर्ण हो जाएगा।

बिजली राज्य मंत्री (श्री अत्तर सिंह सैनी) : अध्यक्ष महोदय, सांगवान जी ने चार सब-स्टेशनों के बारे में पूछा है, जिनमें अटेली खुर्द अथवा अटेली कला नाम का कोई सब-स्टेशन नहीं है। अध्यक्ष महोदय सबसे पहले मैं सांजरवास सब-स्टेशन के बारे में बताना चाहूंगा। सांजरवास सब-स्टेशन में 44.5 एम०वी०ए० की इंस्टाल्ड कैपेसिटी है और डिमांड मैक्सिमम 33.5 एम०वी०ए० की है इसलिए इस सब-स्टेशन को ऑगमैंट करने की हमारी कोई प्रोपोजल नहीं है। जब भी इस सब-स्टेशन की कैपेसिटी बढ़ाने की डिमाण्ड होगी तो हम उसको बढ़ा देंगे। वैसे कुछ दिन पहले इस सब-स्टेशन की 2 एम०वी०ए० की कैपेसिटी बढ़ाई गई थी। अब इस सब-स्टेशन की 10 एम०वी०ए० की कैपेसिटी है तथा 8.5 एम०वी०ए० का इसके ऊपर लोड है। अध्यक्ष महोदय, मार्च, 2000 तक हम इसके ऊपर 6.3 एम०वी०ए० के 2 ट्रांस्फार्मर्ज़ और लगाने जा रहे हैं। इस प्रकार से 12.6 एम०वी०ए० की कैपेसिटी इस में और जुड़ जाएगी। अध्यक्ष महोदय, पुरानी दादरी के सब-स्टेशन की इंस्टाल्ड कैपेसिटी 24 एम०वी०ए० की है तथा वहां पर ज्यादा से ज्यादा डिमांड 16 एम०वी०ए० की है। अभी इस में भी गुंजाइश है व इस में भी ज्यों-ज्यों डिमांड बढ़ेगी, हम इसकी कैपेसिटी भी बढ़ा देंगे।

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने जो सांजरवास के बारे में जिक्र किया है, मैं बताना चाहता हूं कि वहां पर कुल 6 एम०वी०ए० के ट्रांस्फार्मर्ज़ हैं। आपके हल्के और मेरे हल्के के गांव इकट्ठे सांजरवास में आते हैं। अब मुझे पता नहीं कि मंत्री जी ने लोड कैसे काउंट किया है ? मैं तो उस सब-स्टेशन पर खुद भी एक दिन शाम को गया था। मालूम नहीं कि मंत्री जी कैपेसिटी कैसे गिनते हैं ? लेकिन मैं आपके माध्यम से इन को बताना चाहूंगा कि वहां पर इतना लोड है, आपने भी देखा होगा कि कभी-कभी और खासकर शाम को 6.00 बजे से 9.00 बजे तक और सुबह के समय में बिजली का इतना ज्यादा लोड होता है कि बार-बार ट्रिपिंग होती है। इसलिए मेरा आपके माध्यम से मंत्री जी से अनुरोध है कि वहां पर लोड का दुबारा सर्वेक्षण करवाएं। मेरे ख्याल से यह जो सूचना मंत्री जी ने सदन में दी है, ठीक नहीं लगती है।

श्री अत्तर सिंह सैनी : अध्यक्ष महोदय, अगर इनको सूचना ठीक नहीं लगती है तो हम दुबारा से लोड का सर्वेक्षण करा लेंगे तथा यदि वहां पर डिमांड ज्यादा पाई गई तो इस सब-स्टेशन को और ऑगमैंट कर देंगे।

श्री अध्यक्ष : मंत्री जी, जैसे सोगवान साहिब ने कहा है कि इस सब-स्टेशन में आधे से ज्यादा गांव तो उनके हल्के के हैं और इमलोटा से बींद तक 16-17 गांव मेरे हल्के के भी हैं। इस सब-स्टेशन पर कोई भी इंडस्ट्री नहीं है। आप यह देख लें कि 1988 में वहां के लोगों ने ट्यूबवैल कनैक्शंज़ के लिए 37 प्रार्थना-पत्र दिए थे लेकिन आज तक वहां पर ट्यूबवैल का एक भी कनैक्शन नहीं दिया गया है। हमारे एरिया में 1995 में उस समय जो बाढ़ आई थी या किसी तरह से लाई गई थी, उस समय उस एरिया में वॉटर-लैवल इतना अधिक बढ़ गया था कि नहरों के साथ वॉटर लॉगिंग की समस्या खड़ी हो गई थी। इसका एक ही तरीका हो सकता है कि वहां पर ट्यूबवैल लगाए जाएं ताकि पानी दूर जाए और जल-स्तर नीचे चला जाए। इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है तथा मेरा हल्का होने के नाते भी आप यह देख लें कि जब वहां पर लोड कम था, तो ट्यूबवैल कनैक्शंज़ अब तक क्यों नहीं दिए गए हैं ? (विघ्न) मैं रिक्वैस्ट ही कर देता हूं। अगर उनके पास लोड पूरा था तो 37 के 37 कनैक्शंज़ वहां पर दे दिए जाने चाहिए थे। आज तो स्थिति यह है कि वहां पर 1-2 नहीं बल्कि हजारों लोग ट्यूबवैल लगाने के लिए तैयार बैठे हैं ताकि वे अपने खेतों से पानी बाहर निकाल सकें और नहरों के साथ जो वॉटर लॉगिंग हो गई है, वह दूर हो सके। इसलिए इस बात को मद्देनज़र रखते हुए क्या आप यह सर्वेक्षण दुबारा करवाएंगे ? अगर उनके पास लोड पूरा है तो अब तक उनको ट्यूबवैल कनैक्शंज़ क्यों नहीं दिए गए हैं और कितने कनैक्शंज़ आप अब दे सकते हैं ?

श्री अत्तर सिंह सैनी : अध्यक्ष महोदय, चाहे ट्यूबवैल कनैक्शन हो, डोमैस्टिक कनैक्शन हो या इंडस्ट्रीज़ का कनैक्शन हो, इन के लिए बाकायदा एक सीनियरटी लिस्ट बनाई हुई है, जिसके अनुसार कनैक्शन दिए जाते हैं। जहां तक अध्यक्ष महोदय, आपके सवाल का संबंध है, हमारे पास 100 प्रार्थना पत्र आए थे, जिन में से 37 की सिक्योरिटी जमा हुई थी तथा डिमांड नोटिस भी इशू हुए थे। सीनियरटी लिस्ट के अनुसार जैसे ही उनका नम्बर आएगा, उनको कनैक्शन दे दिए जाएंगे। जहां तक सर्वेक्षण दुबारा करवाने की बात है, आप कहते हैं तो वह हम फिर से करवा देंगे तथा अगर लोड बढ़ाने की गुंजाईश होगी तो उसको भी बढ़ा देंगे।

श्री अध्यक्ष : मंत्री जी, 10 साल में कम से कम एक व्यक्ति को तो ट्यूबवैल का कनैक्शन मिल जाना चाहिए था।

श्री अत्तर सिंह सैनी : अध्यक्ष महोदय, हमने कनैक्शन दिए भी हैं।

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, दूसरे इन्होंने पुरानी दादरी के सब-स्टेशन के बारे में बताया। मैं बताना चाहता हूं कि वहां पर जो बिजली की डिमांड है, उससे ज्यादा इस सब-स्टेशन की इंस्टाल्ड कैपेसिटी है। अध्यक्ष महोदय, पुरानी दादरी में समसतपुर और ढाणी फोखाट दो फीडर हैं तथा एक बधवाना डिस्ट्रीब्यूटरी का पम्प हाऊस है। जब यह पम्प हाऊस चलाया जाता है तो उस समय बिजली की ओवर लोडिंग हो जाती है और यह ओवर लोडिंग कम बिजली की वजह से होती है क्योंकि पुरानी दादरी के सब-स्टेशन की कैपेसिटी कम है। अध्यक्ष महोदय, मैं जब भी शाम को गांव में जाता हूं तो पाता हूं कि वहां पर बिजली ही नहीं होती है। हमारे यहां पूरे 24 घंटों में से 6 घंटे भी बिजली ठीक तरह से नहीं आती, जिससे लोगों को बड़ी परेशानी होती है।

श्री अत्तर सिंह सैनी : अध्यक्ष महोदय, पुरानी दादरी के सब-स्टेशन की इंस्टाल्ड कैपेसिटी 24 एम०बी०ए० की है और वहां पर बिजली का लोड 16 एम०वी०ए० है। इस तरह से इसकी कैपेसिटी 8 एम०वी०ए० ज्यादा है। फिर भी अगर इस सब-स्टेशन की कैपेसिटी और बढ़ाने की आवश्यकता होगी तो हम बढ़ा देंगे।

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय को अपने यहां इनवाईट करता हूं, ये खुद शाम को 6.00 बजे आकर देखें तब इन्हें मालूम होगा कि असिलयत क्या है ? हो सकता है कि इनका महकमा इनें गलत इनफार्मेशन देता हो क्योंकि इस महकमें के बारे में थोड़ा बहुत मैं भी जानता हूं। मैंने खुद सांजरवास पावर हाऊस पर जाकर देखा है कि वहां पर ओवर लोडिंग हो जाती है, लेकिन यह मालूम नहीं कि कैसे होती है ?

श्री अत्तर सिंह सैनी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मेरे साथी सांगवान साहब को आश्वासन देता हूं कि मैं इनके साथ पुरानी दादरी जाकर निरीक्षण कर लूंगा। जहां तक मोरवाला में 33 के०वी० के नये सब-स्टेशन का काम पूरा होने का इनका सवाल है उस बारे में मैं माननीय साथी को बताना चाहूंगा हूं कि इस सब-स्टेशन का फाउंडेशन स्टोन रखा जा चुका है। जिस समय यह फाउंडेशन स्टोन रखा गया था उस समय सांगवान साहब भी मौके पर उपस्थित थे। जब मैंने मौके पर जाकर इस सब-स्टेशन को देखा, उस समय भी सांगवान साहब मेरे साथ थे। मैं सांगवान साहब को आश्वासन देता हूं कि यह सब-स्टेशन सितम्बर, 1999 तक बनकर तैयार हो जायेगा।

श्री अध्यक्ष : मंत्री महोदय, क्या आप सांजरवास सब-स्टेशन की कैपेसिटी दोबारा चैक करवायेंगे और अगर उसकी कैपेसिटी बढ़ाने की आवश्यकता हुई तो क्या आप उसको बढ़ाने का आश्वासन देंगे ?

श्री अत्तर सिंह सैनी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपको आश्वासन देता हूं कि सांजरवास सब-स्टेशन की कैपेसिटी दोबारा चैक करवायेंगे तथा डिमांड व जस्टिफिकेशन के आधार पर उसकी कैपेसिटी बढ़ा देंगे। (विघ्न)

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, बिजली मंत्री महोदय ने मेरे एक सवाल का तो जवाब दिया ही नहीं। मैंने मंत्री महोदय से अटेला खुर्द सब-स्टेशन के बारे में पूछा था। अध्यक्ष महोदय, इस सब-स्टेशन से मेरी कंस्टीच्यूएंसी व बाढड़ा कंस्टीच्यूएंसी के गांवों को बिजली मिलती है। इसके अतिरिक्त चार पम्प हाऊसिज को भी बिजली यहीं से जाती है। मेरे कहने का मतलब यह है कि जब ये पम्प हाऊस चलते हैं तो वहां बहुत ज्यादा बिजली का लोड हो जाता है तथा दूसरी जगह बिजली नहीं रहती है। जब इस बारे में महकमें के अधिकारियों से पूछते हैं तो वे कहते हैं कि अटेला खुर्द सब-स्टेशन की कुल इतने यूनिट्स बिजली है जिसमें से ज्यादातर यूनिट्स पम्प हाऊसिज को चली जाती है। परिणामस्वरूप मेरे एरिया में ट्रिपिंग की भारी समस्या है। क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि अटेला खुर्द सब-स्टेशन की कैपेसिटी बढ़ाने हेतू इससे ज्यादा जस्टिफिकेशन वे किसे मानते हैं ? अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी अभी बता रहे थे कि मोरवाला में सब-स्टेशन बनाने हेतू काम शुरू कर दिया है, इसके लिये मैं मुख्यमंत्री जी का बहुत ही धन्यवादी हूं क्योंकि लोगों की यह एक लम्बे अर्से से मांग थी। इसके अलावा मैंने जो प्रश्न मोरवाला सब-स्टेशन के बारे में हाउस में रखा है, मंत्री जी ने इसका जो जबाव दिया है, उसमें भी कुछ गड़बड़ है, क्योंकि प्रदेश की जनता से इस सरकार का वायदा है कि जून, 1999 तक प्रदेश के अन्दर बिजली की समस्या दूर हो जायेगी अर्थात् 24 घण्टे बिजली मिलेगी। दूसरी ओर मंत्री जी कह रहे हैं कि मैंने जो समस्या रखी है, उसका समाधान सितम्बर, 1999 तक हो जायेगा। इसलिये इससे अच्छा तो यही होगा कि मैं अपना सवाल ही वापिस ले लूं क्योंकि मंत्री जी सरकार के जून के वायदे के और दो महीने बाद का समय बता रहे हैं। इसलिये मैं मंत्री जी से चाहूंगा कि वे जनता के सामने किये गये वायदे के मुताबिक ही अपना जवाब दें।

श्री अत्तर सिंह सैनी : अध्यक्ष महोदय, यदि ईश्वर ने चाहा तो श्री सांगवान जी के हल्के की बिजली की समस्या का समाधान सितम्बर, 1999 से पहले ही कर देंगे। लेकिन अध्यक्ष महोदय, श्री सांगवान जी ने जो अटेला कलां या खुर्द का जिक्र किया है, मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि अटेला कलां या खुर्द नाम का हमारे पास कोई सब-स्टेशन नहीं है। हां, अटेला सब-स्टेशन जरूर है।

श्री अध्यक्ष : श्री अत्तर सिंह सैनी जी, आप अटेला सब-स्टेशन के बारे में ही बता दें।

श्री अत्तर सिंह सैनी : अध्यक्ष महोदय, अटेला सब-स्टेशन की टोटल इंस्टाइलड कैपेसिटी तीन ट्रांसफार्मर्ज़ की है, इसमें पहले दो ट्रांसफार्मर्ज़ 12.5 एम०वी०ए० और 16 एम०वी०ए० के थे। अब एक और 16 एम०वी०ए० का ट्रांसफार्मर वहां पर लगाया गया है। इस तरह से अब इस सब-स्टेशन की कैपेसिटी 44.5 एम०वी०ए० की हो गई है जबकि वहां पर मैक्सिमम लोड 33.6 एम०वी०ए० का है।

Since the capacity is available, there is no proposal for augmentation of 132 K.V.A. sub-station in Atela Kalan.

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, हमारी समझ में मंत्री जी की यह बात नहीं आती है कि जब 44.5 एम०वी०ए० की कैपेसिटी का यह सब-स्टेशन है तथा इस पर लोड केवल 33.6 एम०वी०ए० का है, फिर वहां पर ट्रिपिंग क्यों होती है ? यह ट्रिपिंग की प्रोब्लम तो हर सब-स्टेशन पर आ रही है।

श्री अध्यक्ष : श्री अत्तर सिंह सैनी जी, आप श्री सांगवान जी की अपने जवाब से पूरी संतुष्टि कीजिए।

श्री अत्तर सिंह सैनी : सर, मैं यही कोशिश कर रहा हूं कि इनकी संतुष्टि हो जाये।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से ट्रिपिंग के बारे में एक बात बताना चाहूंगा। ऐसा होता है कि चाहे हमारे पास कितनी ही फालतू बिजली क्यों न हो लेकिन जब हमारे पूरे नॉर्दर्न ग्रिड में उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब या हिमाचल स्टेट में कोई भी पावर फालतू ड्रा कर लेगा तो फ्रीक्युएंसी 48.2 से नीचे चली जायेगी और फ्रीक्यूएंसी 48.2 से नीचे जाते ही फोरन बिजली की ट्रिपिंग होगी। यह ट्रिपिंग तो तब समाप्त हो सकती है जब ये सारी स्टेट्स यह तय कर लें कि कोई भी स्टेट फालतू बिजली ड्रा नहीं करेगा। इसके सिवाय इस ट्रिपिंग कंट्रोल का अन्य कोई चारा नहीं है।

श्री जगदीश नायर : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि माननीय मुख्यमंत्री जी जब मेरे हल्के हसनपुर में 17 जनवरी, 1998 को गये थे तो हमने उनसे हसनपुर में 66 के०वी०ए० का सब-स्टेशन लगाने की प्रार्थना की थी। उन्होंने वहां घोषणा भी की थी कि हसनपुर में 66 के०वी०ए० का सब-स्टेशन लगाया जायेगा। लेकिन आज तक उस सब-स्टेशन का काम चालू नहीं किया गया। इसलिये मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि मेरे हल्के का यह प्रोजैक्ट पीछे क्यों डाल दिया गया है ? इसके साथ-साथ मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का भी धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने मेरी इस मांग को स्वीकार किया है।

श्री अत्तर सिंह सैनी : अध्यक्ष महोदय, हसनपुर का केस हम चैक कर लेंगे। अगर माननीय मुख्यमंत्री जी ने ऐसी घोषणा की है तो उसे जरूर टेक-अप किया जायेगा।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयान : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को बताना चाहता हूं कि 6 अप्रैल, 1997 को हमने इसराना हल्के में चौधरी बंसी लाल जी की एक जनसभा कराई

[श्री बिजेन्द्र सिंह कादयान]

थी। उस जनसभा में लोगों की तरफ से इसराना के 33 के०वी०ए० सब-स्टेशन को अपग्रेड करने की डिमांड की गई थी जिसे मुख्यमंत्री जी ने मान लिया था। क्या मंत्री महोदय कृपया बतायेंगे कि उस सब-स्टेशन को अपग्रेड करने का काम कब तक शुरू हो जायेगा ?

श्री अध्यक्ष : कादयान साहब, क्या आपने मंत्री जी से खुद भी इस संबंध में बात की थी ?

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयान : अध्यक्ष महोदय, इस संबंध में, मैं खुद मंत्री जी से मिला था और मैंने बिजली बोर्ड के चेयरमैन से भी बात की थी लेकिन इस समय क्या पोजिशन है, इसका मुझे ज्ञान नहीं है।

श्री अध्यक्ष : मंत्री जी, आप अपने जवाब से इनकी तसल्ली कीजिए।

श्री अत्तर सिंह सैनी : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी से पूछना चाहता हूं कि इस सब-स्टेशन को अपग्रेड करके कितने के०वी०ए० का बनाना था।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयान : अध्यक्ष महोदय, इसे 33 के०वी०ए० से अपग्रेड करके 132 के०वी०ए० का करना था।

श्री अत्तर सिंह सैनी : अध्यक्ष महोदय, मैं इसे चैक करवा लूंगा।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयान : स्पीकर साहब, मंत्री जी इसराना सब-स्टेशन के बारे में बाद में मुझे बता देंगे। स्पीकर साहब, मैं बताना चाहता हूं कि हमारी सरकार के 1996 में बनने से पहले वाली सरकार के टाईम में ट्यूबवैल के बिजली के कनैक्शंज के लिए किसी किसान से 8 हजार रुपए और किसी किसान से 10 हजार रुपए जमा करवाए गए थे ताकि उन किसानों को बिजली के कनैक्शन के लिए प्रायर्टी दी जाए। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जिन किसानों ने पैसा जमा करवाया था, उनमें से कितने किसानों को ट्यूबवैल के बिजली के कनैक्शन दिए गए और कितने किसानों को नहीं दिए गए जिनको नहीं दिए गए उनको कब तक दे दिए जाएंगे ?

श्री अत्तर सिंह सैनी : स्पीकर साहब, इसके लिए सैपरेट नोटिस चाहिए।

श्री कैलाश चन्द्र शर्मा : स्पीकर साहब, नांगल चौधरी सब-स्टेशन 16 एम०वी०ए० का है जबकि उसकी कैपेसिटी 32 एम०वी०ए० की है। उस सब-स्टेशन से बिजली की तीन लाइनें फटती हैं। आने वाले समय में 24 घंटे बिजली दी जाएगी। यदि उन लाइनों को 8-8 घंटे चलाया गया तो 24 घंटे में एक लाइन का 8 घंटे के बाद ही नम्बर आएगा। उस 16 एम०वी०ए० के सब-स्टेशन को 32 एम०वी०ए० का बनाने के लिए एस्टिमेट भी भेजा हुआ है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि उस 16 एम०वी०ए० के सब-स्टेशन को 32 एम०वी०ए० का कब तक कर दिया जाएगा ?

श्री अत्तर सिंह सैनी : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि हम 220 के०वी० के 4 नए सब-स्टेशन बनाएंगे जिनके नाम हैं – यमुनानगर, तेपला, चीका और महेन्द्रगढ़ और 220 के०वी० के जो सब-स्टेशन आगमैंट करेंगे वे हैं – पेहबा, सोनीपत, रोहतक, निर्सिंग और पंचकूला। जो 132 के०वी० सब-स्टेशन हम बनाएंगे उनके नाम हैं – कुण्डली, चाकुलदाना, पाडला, कंगथली, मुरथल, हरसाना कलां, जलमाना, तोशाम, इंडस्ट्रीयल एरिया भिवानी, लोहारू। माननीय सदस्य बिजेन्द्र सिंह कादियान ने इसराना के बारे में पूछा था, इसराना भी इनमें शामिल है नेवला, साम्पला, एम०डी०यू० रोहतक, सतनाली और मुंडिया खेड़ा। इसी तरह से जो 132 के०वी० के 3 सब-स्टेशन आगमैंट करेंगे वे हैं – सागा, इस्माइलाबाद और उकलाना। इसी तरह से 66 के०वी० के 8 नए सब-स्टेशन

स्थापित करेंगे वे हैं – कालका, मन्सा देवी, सैक्टर 9-गुड़गांव, सैक्टर 56-गुड़गांव, सैक्टर 45-गुड़गांव, मोहरा, चेंसा और डंगाली। इसी तरह से 33 के०वी० के 35 नए सब-स्टेशन स्थापित करेंगे और 33 के०वी० के 37 सब-स्टेशन ऑगमैंट करेंगे, उनके नाम इस प्रकार हैं।

33 K.V. new Sub-Stations—35

1. G.T. Road, Panipat	2. Assandh Road, Panipat	3. Diwana (Panipat)
4. Kutani Road, Panipat	5. Nigdhu (Karnal)	6. Bapoli (Panipat)
7. Butana (Sonipat)	8. Khewra (Sonipat)	9. Khanpur Kalan (Sonipat)
10. Baroda (Sonipat)	11. Surya Roshni (Rohtak)	12. Bhana (Jind)
13. Kheri Sherkhan (Jind)	14. Dalamwala (Jind)	15. Barwala Road, Hansi (Hisar)
16. HUDA Complex (Hisar)	17. Umra (Hisar)	18. Gagankheri/Sisai (Hisar)
19. Daryapur (Fatehbad)	20. Odhan (Sirsa)	21. Rasulpur Ther (Sirsa)
22. Railway Station (Bhiwani)	23. Pataudi (Bhiwani)	24. Zerpur (Mohindergarh)
25. Bawania (Mohinder-garh)	26. Dublana (Mohinder-garh)	27. Khushpura (Mohinder-garh)
28. Jakholi (Kaithal)	29. Sainsa (Kurukshetra)	30. Nassi (K'shetra)
31. Jhansa (K'shetra)	32. Teak (Kurukshetra)	33. Keorak (Kurukshetra)
34. Gumthala (K'shetra)	35. Mini Sectt., Kaithal	

33 K.V. Sub-Stations Augmentation—37

1. Ballah (Karnal)	2. Gheer (Karnal)	3. Kutail (Karnal)
4. Meerut Road (Karnal)	5. Dacher (Karnal)	6. Sanauli Rd., Panipat
7. Tajpur (Sonipat)	8. Begga (Sonipat)	9. MIE, Bahadurgarh
10. Jhajjar	11. Agroha (Fatehabad)	12. Vidyut Nagar (Hisar)
13. Siswal (Hisar)	14. Uchana (Jind)	15. Safidon Old (Jind)
16. Ding (Fatehabad)	17. Isherwal (Bhiwani)	18. Sanjarwas (Bhiwani)
19. RD-0 (Bhiwani)	20. Nakipur (Bhiwani)	21. Chhainsa (Faridabad)
22. Bhojawas (M'garh)	23. Bodhni (K'shetra)	24. Habri (Kaithal)
25. Kirmich (K'shetra)	26. K.U. Kurukshetra	27. Barna (K'shetra)
28. Lukhi (K'shetra)	29. Sewan Gate (Kaithal)	30. Kheri Gulam Ali
31. Pharal (Kaithal)	32. Ishak (K'shetra)	33. Nautch
34. Daba (Kaithal)	35. Mastgarh (Kaithal)	36. Tarsori (Karnal)
37. Ramba (Karnal)		

Admission to MBBS/BDS Courses

***856 Shri Anil Vij :** Will the Minister of State for Medical Education be pleased to state whether Mahrishi Dayanand University has given admission to the students belonging to other States who passed their 10+2, 10+1 and 10th class examination from Chandigarh, in MBBS/BDS courses during the year 1998-99; if so, the number thereof.

चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री (श्री विनोद कुमार मड़िया) : जी हां, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 1998-99 के दौरान एम०बी०बी०एस०/बी०डी०एस० पाठ्यक्रमों में 26 विद्यार्थियों को, जो संघीय क्षेत्र/अन्य राज्यों से सम्बन्ध रखते हैं, दाखिला दिया गया, क्योंकि वे दाखिले के लिए निर्धारित योग्यता की शर्तें पूर्ण करते थे।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, पंजाब और चण्डीगढ़ के मैडीकल कॉलेजिज़ में कैंडीडेट्स के एडमिशन के नियम इस प्रकार के हैं कि पंजाब या चण्डीगढ़ के मैडीकल कॉलेजिज़ में हरियाणा के किसी भी विद्यार्थी को एडमिशन नहीं मिलता है। उन्होंने अपने नियमों में यह मैन्सन किया है –

> "For admission to M.B.B.S./B.D.S. courses in Punjab Colleges conducted by the Punjabi University, Patiala, it is clearly indicated that the test shall be open to the candidates who are residents of Punjab State only."

इसी प्रकार से चण्डीगढ़ के कॉलेज के लिये भी उन्होंने कहा है कि इसमें केवल उन्हीं बच्चों को एडमिशन दिया जायेगा जो चण्डीगढ़ के कॉलेजिज़ के रैगुलर स्टूडैंट्स हैं। लेकिन जो हरियाणा का एम०डी०यू० का मैडीकल कॉलेज है, उसमें चण्डीगढ़ के पढ़ने वाले बच्चे चाहे वे किसी भी स्टेट के हों उनको एडमिशन दिया जाता है, जिससे हरियाणा के स्टूडैंट्स के साथ बहुत नाइन्साफी होती है। मैं आपके माध्यम से मन्त्री महोदय से केवल एक सप्लीमैंटरी पूछना चाहता हूं कि क्या वे इस प्रकार की नियमों में कोई तरमीम करने पर विचार कर रहे हैं जिससे या तो चण्डीगढ़ और पंजाब के कॉलेजिज़ में भी हरियाणा के विद्यार्थियों को उनके शेयर की सीट्स मिलें अथवा फिर हरियाणा के एम०डी०यू० मैडीकल कॉलेज में केवल हरियाणा के डोमिसाइल को ही एडमिशन दिया जाये।

श्री विनोद कुमार मड़िया : अध्यक्ष महोदय, इस सम्बन्ध में मुख्यमन्त्री जी द्वारा गृह मन्त्री श्री मनीराम गोदारा जी की अध्यक्षता में एक कमेटी बनायी हुई है जो कंसीडर कर रही है कि चण्डीगढ़ के कॉलेजिज़ में हरियाणा के जो बच्चे होंगे उन्हीं को एम०डी०यू० मैडीकल कॉलेज, रोहतक में लिया जाए तथा जिन बच्चों का हरियाणा से कोई संबंध नहीं है, उनको अगले साल इस कॉलेज में एडमिशन नहीं दिया जाए। लेकिन अभी तक हमने यह फैसला नहीं किया है। अभी हम कंसीडर कर रहे हैं और हमें उम्मीद है कि ऐसा ही फैसला होगा।

श्री नरेन्द्र शर्मा : अध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार से श्री अनिल विज जी ने एम०डी०यू० में एम०बी०बी०एस०/बी०डी०एस० कोर्सिज के एडमिशन के बारे में पूछा है उसी प्रकार से मैं भी आपके माध्यम से पूछना चाहता हूं कि जिस प्रकार से हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, चण्डीगढ़ व कई अन्य स्टेटस के अन्दर एम०बी०बी०एस० कोर्स में दूसरी स्टेटस के बच्चे एडमिशन नहीं ले सकते हैं क्या उसी प्रकार से हम भी अपने राज्य में करने जा रहे हैं। आखिर हमारे हरियाणा के अन्दर ही इण्डिया के सारे बच्चे क्यों एडमिशन लें ? इसी प्रकार से एम०बी०बी०एस० के बाद एम०डी० की डिग्री होती है जिसमें हिमाचल प्रदेश

में पी०जी०आई० के अन्दर या दिल्ली आदि प्रदेशों के अन्दर केवल उन्हीं स्टेटस के बच्चों को ही एडमिशन मिलता है जबकि हरियाणा में सारे भारतवर्ष के बच्चों के लिए एडमिशन खोल रखा है। मैं जानना चाहता हूं कि क्या ऐसी कोई पॉलिसी है या बनाने जा रहे हैं जिसके तहत एम०डी० डिग्री कोर्स में हरियाणा के अन्दर केवल हरियाणा के बच्चों को ही एडमिशन दिया जाये?

श्री विनोद कुमार मड़िया : इस बारे में गोदारा साहब की अध्यक्षता में जो कमेटी बनायी हुई है, उसमें एम०डी० डिग्री कोर्स वाला प्वायंट भी रखा हुआ है कि इसमें हरियाणा के बच्चों को ज्यादा सीटें दी जायें। (विघ्न) सारी सीटें तो नहीं हो सकती हैं। कुछ नियम व कायदे-कानून होते हैं जिनके हिसाब से काम करना पड़ता है।

श्री नरेन्द्र शर्मा : अध्यक्ष महोदय, पंजाब, दिल्ली और हिमाचल प्रदेश के अन्दर जो कानून लागू हैं वही कानून हरियाणा में भी लागू होगा। हरियाणा के लिये कोई अलग से तो कानून है नहीं। जब हरियाणा का बच्चा दिल्ली, हिमाचल, पंजाब व चण्डीगढ़ के अन्दर एडमिशन नहीं ले सकता तो फिर बाहर का बच्चा हरियाणा में एडमिशन क्यों लें ?

श्री विनोद कुमार मड़िया : आपका सुझाव अच्छा है। इस सम्बन्ध में जो कमेटी बनी हुई है उसमें हम विचार कर लेंगे।

तारांकित प्रश्न संख्या – 906

(माननीय सदस्य, श्री नफे सिंह राठी इस समय सदन में उपस्थित नहीं थे, इसलिये यह प्रश्न पूछा नहीं गया)

तारांकित प्रश्न संख्या – 933

(माननीय सदस्य, श्री रमेश कुमार इस समय सदन में उपस्थित नहीं थे, इसलिए यह प्रश्न पूछा नहीं गया)

तारांकित प्रश्न संख्या – 913

(माननीय सदस्य, श्री बलवंत सिंह इस समय सदन में उपस्थित नहीं थे, इसलिए यह प्रश्न पूछा नहीं गया)

तारांकित प्रश्न संख्या – 919

(माननीय सदस्या, श्रीमती करतार देवी इस समय सदन में उपस्थित नहीं थी, इसलिए यह प्रश्न पूछा नहीं गया)

तारांकित प्रश्न संख्या – 899

(माननीय सदस्य, श्री बलबीर सिंह इस समय सदन में उपस्थित नहीं थे, इसलिए यह प्रश्न पूछा नहीं गया)

तारांकित प्रश्न संख्या – 892

(माननीय सदस्य, श्री धीरपाल सिंह इस समय सदन में उपस्थित नहीं थे, इसलिए यह प्रश्न पूछा नहीं गया)

तारांकित प्रश्न संख्या – 948

(माननीय सदस्य, श्री नरेन्द्र सिंह इस समय सदन में उपस्थित नहीं थे, इसलिए यह प्रश्न पूछा नहीं गया)

तारांकित प्रश्न संख्या – 938

(माननीय सदस्य, श्री राम फल कुंडु इस समय सदन में उपस्थित नहीं थे, इसलिए यह प्रश्न पूछा नहीं गया)

तारांकित प्रश्न संख्या – 889

(माननीय सदस्य, श्री नरेन्द्र सिंह इस समय सदन में उपस्थित नहीं थे, इसलिए यह प्रश्न पूछा नहीं गया)

Connection to Sewerage system

***865. Shri Kailash Chander Sharma :** Will the Minister for Public Health be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to connect the sewerage of Shiv Colony, Mishrawara, Moti Nagar, Jamalpur and Nahar Colony with the dirty Nallah, Mahavir Chowk, of Narnaul City ?

जन स्वास्थ्य मन्त्री (श्री जगन नाथ) : मोहल्ला मिश्रवाड़ा और जमालपुर पहले ही शहर की मुख्य सीवरेज प्रणाली के साथ जोड़े जा चुके हैं। शिव कालोनी में सीवरेज प्रणाली बिछाने का कार्य प्रगति पर है। इस समय मोती नगर और नहर कालोनी में सीवरेज प्रणाली बिछाने के लिए कोई प्रस्ताव नहीं है।

श्री कैलाश चन्द्र शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी को बताना चाहूंगा कि शिव कालोनी से महावीर चौक तक सीवर डल चुका है लेकिन उसे महावीर चौक से गन्दे नाले तक बड़ी लाईन से जोड़ा नहीं गया है। शिव कालोनी में डाले गए सीवरेज का तब तक कोई लाभ नहीं होगा जब तक इसे मेन लाईन से नहीं जोड़ा जायेगा। अतः महावीर चौक के गन्दे नाले से मेन सीवर लाईन को तुरन्त जोड़ा

जाये। साथ ही मैं मंत्री जी के ध्यान में यह बात लाना चाहूंगा कि इसके लिए पिछले साल टैण्डर आमंत्रित किए गए थे लेकिन किसी वजह से वे रद्द कर दिए गए थे। अतः मेरा सरकार से अनुरोध है कि इस काम को तुरन्त करवाया जाये।

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि यह 200 या 500 गज के टुकड़े में सीवरेज का जो काम अधूरा पड़ा हुआ है, इसको अगले 3 मास में पूरा करवा दिया जायेगा।

श्री अध्यक्ष : अब प्रश्नकाल समाप्त होता है।

वर्ष 1999-2000 के बजट पर सामान्य चर्चा

15.00 बजे **Mr. Speaker :** Hon'ble Members, now the discussion on Budget for the year 1999-2000 will take place. Shri Sat Narain Lathar.

आवास राज्य मन्त्री (श्री सत नारायण लाठर) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। हमारे माननीय वित्त मंत्री जी ने जो कर मुक्त बजट पेश किया है इससे सरकार की यह भावना झलकती है कि यह सरकार अपने प्रदेश के प्रति और लोगों के प्रति कितनी जागरूक है तथा हमारी सरकार की नीयत कितनी साफ है। कोई भी कर हमारी सरकार ने नहीं लगाया। सारे देश की निगाहें हरियाणा प्रदेश के बजट पर लगी हुई थीं कि हरियाणा सरकार कैसा बजट पेश करती है? इसके लिए मैं वित्त मंत्री जी का आभारी हूं कि उन्होंने इतना अच्छा बजट पेश किया है। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार हरियाणा प्रदेश की जनता की भलाई के लिए जो कार्य कर रही है, पूरे प्रदेश में उसकी सराहना हो रही है। अध्यक्ष महोदय, आज आम आदमी मानने लगा है कि चौधरी बंसी लाल जी की सरकार 30 जून तक चौबीसों घण्टे तक प्रदेश में बिजली की सप्लाई करने लग जाएगी। अध्यक्ष महोदय, हमारे सामने बैठे हमारे विपक्ष के भाइयों को यह बात हज़म नहीं हो रही है। जैसे कि माननीय मुख्य मन्त्री महोदय ने अपने जवाब में बताया है कि प्रदेश में जब पूरी बिजली मिलने लग जाएगी, सड़कें सही हो जायेंगी, पीने का पानी व सिंचाई का पानी पूरा मिलने लगेगा, बाढ़ की रोकथाम हो जाएगी तो विपक्ष के पास कोई मुद्दा ही नहीं रह जाएगा। अध्यक्ष महोदय, 1968 में जो हरियाणा सरकार बनी थी उस समय हमारे वर्तमान मुख्य मन्त्री चौधरी बंसी लाल जी ही पहली बार मुख्य मन्त्री बने थे। उससे पहले हरियाणा के बारे में दूसरे प्रदेशों के लोग यह कहते थे कि यह राज्य अस्तित्व में तो आ गया लेकिन यह अपने कर्मचारियों को तनख्वाहें कहां से देगा ? अध्यक्ष महोदय, हमारे नेता ने, उस समय के मुख्य मन्त्री ने पहली बार हरियाणा के हर गांव में बिजली दी थी। उस समय 863 मैगावाट बिजली के प्रोजैक्ट लगाए गए थे और उसी संकल्प को दोहराते हुए अब 1279 मैगावाट के नये प्रोजैक्ट लगाने जा रहे हैं। मुजेहड़ी (फरीदाबाद) की पहली इकाई अभी चालू होने जा रही है और दूसरी यूनिट भी जून तक चालू हो जाएगी तो हम पूरे प्रदेश में चौबीसों घण्टे बिजली की सप्लाई देने लगेंगे। अध्यक्ष महोदय, चौधरी ओम प्रकाश चौटाला और कांग्रेस के हमारे साथियों को यह बात हज़म नहीं हो रही है। हमारे नेता जब मुख्य मन्त्री बने थे तो गांव-गांव में सड़क पहुंचाई गई थी लेकिन इन लोगों की सरकार के समय में सड़कों की कभी कोई मुरम्मत नहीं हुई थी और कभी किसी सड़क पर कोई टाकी नहीं लगी थी। आज चौधरी बंसी लाल जी मुख्य मन्त्री बने हैं तो सड़कों की मुरम्मत और विकास के कार्यों की गति बढ़ी है। सड़कों की रिपेयर का काम दिसम्बर तक ठीक-ठाक चल रहा था लेकिन पिछले दिनों मौसम खराब होने और धुन्ध के कारण कुछ समय

[श्री सत नारायण लाठर]

से काम बन्द पड़ा है। 15-20 फरवरी तक यह काम फिर से चालू हो जाएगा। हमारे नेता चौधरी बंसी लाल जी ने ही गांव-गांव में पीनी का पानी पहुंचाया था। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश देश में पहला ऐसा राज्य था जिसमें पीने का पानी हर गांव में उपलब्ध करवाया गया था। चौधरी बंसी लाल जी के पुनः सत्ता में आने के बाद से नये-नये वाटर वर्क्स बनने शुरू हुए हैं और पीने के पानी की मात्रा बढ़ाई जा रही है ताकि हर व्यक्ति को पीने के लिए पानी में किसी प्रकार की कोई दिक्कत न हो। अध्यक्ष महोदय, जहां तक विकास कार्यों के करवाये जाने की बात है आज हरियाणा का आम आदमी जानता है कि हरियाणा प्रदेश में जब-जब चौधरी बंसी लाल जी की सरकार आई है, हरियाणा में विकास के कार्यों में तेजी आई है। आम आदमी भी इस बात को मानता है कि जब चौधरी बंसी लाल जी की सरकार आती है तो विकास कार्य तेजी से होने लगते हैं। आज गांव-गांव में कहीं पक्की सड़कें बन रही हैं, कहीं पर स्कूल बन रहे हैं, कहीं पर गांवों में गलियां पक्की हो रही हैं, कहीं पर स्कूलों का अपग्रेडेशन हो रहा है, कहीं पर सार्वजनिक शौचालयों का काम हो रहा है और कहीं पर सीवरेज बिछाए जा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का अर्थ है कि हमारी सरकार पूरे प्रदेश में विकास कार्य करने में जुटी हुई है। अध्यक्ष महोदय, कुछ लोग यह कहते हैं कि चौधरी देवी लाल जी ने बुढ़ापा पैंशन स्कीम बनाई थी। अध्यक्ष महोदय, उन्होंने पैंशन स्कीम तो बनाई थी लेकिन उसका कोई कानून नहीं बनाया था। आज हमारी सरकार आई है और हमने इसका कानून बनाया है। अध्यक्ष महोदय, जिस तरह से सरकारी कर्मचारी, अधिकारी, कमिश्नर और मिनिस्टर को तनख्वाह मिलती है उसी तरह से आज वृद्धों को भी बुढ़ापा पैंशन हर महीने की 7 तारीख से पहले-पहले मिलती है। पहले हर बुजुर्ग यह कहता था कि हम चौधरी देवी लाल को वोट देंगे क्योंकि उसने हमें पैंशन दी है लेकिन आज आम बुजुर्ग यह कहता है कि चौधरी देवी लाल ने हमारे साथ धोखा किया है। अध्यक्ष महोदय, कल बंता राम जी यहां पर अनुसूचित जाति और जन जाति की बात कर रहे थे और जब मैं बाहर से यहां पर आकर बैठा तो वे कहने लगे कि यह आ गया लाठर। अब आप ही बताएं कि यह क्या बात हुई ? अध्यक्ष महोदय, इनका तो बुरा हाल है। अब बी०जे०पी० ने इनकी पार्टी के साथ समझौता कर लिया और दिल्ली में व राजस्थान में इनके सहयोग से चुनाव लड़ा। अगर बी०जे०पी० इनके साथ समझौता नहीं करती तो वह अवश्य जीतती। अध्यक्ष महोदय, जहां-जहां पर इनकी पार्टी के पैर पड़ते हैं वहां-वहां सब कुछ खराब हो जाता है। अब तो इनकी पार्टी का शटर बंद होने में सिर्फ 4 उंगली का फर्क ही रह गया है। वह भी जल्दी ही बंद हो जायेगा। ये यहां पर आकर बकवास करते हैं, बेमतलब की बात करते हैं। यह सब जानते हैं कि किस तरह की इज्जत ये आपकी चेयर को देते हैं। मैं आपके माध्यम से बताना चाहूँगा कि जब 1987 में चुनाव हुये थे तो जनता ने चौधरी देवी लाल जी की पार्टी को 90 में से 85 सीटों पर जिताया था। उस वक्त इन्होंने अपना जो स्पीकर बनाया था, उनका नाम हरमिन्द्र सिंह चट्ठा था। उस वक्त भी ये ठीक इसी ढंग से काम किया करते थे। ये उनके खिलाफ भी मोशन लाए थे फिर भी वे स्पीकर अपनी कुर्सी पर बने रहे थे, लेकिन चौटाला जी को 3 बार मुख्यमन्त्री की कुर्सी को छोड़ना पड़ा। अध्यक्ष महोदय, इनका जो व्यवहार है वह ठीक नहीं है। इनको सदन में बोलना ही नहीं आता है, इनमें से कई वकील हैं लेकिन चौटाला साहब उनको बाहर से कुछ पढ़ा-लिखा कर ले आते हैं और वे वही बातें अन्दर आकर बोलने लग जाते हैं। उन पर किसी का कंट्रोल नहीं है। श्री जगन नाथ जी ने ठीक ही कहा था कि अगर हमारे नेता उंगली भी कर दें कि नहीं बोलना है तो हम बिल्कुल भी नहीं बोलते। लेकिन इनकी तो कोई जुबान ही नहीं है, न ही उस पर कोई कंट्रोल है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन के सभी मैम्बर्ज को और प्रदेश के लोगों को यह बताना चाहूँगा कि "छाज तो बोले लेकिन छलनी क्या बोले"। अब ओम प्रकाश चौटाला कानून

व्यवस्था की बात करते हैं। मैं मानता हूँ कि शराबबंदी के वक्त में कुछ प्रोब्लम हुई थी। अध्यक्ष महोदय, हमारे प्रदेश के साथ दिल्ली, पंजाब और उत्तर प्रदेश के बार्डर्ज़ लगते हैं जहां से अपराधी आते रहते हैं लेकिन हमारी सरकार एक-एक गिरोह को तसल्ली से पकड़ने में लगी हुई है। मैंने पिछले सदन में भी ओम प्रकाश चौटाला जी के बारे में बताया था कि उन्होंने मेहम में अपनी ग्रीन ब्रिगेड से क्या-क्या करवाया था ? अध्यक्ष महोदय, 27 फरवरी, 1990 को ये चुनाव हुए थे और 28 फरवरी 1990 को खरक बैंसी गांव के एक बूथ में पुनर्मतदान था। ओम प्रकाश चौटाला जी ने अपने बेटे अभय चौटाला को बुलाया और वहां बूथों पर कब्जा करने के लिए भेजा। चौटाला साहब ने उसे यह भी कहा कि कब्जा करके अपनी पार्टी के वोट डाल देना क्योंकि मैंने 40 हजार वोटों से यह चुनाव जीतना है। उस गांव में बुजुर्ग व भाई-बहिनें लाईन में लगे हुए थे और बहुत शान्तिपूर्वक वोट डाल रहे थे। अभय चौटाला ने उनसे पूछा कि तुम यहां पर क्यों आए हो ? उन्होंने जवाब दिया कि आज वोट डालने हैं। हम अपने उम्मीदवार को वोट डालने के लिए आए हैं। अभय चौटाला ने कहा कि तुम घर जाओ और मैं आपके वोट डाल दूंगा क्योंकि तुम्हारे वोट ओम प्रकाश चौटाला को पड़ने हैं। वे पंजाबी भाई शरीफ थे और वापिस अपने घरों को जाने लगे। जब वे वापिस जा रहे थे तो रास्ते में उनको खरक बैंसी गांव का हरि सिंह सरपंच मिल गया। उस ने उनसे पूछा कि कहां जा रहे हो ? आज वोट डलने हैं, आप लोग अपने-अपने वोट डालने जाएं। इस पर गांव वालों ने बताया कि मुख्यमन्त्री का बेटा आया है और उसने गोली चलाई है इसलिए हम वापिस जा रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अभय चौटाला ने यह कहा है कि तुम्हारे वोट हम डालेंगे।

इसके बाद हरि सिंह पोलिंग बूथ पर आ गया और उसके पीछे-पीछे सारे गांव के लोग भी आ गए। हरि सिंह ने कहा कि हमारे को यहां पर वोट डालने से कौन रोकता है ? हम तो अपना वोट डालेंगे। अध्यक्ष महोदय, उन लोगों ने कहा कि वहां पर अभय सिंह चौटाला के चमचों ने कहा है कि हरि सिंह को यहां पर मत आने दो। इस पर हरि सिंह ने कहा कि वोट हमारे हैं, स्कूल हमारा है तो हम वोट क्यों नहीं डालेंगे ? तब चौटाला के चम्चों ने कहा कि अगर जान प्यारी है तो यहां से चले जाओ। अगर तुम यहां से नहीं गए तो फिर यहां से लाशें जायेंगी लेकिन उस हरि सिंह ने हठ पकड़ ली। उसके बाद उन लोगों ने उसको गोली मार दी और हरि सिंह वहीं पर ढेर हो गया। उसके बाद जब "मेहम-चौबीसी" के लोगों को पता लगा कि मुख्यमन्त्री के बेटे ने सरपंच का कत्ल कर दिया है तो वहां के लोग हथियारों समेत वहां आ गए और स्कूल को घेर लिया। अध्यक्ष महोदय, फिर क्या था उसके बाद सारी सरकार में इनकी मिट्टी-मिट्टी हो गई कि मुख्यमन्त्री का बेटा लोगों की हिरासत में है, पुलिस उसको बचाए हुए है तथा जनता कभी भी उसका कत्ल कर सकती है। उसके बाद जब इस वारदात का देश के उस समय के उप-प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल को पता लगा जो देश के एक अति उच्च पद पर बैठे हुए थे तो उन्होंने कहा कि चाहे सारे हरियाणा का कत्ल हो जाए लेकिन उनके पोते का कत्ल नहीं होना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, उस समय प्रदेश के मुख्यमन्त्री श्री ओमप्रकाश चौटाला थे इन्होंने भी उस समय यही कहा था कि चाहे सारी पुलिस शहीद हो जाए लेकिन मेरे बेटे को कोई आंच नहीं आनी चाहिए। उस समय भिवानी के तत्कालीन एस०पी० श्री करतार सिंह तोमर ने उनको कहा कि मैं आपके बेटे को बचाकर लाऊंगा। उसके बाद वह एस०पी० बैंसी गांव में गया और उसने लोगों से पूछा कि यहां पर इतने सारे लोग क्यों एकत्रित हुए हैं ? तब वहां के लोगों ने उससे कहा कि मुख्यमंत्री के बेटे ने हमारे सरपंच का कत्ल कर दिया है और वह स्कूल के अंदर है। वह एस०पी० कहने लगा कि मैं उनके बेटे को अंदर जाकर पकड़ कर लाता हूं। अध्यक्ष महोदय, वह स्कूल के अन्दर गया। अन्दर जाकर उसने अभय सिंह से कहा कि आपको बचाने की जिम्मेदारी मेरी है। वहां पर अभय सिंह का जो गनमैन था उसको वह एस०पी० कहने लगा कि तुम अपने कपड़े यानी वर्दी उतारकर अभय

[श्री सत नारायण लाठर]

सिंह को दे दो। अध्यक्ष महोदय, उस सिपाही को एस०पी० का आदेश मानना पड़ा और उसने अपनी वर्दी उतारकर अभय सिंह को दे दी। उसके बाद अभय सिंह उसकी वर्दी पहनकर एस०पी० की कार में आकर बैठ गया और अभय सिंह के कपड़े पहनकर जब वह सिपाही उस एस०पी० के साथ बाहर आया तो वह एस०पी० लोगों से कहने लगा कि इसने तुम्हारे सरपंच का कत्ल किया है। उसके बाद लोगों ने उस सिपाही के टुकड़े-टुकड़े कर दिए। **(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए)** उपाध्यक्ष महोदय, वह सिपाही अपने मां-बाप का इकलौता बेटा था। उसके बाद जब पुलिस को यह पता लगा कि उनके एक सिपाही भाई को धोखे से मरवा दिया गया है तो सारी पुलिस बागी हो गयी तथा बागी पुलिस ने ओम प्रकाश चौटाला के कट्टर समर्थकों के ऊपर लाठियां बरसानी शुरू कर दीं। उपाध्यक्ष महोदय, उस समय वहां पर, तब के गृह मंत्री चौधरी सम्पत सिंह, जो आजकल फतेहाबाद से विधायक हैं, भी मौजूद थे। इनको भी पुलिस ने वहां पर जूतियों से पीटा था। इसके अलावा उस समय के पंचायत मंत्री मास्टर हुक्म सिंह, परिवहन मंत्री धर्मबीर, जो उस समय तख्त के नीचे घुस गए थे, को भी पुलिस ने पीटा था। उस समय जयप्रकाश जी कि हिसार से एम०पी० हुआ करते थे, वे भी वहां पर थे, उनको भी पुलिस ने पीटा था। लेकिन आज ये आदमी चौधरी बंसीलाल जी के ऊपर कटाक्ष करते हैं, प्रदेश की कानून व्यवस्था पर कटाक्ष करते हैं और कहते हैं कि पुलिस रक्षा करती है न कि पीटती है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं इनको बताना चाहता हूं कि आज की जो पुलिस है वह हरियाणा की जनता की रखवाली करती है, हरियाणा प्रदेश की कानून व्यवस्था की रक्षा करती है। इसके बारे में जितना कहा जाए वह कम है। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अलावा भाई अमीर सिंह जो इनके परिवार का एक सच्चा भक्त था, जो चौधरी देवी लाल के पैर दबाता था और चौधरी ओम प्रकाश चौटाला पर फूल बरसाता था लेकिन जब 16 मई, 1990 को होने वाले चुनाव में इनको अपनी हार स्पष्ट नजर आई क्योंकि सी०आई०डी० ने रिपोर्ट दे दी थी कि इस चुनाव में मुख्यमंत्री बुरी तरह से हारेगा तो उपाध्यक्ष महोदय, इनको कोई और नहीं मिला, इन्होंने अपने ही आदमी जो इनका बढ़िया साथी था, उस अमीर सिंह का कत्ल करवा दिया। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपको एक बात और बताना चाहता हूँ। मेहम में एक उपचुनाव पहले भी हुआ था। उस समय प्रदेश के मुख्यमंत्री चौधरी बंसी लाल थे तथा वहां से राज सिंह दलाल को टिकट दिया गया था। "मेहम चौबीसी" ने हरस्वरूप को अपना कैंडीडेट बना दिया। उपाध्यक्ष महोदय, जब राज सिंह दलाल को वहां से अपनी हार नजर आई तो वह आकर चौधरी बंसी लाल जी को कहने लगा कि मुझे अपनी हार नजर आ रही है, इसलिए चौधरी साहब, आप ही कुछ करो तो चौधरी बंसी लाल जी ने उस समय यह कह दिया था कि लोगों का दिल जीतो क्योंकि जिसके ज्यादा वोट होंगे वही जीतेगा। इसी तरह से फतेहाबाद में बाई इलैक्शन हुआ। अगर हमारी सरकार चाहती तो वहां से हमारा उम्मीदवार जीत सकता था लेकिन चौधरी साहब ने यही बात फिर कही कि जिसके ज्यादा वोट होंगे वही जीतेगा। पिछले दिनों आदमपुर में उपचुनाव हुआ था। आज भजन लाल का छोटा बेटा कुलदीप बिश्नोई बड़ी-बड़ी बातें करता है कि मैं वहां से चुनाव जीतकर आया हूँ। उपाध्यक्ष महोदय, सबको पता है कि वह कैसे चुनाव जीतकर आया है ? यह हरियाणा की जनता भी जानती है भिवानी के लोकसभा चुनाव में ओम प्रकाश चौटाला जी का बेटा जहां आदमपुर हल्के से 48 हजार या 52 हजार वोट लेता है विधानसभा उपचुनाव में वहीं से चौटाला के कैंडीडेट को मात्र चार हजार वोट मिलते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, वहां से इन लोगों ने मिलकर चुनाव लड़ा था। इसी तरह से जब आदमपुर हल्के का बाई-इलैक्शन हुआ, कुलदीप बिश्नोई वहां से ओम प्रकाश चौटाला जी की मेहरबानी से जीतकर आया है। अब तक चौटाला और भजन लाल ये दोनों मिलकर के हरियाणा प्रदेश की भोली-भाली जनता को बरगलाते रहे, लोगों को ये

कहते रहे कि हम तुम्हारे रक्षक हैं, हम तुम्हारा भला करेंगे। लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, आज प्रदेश की जनता अच्छी तरह से जान चुकी है कि उनका सच्चा हितैषी और प्रदेश में विकास करने वाला एकमात्र नेता चौधरी बंसी लाल ही है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूं कि पुलिस की भर्तियां पहले भी होती थीं। चौधरी देवी लाल के राज में, चौधरी ओम प्रकाश चौटाला के राज में भी भर्तियां हुई थीं। चौधरी भजन लाल के राज में तो सारे प्रदेश की जनता को पता है कि चन्द्र मोहन हिसार में अपनी कोठी पर कैंडीडेट्स की छाती नापता था। वह जिसको सलैक्ट करता, वह सलैक्ट हो जाता, जिसको रिजैक्ट करता वह रिजैक्ट हो जाता। लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, आपको पता होगा कि पिछले दिनों जो हरियाणा पुलिस की भर्तियां हुईं वे कितनी पारदर्शिता से हुई ? इन भर्तियों में योग्य व्यक्तियों को भर्ती किया गया। जहां एस०सी० कैण्डीडेट्स लगने थे वहां एस०सी० लगाए गए, बैकवर्ड क्लास का जितना कोटा था उस हिसाब से बैकवर्ड क्लास के कैण्डीडेट्स लिए गए। उपाध्यक्ष महोदय, आज चौधरी बंसी लाल के राज में बैकवर्ड चौपालें बन रही हैं, हरिजन चौपालें बन रही हैं। पिछले नेताओं ने हरिजनों के साथ ऐसे-ऐसे गलत वायदे कर लिए थे जैसे कि जब भी किसी हरिजन के यहां कोई बच्चा पैदा होगा तो संबंधित डी०सी० उसके लिए गुंद का पीपा लेकर आएगा, उसका पीलिया लेकर आएगा, उसकी चूंदड़ी लेकर आएगा। हरिजन कहते थे कि ये बहुत बढ़िया रिश्तेदार हैं, इनको न चिट्ठी डालनी पड़ेगी, न ही जाना पड़ेगा। लेकिन इनकी ये सारी बातें उन्होंने थोथी पाई। पिछली कांग्रेस सरकार ने हरिजनों को पता नहीं क्या-क्या झूठे लहारसे दिये थे। लेकिन आज जो सरकार चौधरी बंसीलाल जी के नेतृत्व में चल रही है, उस ने लोगों से जो वायदे किये थे उन वायदों को एक-एक करके यह सरकार पूरा करने जा रही है। जो महाशय हमारे सामने बैठते हैं ये आज एस०वाई०एल० की बात करते हैं। ये एस०वाई०एल० का मुद्दा उस समय क्यों नहीं लाये थे जब 1977 में चौधरी देवीलाल जी इस प्रदेश के मुख्यमन्त्री थे, पंजाब में श्री प्रकाश सिंह बादल जी मुख्यमंत्री थे, इस देश के प्रधानमंत्री श्री मोरारजी देसाई जी थे और देश के गृह मंत्री चौधरी चरण सिंह जी थे उस समय वे इस मुद्दे को क्यों नहीं लाये? इसके बाद 1987 में जब चौधरी देवीलाल जी इस प्रदेश के मुख्यमंत्री थे और पंजाब में उस समय गवर्नर राज था व इनके लगाये हुए गवर्नर श्री वीरेन्द्र सिंह बर्मा जी थे, उस समय ये एस०वाई०एल० का मुद्दा क्यों नहीं लाये ? उसके बाद 1989 में जब देश के उप-प्रधान मंत्री चौधरी देवी लाल जी थे, पंजाब में इनका गवर्नर था और हरियाणा का मुख्यमंत्री चौधरी ओमप्रकाश चौटाला था, उस समय ये एस०वाई०एल० का मुद्दा क्यों नहीं लाये ? उस समय एस०वाई०एल० का मुद्दा इनको याद नहीं आया। ये किसानों के कितने हितैषी हैं, इस बारे में मैं आपको बताता हूं। जब चौधरी देवी लाल जी इस देश के उप-प्रधानमंत्री थे और श्री ओमप्रकाश चौटाला जी बदकिस्मती से इस प्रदेश के मुख्यमंत्री थे, उस समय फतेहाबाद और सिरसा में एक नारा लगता था, "नीचे बेटा ऊपर बाप, नरमा बिके-308"। आज हरियाणा की जनता इनको अच्छी तरह से जान चुकी है और अब इनकी दुकान बंद हो चुकी है। आज चौधरी भजनलाल जी का नामलेवा दिनों-दिन मरता जा रहा है और चौधरी ओमप्रकाश चौटाला की दुकान बंद होती जा रही है। उपाध्यक्ष महोदय, इसलिये आज इनको परेशानी हो रही है। ये सिर्फ एक कोशिश करते हैं कि किसी तरह से अखबार वाले इनका नाम छाप दें। शून्यकाल और क्वेश्चन ऑवर में इनका एक-सूत्रीय कार्यक्रम होता है कि किसी तरह से इनका अखबारों में नाम आ जाये तो ये हरियाणा की जनता को जाकर यह कह देंगे कि इन्होंने तो सदन में बहुत बड़ा मुद्दा उठाया था। जिस दिन यह सदन शुरू हुआ उस दिन श्री ओमप्रकाश चौटाला ने केन्द्र सरकार को यह कहा कि यूरिया और खाद के दामों को घटाओ नहीं तो हम अपना समर्थन वापस ले लेंगे। जब केन्द्र सरकार ने यूरिया के दाम नहीं घटाये तो श्री ओमप्रकाश चौटाला बी०जे०पी० की केन्द्र सरकार को फिर क्यों समर्थन दे रहे हैं। उन्होंने अपनी शर्त सिद्ध क्यों नहीं

[श्री सत नारायण लाठर]

की ? जैसा श्री प्रकाश सिंह बादल जी कहेंगे वैसा श्री ओमप्रकाश चौटाला जी करेंगे क्योंकि यह श्री ओमप्रकाश चौटाला की मजबूरी है। वे अपना फैसला खुद नहीं ले सकते। उपाध्यक्ष महोदय, चाहे कोई भी मामला हो उसमें श्री ओमप्रकाश चौटाला जी वही करेंगे जो श्री प्रकाश सिंह बादल करेंगे। उसी का नतीजा हरियाणा प्रदेश की जनता भुगत रही है। पिछले दिनों हरियाणा प्रदेश में केन्द्र सरकार की टीम आई। उस टीम ने जमीन में जो पानी खड़ा था उस जमीन का निरीक्षण किया। लेकिन आज तक हरियाणा के किसानों को मुआवजा नहीं मिल पाया है। उसके न मिलने का कारण यह है कि श्री प्रकाश सिंह बादल बीच में एक-रोड़ा हैं। इसलिए यह मुआवजा नहीं मिल पाया। उपाध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा की जनता को विश्वास दिलाता हूं कि चौधरी बंसीलाल जी जो एक विकास-पुरुष के नाम से जाने जाते हैं, उनके नेतृत्व में जो सरकार चल रही है वह हरियाणा की जनता का भला करेगी। आने वाले समय में जब जनता को बिजली पूरी मिलेगी, सारी सड़कें ठीक हो जायेंगी और पीने का पानी ठीक से मिलेगा, नहर-माईनर ठीक हो जायेंगे, कानून-व्यवस्था में दिन-प्रतिदिन सुधार आता जायेगा तो विपक्ष के लोगों के पास कोई मुद्दा बाकी नहीं होगा और आने वाले चुनाव में चौधरी बंसीलाल जी के नेतृत्व में फिर हमारी सरकार बनेगी। जो बजट हमारे वित्त मंत्री जी ने इस सदन में पेश किया है उसके लिये मैं उनका दोबारा धन्यवाद करता हूं। आपने मुझे बोलने के लिये समय दिया इसके लिए मैं आपका एक बार फिर धन्यवाद करता हूं।

श्री निर्मल सिंह (नग्गल) : उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर हो रही चर्चा में भाग लेने के लिए जो समय दिया, उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। मैं इस बजट के समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं।

उपाध्यक्ष महोदय, मेरे से पहले बोलने वाले वक्ताओं ने और लाठर साहब ने भी इस बजट की प्रशंसा की। दरअसल कोई भी बजट सरकार के काम करने के तरीके व इसकी नीतियों का एक प्रारूप होता है। जब से चौधरी बंसी लाल जी ने इस स्टेट की बागडोर अपने हाथ में ली, उन्होंने राज्य की भलाई व तरक्की के कार्यों की तरफ ध्यान दिया है। मुझे इस बात का बहुत अफसोस है कि आज विरोधी पक्ष के सभी सदस्य सदन में मौजूद नहीं हैं। कई दिन से उनकी हमेशा एक ही कोशिश रही है कि कोई न कोई बहाना करके शोर-शराबा करें और फिजूल की वाहवाही लूटें। वे दो दिन लगातार राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलते रहे और आपने भी उनको बोलने के लिए खूब समय दिया। अगर आप यह तुलना करें कि सत्ता पक्ष को बोलने के लिए कितना समय दिया गया और विपक्ष को बोलने के लिए कितना समय दिया गया तो मालूम होगा कि विपक्ष को बोलने के लिए भरपूर समय दिया गया, लेकिन जैसे ही सत्ता पक्ष की तरफ से मंत्रीगण और सदन के नेता के जवाब देने का समय आया तो उन्होंने सदन में हंगामा खड़ा कर दिया और तोड़-फोड़ की। उपाध्यक्ष महोदय, आप तो जानते ही हैं कि लोकतंत्र में विपक्ष की एक अहम् भूमिका होती है, जो उसको बखूबी निभानी होती है विपक्ष मौजूदा सरकार को चौकन्ना रखता है तथा समय-समय पर सरकार को जगाता रहता है लेकिन हमें अपने विपक्ष के भाइयों से इस तरह की कोई उम्मीद नहीं थी कि आज जब बजट पर चर्चा प्रारम्भ हुई तो वे ऐसे समय में सदन से गैर-हाजिर थे। इस बात का सभी को दुःख है। उपाध्यक्ष महोदय, कहने को तो सभी कहते हैं तथा अपनी बात को बड़े जोर से और अच्छे ढंग से प्रस्तुत करने की कोशिश भी करते हैं लेकिन सत्य तो सत्य है तथा सरकार लोकतंत्र का एक आईना होती है। हरियाणा के इतिहास में जाते हुए मैं कहना चाहूंगा कि जब यह राज्य बना था तो उस समय इस राज्य की जनता के दिमाग में एक प्रश्न था, एक शंका थी कि हरियाणा एक राज्य कैसे बनेगा, इसका स्वरूप

कैसा होगा ? यह भी भ्रांतियां थीं कि हरियाणा सरकार अपने कर्मचारियों को तनख्वाहें भी दे सकेगी या नहीं ? लेकिन ज्यों ही हरियाणा की बागडोर चौधरी बंसी लाल जी के हाथ में आई तथा उन्होंने सरकार की नीतियां बनाई, हरियाणा प्रदेश ने जबरदस्त तरक्की की। इसके लिए इम्प्लीमैंटिंग अथोरिटीज, अधिकारियों, कर्मचारियों और किसानों सभी ने मिलकर काम किया तथा हरियाणा ने हर क्षेत्र में तरक्की की और इस राज्य का नाम विकास के नाम पर हिन्दुस्तान में पंजाब राज्य के बाद दर्ज हुआ। सभी राज्यों ने इस बात की चर्चा की कि यही वह राज्य है जिसको खाने के लिए अनाज भी बाहर से मंगाना पड़ता था, लेकिन "हरित क्रान्ति" व किसानों की मेहनत के बाद यहां अनाज के भंडार भर गए और हम अनाज दूसरे राज्यों में भेजने लगे। अब तो सैंट्रल पूल में भी हम ने अनाज जमा करवाया है। हरियाणा के हर गांव को सड़कों से जोड़ दिया गया है, हर गांव में बिजली मुहैया करवा दी गई है। पूरे भारतवर्ष में इस राज्य ने अपना नाम दर्ज करवाया कि यह सबसे पहला वह राज्य है जिस ने हर गांव में सड़कें बनाने व बिजली पहुंचाने का काम किया है। कानून एवं व्यवस्था के क्षेत्र में भी इस प्रदेश ने काफी तरक्की की तथा चौधरी बंसी लाल जी को इस राज्य का निर्माता कहा जाने लगा। हरियाणा प्रदेश चौधरी बंसी लाल जी के नाम से जाना जाने लगा। इसके बाद ज्यों ही इस की सत्ता दूसरे लोगों के हाथ में आई, इस स्टेट में दंगे-फसाद, गुण्डागर्दी और करप्शन बहुत ज्यादा हो गए। इन घटनाओं के रिकार्ड के साथ-साथ हरियाणा प्रदेश में दलबदली का भी रिकार्ड बना। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा ने जो नाम चौधरी बंसी लाल जी के समय में कमाया था, वह मिट्टी में मिल गया। हरियाणा प्रदेश की जो साख थी उसको गिराया गया। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश में इस तरह का इतिहास चौधरी बंसी लाल जी के शासन काल के बाद 18-20 साल तक चलता रहा। किसी भी लीडर ने हरियाणा प्रदेश की डिवैल्पमैंट की तरफ ध्यान नहीं दिया और इस प्रदेश की जनता की भलाई के लिए कोई भी काम नहीं किया, न ही वे लोग इसके लिए चिंतित थे। इस दौरान जो भी लोग हरियाणा प्रदेश को चला रहे थे उनमें से किसी ने धन कमाया, किसी ने अपना रौब कायम करना चाहा तथा किसी ने गुण्डागर्दी की। उन लोगों ने इस दौरान हर तरह के रिकार्ड तोड़े इसीलिए उन लीडरों के हरियाणा की राजनीति में पांव नहीं जम पाये। उपाध्यक्ष महोदय, उन लीडरों ने कभी भी दूसरी बार चुनाव का सामना नहीं किया और हरियाणा प्रदेश की जनता ने उन्हें यहां टिकने नहीं दिया। उपाध्यक्ष महोदय, जब पहले चौधरी बंसी लाल जी की सरकार थी उस समय हरियाणा प्रदेश प्रगति की राह पर आगे बढ़ रहा था लेकिन जब दूसरे लोगों ने इस प्रदेश की बागडोर अपने हाथ में ली तो इस प्रदेश की प्रगति एकदम रुक गई। उन लोगों ने जिन कामों को प्राथमिकताएं दी थी वे इस प्रदेश के व लोगों के हित में नहीं थी। उनकी वे प्राथमिकताएं गलत थीं जिसमें उन्होंने रिकार्ड भी कायम किये। उपाध्यक्ष महोदय, 20 साल के बाद जब फिर हरियाणा प्रदेश में चौधरी बंसी लाल जी की सरकार आई, उस समय हरियाणा प्रदेश की हालत बहुत जर्जर थी। हरियाणा प्रदेश के लोगों में तरह-तरह की भ्रांतियां फैली हुई थीं। जनता लीडरों से मिलने में भी हिचकती थी। लेकिन उसके बावजूद चौधरी बंसी लाल जी ने अपने अढ़ाई साल के कार्यकाल में जो सराहनीय काम हरियाणा प्रदेश में किये हैं, उनके लिए वे बधाई के पात्र हैं। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने दोबारा सत्ता में आने के बाद हर क्षेत्र का विकास किया है और लोगों की भ्रांतियां दूर की हैं। उपाध्यक्ष महोदय, किसी भी सरकार की महानता का अनुमान उसकी प्राथमिकताओं से लगाया जा सकता है। आज चौधरी बंसी लाल जी ने बिजली उत्पादन को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी है उन्होंने हरियाणा की जनता से एक वायदा किया था कि वे 24 घंटे प्रदेश में बिजली मुहैया करायेंगे, उनका यह वायदा अब जल्दी ही पूरा होने वाला है। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे विपक्ष के भाई कहते हैं कि 24 घंटे बिजली नहीं आ सकती, वे यह बात इसलिए कहते हैं ताकि हरियाणा की जनता गुमराह हो जायें इस बारे में पता उनको भी है कि

[श्री निर्मल सिंह]

जल्दी ही हरियाणा प्रदेश में 24 घंटे बिजली आने लगेगी। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी जो कुछ कहते हैं उसको करके दिखाते हैं, ये इस बात के लिए मशहूर हैं। वे लोगों से कभी झूठा वायदा नहीं करते और न ही कभी जनता को गुमराह करते हैं। इस बात का विश्वास हरियाणा प्रदेश की जनता को भी है, हरियाणा के लोग उनकी बात का विश्वास अन्धेरे में भी कर लेते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे विपक्ष के भाइयों को इस बात की चिंता है कि जब हरियाणा प्रदेश में 24 घंटे बिजली आने लगेगी तब वे कहां जायेंगे, लोगों से क्या कहेंगे ? इन लोगों को अपनी चिंता है हरियाणा प्रदेश की जनता की नहीं ? उपाध्यक्ष महोदय, ये लोग हमारे खिलाफ लोगों को गुमराह करते हैं, ये लोगों को कहते हैं कि हमारी सरकार टूटने वाली है, कुछ गड़बड़ी होने वाली है। ये लोग अपनी ड्यूटी भूल रहे हैं कि इनका क्या कर्तव्य है। उपाध्यक्ष महोदय, विपक्ष के भाइयों ने कभी भी विकास के कामों में सरकार को सहयोग नहीं दिया। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने हरियाणा की जनता से वायदा किया था कि वे हरियाणा प्रदेश में शराब बंदी लागू करेंगे। उन्होंने अपना यह वायदा सबसे पहले पूरा किया और साफ नीयत से किया। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे विपक्ष के साथियों ने उस समय हमारा साथ नहीं दिया बल्कि ये जनता को गुमराह करते रहे। ये लोग उस समय कहते थे कि चौधरी बंसी लाल जी ने यह गलत काम किया है। चौधरी बंसी लाल जी ने जब हरियाणा प्रदेश के लोगों की मांग को देखते हुए व परिस्थिति को देखते हुए प्रदेश में दोबारा से शराब बिकवानी शुरू कर दी तो मेरे विपक्ष के भाई अपनी बात से फिर बदल गये और कहने लगे कि इन्होंने यह बहुत गलत काम किया है। हरियाणा प्रदेश में शराब नहीं खोलनी चाहिए थी। उपाध्यक्ष महोदय, जैसा कि मैंने आपको बताया इन लोगों के पास जनता को गुमराह करने के इलावा और कोई काम नहीं है।

उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने शराब बन्दी को कायम करने की जिद्द न करके वापिस इसको लेकर बहुत अच्छा किया। उपाध्यक्ष महोदय, 24 घण्टे बिजली देने का जो नारा था, वह पूरा होने जा रहा है। जिस प्रकार से चौधरी बंसी लाल जी ने बयान दिये हैं या गवर्नर एड्रैस में चर्चा की गई है या फिर बजट अभिभाषण में वित्त मंत्री महोदय ने चर्चा की है कि जिन प्लांट्स पर काम चल रहा है, उनको देखा जा सकता है। उपाध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद में जो एन०टी०पी०सी० का प्लांट लगने जा रहा है, इसकी एक यूनिट तो पूरी भी होने वाली है, जिसे हम भी देख रहे हैं। 146 मैगावाट बिजली हमें फालतू मिलेगी। इसके अलावा 25-25 मैगावाट के कई प्लांट्स निजी क्षेत्र में दिये गये हैं, जिनमें से एक प्लांट का काम तो पूरा भी कर लिया गया है। पानीपत के प्लांट को ठीक करने के लिये भी काम चल रहा है। इसके अलावा दूसरे प्लांट्स लगाने के लिये भी ग्लोबल टैण्डर आमंत्रित किये जा रहे हैं। ये आंकड़ें तो हमारे सामने हैं जिनको झुठलाया नहीं जा सकता है जो बिल्कुल सही हैं। जब इसके रिजल्ट्स आयेंगे तो आप सब लोग इन रिज़ल्ट्स को देखकर हैरान हो जायेंगे। अगर हमारे विरोधी पक्ष के भाइयों को पिछले 20 सालों में बिजली के बारे में कोई चिन्ता हुई होती तो कोई तो प्लांट लगाया होता या कोई काम किया होता जो हमें नज़र आता। लेकिन इन्होंने तो इस ओर कभी कोई ध्यान दिया ही नहीं और न ही कभी कोई काम करने की कोशिश ही की। ये कोई ऐसा कारखाना लगा कर दिखाते तथा कोई उसके लिये बजट भी क्रिएट करते। आज हमारा बिजली का ट्रांसमिशन सिस्टम पूरी तरह से कमजोर हो चुका है। अगर हम बिजली पैदा कर भी लें तो लोगों को पहुंचेगी कैसे, क्योंकि ट्रांसमिशन सिस्टम बहुत कमजोर हो चुका है। इन सब कामों को सुचारू रूप से चलाने के लिये चौधरी बंसी लाल जी ने वर्ल्ड बैंक से 2400 करोड़ रुपया मन्जूर करवाया है जिसकी पहली किस्त 240 करोड़ रुपये हमें मिल चुकी है। हमारे उधर के भाई यह कहते हैं कि यह पैसा तो उधार लिया है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं यहां पर बताना चाहूंगा कि उधार भी उनको मिलता

है जो गारन्टी दें कि वे काम करने की क्षमता रखते हैं, पैसे का कोई दुरुपयोग नहीं करेंगे एवं सही काम पर उस पैसे को यूटिलाइज करेंगे। वर्ल्ड बैंक बाकायदा इस का निरीक्षण करता है कि पैसे का कोई दुरुपयोग तो नहीं हो रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, जब इन भाइयों के हाथ में सत्ता थी तो इन्होंने हरियाणा की साख चार आने की भी नहीं छोड़ी थी। आज चौधरी बंसी लाल जी ने फिर से विश्व में हरियाणा की साख बनाई है और अब हरियाणा दोबारा से लेन-देन कर सकता है। वर्ल्ड बैंक ने बाकायदा एक प्रशंसा पत्र भेजा है कि हमारा काम बढ़िया चल रहा है। ऐसा काम पहले तो कभी हुआ नहीं फिर ये लोग इस सरकार को किस बात के लिये दोषी ठहरा सकते हैं ? इस काम को और मजबूत करने तथा सुचारू रूप से चलाने के लिये जैनको को अलग से बिजली जनरेट करने हेतु टारगेट दिया गया है। वे खुद ही बतायेंगे कि हमें इतना टारगेट मिला था, जिसके विरुद्ध इतनी बिजली हमारे कारखाने में जनरेट हो चुकी है तथा इतनी बिजली पैदा करने की ओर क्षमता है। इसके अलावा डिस्ट्रीब्यूशन के लिये अलग से दो कंपनियां बनाई गई हैं ताकि डिस्ट्रीब्यूशन का काम भी सुचारू रूप से चल सके। दूसरी ओर उन भाइयों ने झूठ बोलकर जनता को बहकाने की कोशिश की है कि बिजली बोर्ड का निजीकरण हो रहा है, लेकिन वास्तव में ऐसा कुछ भी नहीं है। निजीकरण की बात तो पिछली सरकार के समय में एक बार आई थी, जिसको अब बदल दिया गया है तथा बिजली बोर्ड पर सरकार का ही कंट्रोल रहेगा। बिजली के सम्बन्ध में मौजूदा सरकार ने जो कुछ कहा था, पहले तो यह एक कल्पना ही लगती थी लेकिन आज बिजली के क्षेत्र में चौधरी बंसी लाल की सरकार ने बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

डिप्टी स्पीकर साहब, ऐसा मुख्य मन्त्री जो सुबह से उठ कर शाम तक काम करता हो वे चौधरी बंसी लाल जी हैं। जब हमारे विपक्षी भाइयों की सरकार थी तो उस समय फरीदाबाद से यमुनानगर धर्मल पावर प्लांट का बटन दबा कर उद्घाटन किया गया था। वह उद्घाटन कई वर्ष पहले किया था आज तक वह कागजों में ही है उसके लिए न बजट का प्रावधान किया गया, न उसकी कोई प्लान बनाई गई और न ही उसका काम शुरू करने के लिए कोई समय निर्धारित किया गया कि फलां वक्त तक इसको कम्पलीट कर दिया जाएगा। उस बारे में कुछ नहीं किया गया। डिप्टी स्पीकर साहब, सरकार वही अच्छी होती है जिसकी प्रायोरिटी अच्छी हो और ऐसे कामों को कम्पलीट कराए। सरकार वही अच्छी होती है जो बजट में लोगों के साथ कोई डिसक्रिमिनेशन न करे, फण्डज का दुरुपयोग न होने दे जिससे लोग न बंटे। जिस सरकार का ला एंड आर्डर मजबूत हो वह सरकार अच्छी होती है। डिप्टी स्पीकर साहब, आज तो हालत यह है कि हमारी अपोजिशन पार्टियों के लीडर ठीक बात करके राजी ही नहीं हैं। आज किसी पोलिटिक्ल लीडर ने यह नहीं कहा कि स्टेट को नए नोट छापने का अख्तियार नहीं है। डिप्टी स्पीकर साहब, न स्टेट गवर्नमैंट को यह अख्तियार है और न केन्द्रीय सरकार को यह अख्तियार है। सरकारों को तो नोटों को सम्भाल कर लोगों की भलाई हेतु विकास के कामों पर खर्च करना है। लोगों ने ही सरकार को पैसा देना है और लोगों द्वारा दिए गए पैसे से ही सरकार चलेगी। किसी भी सरकार को नए नोट छापने का अख्तियार नहीं है। डिप्टी स्पीकर साहब, जब प्रदेश में हमारे अपोजिशन भाइयों की सरकार थी उस समय कर्जा माफी की बात कही गई। ऐसा कह करके उस सरकार ने विश्व बैंक और रिजर्व बैंक के प्रति अपना अविश्वास पैदा कर दिया। उस समय सरकार द्वारा कर्जा माफी की बात कहने से बैंकों में यह अविश्वास पैदा हो गया कि सरकार की नीयत ठीक नहीं है। दुनिया में कहीं भी यह बात देखने में नहीं आई कि बैंक से कर्जा लिया हो और वापिस न लौटाया हो। लेकिन उस समय की सरकार ने यह एक अजीब बात कह दी कि कर्जा माफ किया जाएगा। दुनिया में लोगों ने क्रैडिट कार्ड लिए हुए हैं। वे अपना नाम हवाई अड्डे पर, कपड़े की दुकान पर, खाने की दुकान पर क्रेडिट कार्ड दिखा कर लिखवा सकते हैं और वहां से जो सामान लेना

[श्री निर्मल सिंह]

चाहें वह लें सकते हैं। लेकिन हमारे देश के लोग ऐसा नहीं कर सकते क्योंकि उस समय की सरकार ने कर्जा माफी की बात कह कर विश्व बैंक और रिजर्व बैंक में अपना अविश्वास पैदा कर दिया। डिप्टी स्पीकर साहब, बैंक का कर्जा 10 से 15 परसैंट तक तो वैसे ही बट्टे खाते में जाता है तो फिर कर्जा माफ किस बात के लिए किया जाए ? डिप्टी स्पीकर साहब, जब बैंकों का राष्ट्रीयकरण नहीं हुआ था उस समय किसान साहूकारों के चंगुल में फंसे होते थे। साहूकार उनसे पांच रुपया सैंकड़ा के हिसाब से ब्याज लिया करते थे लेकिन जब बैंकों का राष्ट्रीयकरण हो गया तो लोगों को बैंकों से कर्जा मिलना शुरू हो गया। लोगों को बैंकों से ट्रैक्टरों के लिए और दूसरे अन्य कामों के लिए लोन मिलने लग गया। डीप ट्यूबवैल्ज़ लगाने के लिए बैंकों से लोगों को पैसा मिलने लग गया। किसानों ने डे-बाई-डे तरक्की की। लेकिन मुझे बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि उस समय की सरकार ने कर्जा माफी की बात कह कर बैंकों के अन्दर अपना अविश्वास पैदा कर दिया। उस समय की सरकार ने तो यहां तक कह दिया था कि हम गांवों में नोट छापने की मशीन दो दिन के लिए गांवों में भेज देंगे, आप नोट छापना और मजे करना। उस सरकार ने ऐसा कह करके उस समय लोगों के साथ बड़ा घोर पाप किया था। आज उस पार्टी के लोग यह कह रहे हैं कि अगर उनकी सरकार आई तो वह बिजली के बिल माफ कर देंगे। यह कह करके वे लोगों के साथ एक और घोर पाप कर रहे हैं। वे लोगों को यह बात कह करके उकसा रहे हैं कि आप बिजली के बिल न दो। उनका ऐसा कहना ठीक नहीं है। डिप्टी स्पीकर साहब, चौधरी बंसी लाल जी ने बिजली का स्लैब-सिस्टम दिया, उससे प्रदेश के किसानों को बहुत फायदा हुआ। चौधरी बंसी लाल जी ने किसानों को बिजली का स्लैब सिस्टम दिया जिसके कारण जिन किसानों की आर्थिक हालत ठीक नहीं थी, उनको बिजली के बिल्ज में राहत दी। बिजली का स्लैब-सिस्टम जो कुछ क्षेत्रों तक ही सीमित था, उसको पिछली सरकार ने हटाया, लेकिन चौधरी बंसी लाल जी ने बिजली के स्लैब-सिस्टम को पूरे हरियाणा के अन्दर लागू किया। डिप्टी स्पीकर साहब, अम्बाला जिले में तीन हल्के हैं – नारायणगढ़, मुलाना और मग्गल। इन हल्कों में जिन किसानों ने ट्यूबवैल्ज लगा रखे हैं उनको बिजली बोर्ड ने काफी राहत दी है। जैसे जिनके ट्यूबवैल्ज़ 100 फुट की गहराई तक लगे हुए हैं, उनको 15 से 20 परसेंट की राहत, जिनके ट्यूबवैल्ज़ 100 से 150 फुट की गहराई तक लगे हुए हैं, उनको 30 से 35 परसेंट, जिनके ट्यूबवैल्ज़ 200 फुट की गहराई तक लगे हुए हैं उनको 35 से 40 परसेंट और जिनके ट्यूबवैल्ज़ 200 फुट से अधिक की गहराई तक लगे हुए हैं, उनको 60 परसेंट बिलों के अन्दर राहत हमारी सरकार ने दी है। जब ऐसा किया जाने लगा तो कृषि विभाग से सर्वे की रिपोर्ट मांगी गई। कृषि विभाग ने कोई पुरानी रिपोर्ट सरकार को दे दी, जिसे हमारे मुख्य मंत्री जी ने नहीं माना और कहा कि नया सर्वे करके रिपोर्ट दो। फिर नये सिरे से सर्वे करवाया गया, इससे अम्बाला, यमुनानगर व कुरुक्षेत्र जिलों को काफी फायदा हो गया है। सरकार ने जो यह राहत देने का फैसला लिया था वह इम्पलीमेंट हो गया जिसके लिये इस क्षेत्र के लोग हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री बंसी लाल जी की सराहना कर रहे हैं। इसका बैनिफिट मई, 98 से दिया गया है। यहां हमारे अपोजीशन के भाई कहते हैं कि बिजली के बिल न दो। यह गलत बात है। मैं बताना चाहूंगा कि बिजली के बिल देने में हमारा क्षेत्र अग्रणी है और यहां के लोग लगातार अपने बिल अदा कर रहे हैं। जिन लोगों के बिल ज्यादा आ गए थे अब उनका वह पैसा भी वापिस होगा। आज हमारे यहां पर चहुंमुखी विकास हो रहा है।

उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने रोड़ज को भी प्राथमिकता दी है। आज हरियाणा में चारों तरफ रोड़ज का जाल फैला हुआ है। जो हमारे स्टेट हाईवे थे हमारी सरकार ने उनमें से कुछ को नेशनल हाईवे में कन्वर्ट करवा दिया है, जिसका फायदा यह होगा कि इन रोड़ज को चौड़ा और मजबूत किया

जा सकेगा। हमारी सरकार ने पूरे हरियाणा की सड़कों की रिपेयर के लिए 146 करोड़ रुपये दिये हैं, जिससे हमारे राज्य की सभी खराब सड़कों की हालत ठीक हो जायेगी। इसके लिए मैं एक सुझाव दूंगा कि जहां हम रोड़ज को चौड़ा और मजबूत करने की तरफ ध्यान दे रहे हैं, वहां साथ ही साथ हमें ट्रैफिक सिस्टम का भी ध्यान रखना चाहिए। आज देखते हैं कि जी०टी० रोड़ पर आये दिन मौत को दावत दी जा रही है वहां पर दिन-प्रति-दिन डैथ्स में इन्क्रीज हो रही है। एक सिपाही जो ड्यूटी पर होता है उसको पता नहीं होता कि उसकी डियूटी क्या है ? उसकी डियूटी कुछ होती है और वह ड्यूटी कुछ और ही कर रहा होता है। इस बारे में मेरा सुझाव है कि दिल्ली बार्डर जहां से हरियाणा शुरू होता है, से अम्बाला तक जहां हरियाणा खत्म होता है, उसके बीच में 4 रिलीफ व्हीक्लज़ ऐसी हों कि जहां पर भी उस एरिया में ऐसी कोई दुर्घटना हो तो वे फौरी तौर पर इमदाद कर सकें और जो रास्ता 6-6 घंटे तक जाम होता है उससे लोग बच सकें। सरकार की ऐसी पॉलिसी बनानी चाहिए कि जो मेन रोड़ज़ हैं उन पर ट्रैफिक जाम न हो सके। इसके साथ ही साथ मेरा दूसरा सुझाव यह है कि हरियाणा में जहां से दूसरी स्टेट की व्हीक्लज़ एन्टरी करती हैं, उनको वहीं पर एक स्थान पर रोक कर उनके कागज पत्र देख लिए जाएं ताकि वे सारे हरियाणा को बिना रोक टोक के पार कर सकें। कोई व्हीकल शाहबाद, कोई अम्बाला, कोई करनाल और कोई पानीपत में खड़ा किया जाता है। उपाध्यक्ष महोदय, उनको जगह-जगह पर रोका जाता है और ट्रैफिक की कोई बात उनको पता नहीं होती उनसे ट्रैफिक की कोई बात पूछी नहीं जाती, न जाने कौन से कागज़ हैं जो उनसे देखते हैं। मेरे ख्याल से इससे निकलता कुछ भी नहीं है सिर्फ रोका-टोकी ही होती रहती है। इस प्रोसीज़र को आसान करने के लिए ट्रैफिक नियमों पर गौर करने की जरूरत है। उपाध्यक्ष महोदय, हर डिपार्टमैंट में काफी चुस्ती-दुरुस्ती चौधरी बंसी लाल जी के रिज़ाईम में आई है। मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि आज शिक्षा का स्तर काफी गिर गया है। हालांकि बहुत स्कूलों को अपग्रेड किया गया है और एजुकेशन मिनिस्टर साहब ने एजुकेशन डिपार्टमैंट के बहुत से प्रोग्राम्ज़ के बारे में हमें बताया है तथा उन्होंने शिक्षा का स्तर ठीक करने के लिये काफी मेहनत भी की है। उपाध्यक्ष महोदय, इतना सब होने के बावजूद भी हमारे स्कूलों के स्तर का गिरना चिन्ता का विषय है। पढ़ाई-लिखाई का जो स्तर है वह काफी नीचा है। भगवान की दया से मास्टर्ज़ का एक बहुत बड़ा काफिला हमारे पास है जिन पर बड़ा भारी बजट हमारी सरकार खर्च भी करती है, उनको पे-स्केल्ज़ भी बहुत अच्छे दिये गए हैं लेकिन डिप्टी स्पीकर सर, उनकी पढ़ाई का स्तर और उनके पढ़ाने का तरीका कुछ ऐसा है कि बच्चे उसे फोलो नहीं कर पाते। भगवान जाने उनको खुद पढ़ाना नहीं आता या उनमें कोई ट्रेनिंग की कमी है जिसके कारण हमारे बच्चे शिक्षा के क्षेत्र में पीछे जा रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही एक बात मैं आपके माध्यम से सरकार को और भी कहना चाहूंगा। वैसे सरकार का जो स्टैंड है उसके बारे एजुकेशन मिनिस्टर साहब ने साफ-साफ शब्दों में दो-तीन बार कहा कि हम अंग्रेजी भाषा का विषय पहली क्लास से लागू नहीं करेंगे लेकिन मैंने उस वक्त भी कहा था, दोबारा भी कहा था और अब तिबारा भी आपके माध्यम से यह कहता हूं कि अंग्रेजी का ज्ञान आज बहुत जरूरी है नहीं तो हमारे बच्चे पीछे रह जाएंगे। आज सारा ज्ञान सिकुड़ कर अंग्रेजी भाषा में आ गया है और यह एक ऐसी लैंग्वेज हैं जिसे अगर ठीक ढंग से सिखाया जाए तो उसमें कोई मुश्किल नहीं है। डिप्टी स्पीकर सर, इतना ही नहीं मैं तो यह भी कहूंगा कि एजूकेशन सिस्टम को टेलीविज़न पर लाया जाए। अगर सरकार इस पर ध्यान दे तो टेलीविज़न इसके लिए बहुत ही लाभदायक सिद्ध हो सकता है। शिक्षा को इम्प्रूव करने के लिए क्यों न हमारे पंचायत घरों में और स्कूलों में टेलीविज़न उपलब्ध करवाए जाएं। इस परपज़ के लिए क्यों न टेलीविज़न पर सबसिडी दी जाए या सरकार किसी कम्पनी से इस बारे में बात कर सकती

[श्री निर्मल सिंह]

है कि सस्ते और छोटे टेलीविज़न बना कर लोगों को उपलब्ध करवाए जाएं। सरकार पंचायत घरों में टेलीविज़न खरीद कर भी प्रोवाईड करवा सकती है। उपाध्यक्ष महोदय, बहुत से घरों में तो टेलीविज़न पहले से ही हैं। एजुकेशन सिस्टम को इम्प्रूव करने के लिए दुनिया के नम्बर वन प्रोफैसरज़ और लैक्चररज़ के लैक्चरज़ को क्यों न टेलीविज़न पर बच्चे सुनें और देखें। क्यों न एक ही सिलेबस हो। उपाध्यक्ष महोदय, आप देखें कि आज बस्ते का भार बच्चे के भार से ज्यादा है। क्लासिज में आज नई-नई चीजें बताई जाती हैं लेकिन हर बच्चे ने इन्जीनियर या डॉक्टर नहीं बनना है। बच्चों को टवैल्वथ क्लास तक मैथ्स और साईंस पढ़ाने का क्या फायदा है ? (इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य श्री नृपेन्द्र सिंह पदासीन हुए) सभापति महोदय, ये दोनों विषय बहुत ही मुश्किल हैं। जहां तक साईंस के ज्ञान की बात है, अगर दसवीं पढ़ने के बाद कोई साईंस छोड़ दे तो स्तर यही रह जाता है कि बट इज़ साईंस इसके अलावा किसी को कोई थियोरम आदि याद नहीं रहती है और हिसाब का ज्ञान जमा-नफी और भाग तक ही रह जाता है। इस ज्ञान का काम भी आज एक 10 रुपये का कैल्कुलेटर कर देता है। ये दोनों बहुत ही मुश्किल सब्जैक्ट्स हैं इसलिए इनकी शिक्षा केवल उन्हीं बच्चों को दीजिए जिनके लिये यह जरूरी है। सभापति महोदय, इसके साथ ही मैं यह भी कहना चाहूंगा कि बच्चों को पढ़ाई के साथ कोई टैक्नीकल टाईप की एजुकेशन उपलब्ध करवाइये उन बच्चों को कोई ट्रेनिंग दीजिए। बच्चों का इस तरह का कोई इम्तिहान लिया जाए कि वह क्या बनना चाहते हैं, बच्चे की क्या कैपेसिटी है और बच्चा क्या बनना चाहता है। प्राईमरी शिक्षा में शुरू से ही बच्चों को लैंग्वेज पढ़ाई जाती है उनको साथ ही अंग्रेजी भी पढ़ाई जाए ताकि वह दुनिया के किसी भी कोने में जाएं तो वह भाषा उसके काम आए। सभापति महोदय, इसी तरह से हमारे प्रदेश में खेलों का स्तर भी काफी गिर गया है। हरियाणा में बहुत अच्छे कद-काठी के नौजवान लड़के और लड़कियां हैं आज खेलों में वे उतना नाम नहीं कर पा रहे हैं जितना की उनको करना चाहिए। ब्लॉक लेवल पर तथा पंचायत लेवल पर भी आज उनका प्रदर्शन काफी फीका है इसका एक कारण यह भी है कि आज खेलों को ठीक ढंग से आरगेनाईज़ नहीं किया जाता है। स्कूलों में स्पोर्ट्स का स्तर डे-बाई-डे गिरता जा रहा है। इसका यह कारण है कि जितने भी हमारे कोचिज़ हैं वे किसी को भी खेलने या स्वास्थ्य के बारे में कोई जानकारी नहीं देते हैं। वे सिर्फ अपनी हाज़री लगाते हैं और घर चले जाते हैं। सभापति महोदय, कोई ऐसा तरीका निकाला जाए कि इतनी बड़ी संख्या में हमारे पास जो कोचिज़ हैं वे खेल का स्तर ऊपर उठाने के लिए काम करें। उनसे यह पूछा जाना चाहिए कि उन्होंने कितने बच्चों को खिलाया या स्वास्थ्य के बारे में कितनी जानकारी उपलब्ध करवाई है। वे काफी ज्यादा तनख्वाह लेते हैं। उनकी कोई जिम्मेदारी फिक्स की जानी चाहिए कि वे अच्छे रिज़ल्ट्स दें। किस लेवल तक उन की टीमों ने पार्टिसिपेट किया है। ब्लॉक लेवल तक हो चाहे डिस्ट्रिक्ट लेवल तक हो चाहे स्टेट लेवल तक हो, लेकिन इस की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

इसी तरह से पशुधन में हमारे प्रदेश ने काफी तरक्की की है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि अगर यह सरकार श्वेत क्रान्ति की तरफ ध्यान दे तो वह भी हो सकती है। जो बेरोजगार नौजवान हैं उनको बहुत अच्छा काम मिल सकता है। वे गांवों में गाय वगैरह पाल सकते हैं। सभापति महोदय, गवर्मर एड्रैस में लिखा है कि हम बहुत अच्छा सीमन लाए हैं लेकिन यह पुराने जमाने की बात हो गई है। आजकल तो एम्ब्रो का जमाना है और इससे बहुत अच्छी नस्ल पैदा कर सकते हैं। अम्बाला में पोली-क्लीनिक खोलने की बात थी और गांव की पंचायत ने उसके लिए जमीन भी दे दी थी, लेकिन वह पोली-क्लीनिक अब कहीं और खोल दिया गया है। मेरी आपके माध्यम से मंत्री जी से प्रार्थना है कि हमारे इलाके

में उसको बनवाने की कृपा करें। इसके बाद कानून एवं व्यवस्था की बात आती है। आज कल, डकैती और चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं। ये हमारे हरियाणा प्रदेश में ही नहीं बल्कि सारे देश में बढ़ रही हैं। लेकिन फिर भी हमारी सरकार ने बड़ी मुस्तैदी से इन घटनाओं को खत्म करने के लिए कार्यवाही की है और कर रही है। हमें उम्मीद है कि सब कुछ बहुत जल्दी ठीक-ठाक हो जाएगा। सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से एक बात और कहना चाहूंगा कि जो लोकपाल की नियुक्ति हुई है यह बहुत ही चर्चा का विषय बना हुआ था जो काफी समय से पैंडिंग था। लोकपाल की नियुक्ति का श्रेय भी चौधरी बंसी लाल जी को जाता है। लोगों में लीडरों की वजह से एक अविश्वास फैल गया था। लोकपाल की नियुक्ति से वह विश्वास फिर से बन गया है। अब यह सरकार उनको कोई केस भी दे ताकि लोगों को यह लगे कि लोकपाल की नियुक्ति से लाभ हुआ है। सभापति महोदय, कल तक जो लोग मामूली काम किया करते थे उनके पास आज बड़े-बड़े मकान हैं, करोड़ों की सम्पत्ति है। ऐसे दो-चार आदमियों के केस उनको दें ताकि जनता को भी पता चले कि यह सम्पत्ति उनके पास कहां से आई है। इसके साथ ही मेरी कांस्टीचुएंसी में बाढ़ ग्रस्त एरिया में चौधरी बंसी लाल जी ने बहुत काम करवाया है। लेकिन नग्गल गांव के पास हिसार रोड पर एक नहर निकलती है वहां पर जो नाले बनवाए गए हैं वे काफी नहीं है इसलिए मेरा अनुरोध है कि वहां पर साईफन बनवाएं। सभापति महोदय, कुरुक्षेत्र-अम्बाला का क्षेत्र खास तौर से ओल्ड अम्बाला में है, वहां से सारी नदियां होकर गुजरती हैं। लेकिन हमारे पास नग्गल में एक ही लिफ्ट इरीगेशन स्कीम है। सभापति महोदय, दादूपुर-नलवी कैनाल में एक लिफ्ट इरीगेशन स्कीम पैंडिंग है उसको जल्दी से जल्दी 16.00 बजे पूरा करवाने की कृपा करें। कल बीरेन्द्र सिंह जी बोलते हुए कह रहे थे कि हथनीकुंड बैराज बनाने का कोई फायदा नहीं है लेकिन मैं कहता हूँ कि इस बैराज का हमें बहुत फायदा है क्योंकि इससे रैनी सीजन में हमारा पानी बढ़ जाएगा। सभापति महोदय, अगर हम दादूपुर-नलवी स्कीम को देखें तो पता चलेगा कि वह स्कीम ही बनायी इसलिए गयी है कि उस बैराज के बनने के बाद जो सीजनल पानी हमें फालतू मिलेगा, वह हमारे इलाके या उससे आगे तक भी चला जाएगा। ताजेवाला बांध तो बहुत पुराना हो गया था और वह कभी भी टूट सकता था। अगर वह अचानक टूट जाता तो उससे बहुत नुकसान हो जाता और फिर उसको बनाने में काफी समय लगता। उस समय हमें बहुत सफर करना पड़ता। इस बार भी उसका एक फाटक टूट गया था जिसकी वजह से फ्लड आ गया था। इसलिये इस बैराज को बनाने की इस सरकार की एक बड़ी अचीवमैन्ट है। सभापति महोदय, इसी तरह से हमारे उधर के साथियों ने कहा कि कृषि के क्षेत्र में जितना उत्पादन होना चाहिए था, उतना नहीं हुआ। लेकिन मैं आपके माध्यम से उनको बताना चाहता हूँ कि दरअसल अब किसानों ने इस बात को समझा है कि गेहूँ और चावल की खेती तक ही सीमित रहने से कोई फायदा नहीं है बल्कि अब उनको दूसरी खेती करने से भी फायदा है इसलिए उन्होंने अब दूसरी खेती जैसे प्लांटेशन की खेती करनी शुरू कर दी है। प्लांटेशन से किसान की काफी आमदनी होती है। इसके अलावा अब किसान काफी तादाद में सब्जी भी उगाने लगे हैं। हमारे क्षेत्र में काफी ऐसे किसान हैं जो इस तरह की फसल उगाते हैं। हमारे इलाके में काफी किसान प्लांटेशन कर रहे हैं इसमें फारेस्ट महकमा भी उनकी सहायता कर रहा है वह किसानों को अच्छी नस्लों के पौधे दे रहा है और उनका इस मामले में ज्ञान बढ़ा रहा है। चेयरमैन सर, वैसे तो सफेदा का समर्थन मूल्य है लेकिन यदि सरकार पोपुलर की सपोर्ट प्राइस की तरफ भी ध्यान दें तो ज्यादा अच्छा होगा क्योंकि आज लोगों में इस बात की चर्चा है कि पोपुलर का रेट कम है तथा इसका भी समर्थन मूल्य होना चाहिए। सरकार को इस तरफ ध्यान देना चाहिए ताकि लोगों में इस बारे में विश्वास हो। आज हमें किसान की आमदनी की चिन्ता है। आज जो किसान प्लांटेशन कर रहे हैं उसी के साथ-साथ वे भेड़ पालन और डेयरी का काम भी कर रहे हैं और अपने

[श्री निर्मल सिंह]

लायक अनाज भी पैदा कर रहे हैं इसलिए आज किसान की आमदनी ऐग्रीकल्चर से बहुत ज्यादा होने लगी है। इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हुआ अपना स्थान लेता हूँ।

श्री सोमबीर सिंह (लोहारू) : चेयरमैन सर, आपका मुझे बोलने के लिए समय देने के लिए धन्यवाद। वित्त मंत्री जी ने जो यहां पर बजट पेश किया है मैं उसके फेवर में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ। उनका यह बजट सराहनीय है क्योंकि उन्होंने इसमें कोई भी किसी किस्म का नया टैक्स नहीं लगाया है। इस बजट में किसान का, मजदूर का, व्यापारी का और हर वर्ग का ख्याल रखा गया है। करीब पौने तीन साल पहले जब हरियाणा विकास पार्टी और बी०जे०पी० की सरकार बनी थी तो उससे पहले हमने लोगों से कुछ वायदे किए थे। चुनावों के दौरान हमने उनसे जो-जो वायदे किए थे उनमें से ज्यादातर वायदे हमने पूरे कर दिए हैं। मुख्य तौर पर मैं सारांश में यहां पर जिक्र करना चाहूँगा लोकपाल की नियुक्ति का। इस मुद्दे पर कुछ कहने से पहले मैं थोड़ा-सा इसकी बैकग्राउंड में जाना चाहूंगा कि किन कारणों से हमें लोकपाल की नियुक्ति करनी पड़ी। चेयरमैन सर, करीब पिछले बीस-बाईस सालों से हरियाणा के अंदर जो भी सरकारें बनीं, उन सभी ने ऐसे हालत पैदा कर दिए कि चाहे किसी को नौकरी देने की बात हो या चाहे तबादलों की बात या कोई अन्य काम हो, बगैर पैसे दिए कोई भी काम नहीं होता था। आम आदमी का मंत्रियों पर से मुख्य मंत्री पर से और उच्च अधिकारियों पर से विश्वास-सा उठता चला जा रहा था। वे यह सोचने लगे थे कि इन सभी के बारे में अगर शिकायत करनी हो तो किससे करें और अगर इनके खिलाफ कोई कार्रवाई करें तो वह कौन करे ? चेयरमैन सर, पहले हाईकोर्ट को या सुप्रिम कोर्ट को ऐसे-ऐसे बच्चों को नौकरी से हटाना पड़ा, जिन्होंने कभी नौकरी के लिए अपना फार्म नहीं भरा था। पिछली सरकारों ने ऐसे लोगों को नौकरी दी थी। आज विरोधी पक्ष के हमारे भाई यहां पर नहीं है उन्हें अच्छी तरह से इस बारे में पता है क्योंकि उनके इशारों पर यह काम हुआ था। इन हालात को देखते हुए आज हमारी बी०जे०पी० और हरियाणा विकास पार्टी की जो सरकार बनी है हमने चुनाव के समय इस बारे वायदा किया था, उसको सबसे पहले पूरा किया है। इसके दायरे में मुख्य मंत्री, मंत्री, चेयरमैन व दूसरे सदस्य आते हैं। किसी आदमी को किसी तरह की शिकायत या नाराजगी हो, वह शिकायत कर सकता है। हमने जो लोकपाल की नियुक्ति की है वह ईमानदारी से की है। पहले वाले लोगों ने जो गलती की है, हेराफेरी की है उनके बारे में हमारे मन में कोई खोट नहीं है। वर्तमान सरकार ने लोकपाल की नियुक्ति कर एक सराहनीय काम किया है। इसके अलावा इस सरकार ने चुनाव के समय दूसरे अन्य वायदे भी किए थे, जैसे बुढ़ापा पेंशन, विधवा पेंशन या विकलांग पेंशन। पहले की सरकार में पैंशनरों को 7-7, 8-8 महीने बाद पैंशन मिलती थी लेकिन जब से यह सरकार बनी है, हर महीने की सात तारीख से पहले ही हर बुजुर्ग, विधवा व विकलांग को पेंशन मिल जाती है। इसी तरह से हमने चौकीदारों को भत्ता देने की बात कही थी, उनको भी हमने हर महीने भत्ता दिया है। पुरानी जमीनों के इंतकाल पिछले 10-10, 12-12 सालों से पैंडिंग पड़े थे जिससे किसानों व दूसरे लोगों को बड़ी परेशानी होती थी। इसलिये जितने पैंडिंग इंतकाल थे वह हमने पूर्ण करवा दिये हैं। इसके अलावा हमारी सरकार ने ऐक्स सर्विस मैन को सहूलियतें दी हैं, व्यापारियों को सहूलियतें दी हैं। इसी तरह से कर्मचारियों को पांचवें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू करने की बात थी वह भी हमने लागू की हैं। सबसे बड़ी बात जो है वह यह है कि चुनाव के समय हरियाणा की जनता का जिस बात से चौधरी बंसी लाल जी पर भरोसा था वह बिजली पानी की वजह से था। जहां तक पानी की बात है वर्तमान सरकार बनने के बाद हमने नहरों की सफाई की है। सन् 1995 के अंदर हरियाणा की 22 लाख एकड़ धरती पर बाढ़ आई, सन् 1996 में 5 लाख एकड़ धरती पर बाढ़ आई, सन् 1997-98 में 55 हजार एकड़ धरती पर

बाढ़ आई। इस सरकार ने पूरी तेजी के साथ पानी को निकाला और ज्यादा से ज्यादा जमीन को काश्त करवाया है। मुख्य मंत्री जी ने अपनी स्पीच में बताया कि इस साल हमने करीब 6 लाख एकड़ धरती बाकी सालों से ज्यादा काश्त करवाई है। जो विरोधी पक्ष के साथी हैं वे बार-बार ऐतराज करते हैं कि बिजाई नहीं हुई या कम हुई है। ये सब बेबुनियादी बातें हैं। जहां तक नहरों की बात है, पिछले करीब अढाई-पौने तीन साल के अंदर सरकार ने करीब 526 नहरें और माइनर्ज बनाने की स्कीम पर काम किया है और उसे पूरा किया है जबकि इतने ही समय में कांग्रेस के शासन काल में 83 माइनर और सब-माइनर बनी थी। इस बात से साबित होता है कि वर्तमान सरकार जमींदारों की भलाई के लिए ज्यादा रुचि लेती है, दिलचस्पी रखती है। बाढ़ से बचाव के लिए हमने हर क्षेत्र में चाहे रोहतक हो या जींद हो, काम किया है। ड्रेनों का काम हमने किया है, मास्टर प्लान बनाया गया है। इसी तरह से हथनीकुंड बैराज की जहां तक बात है, पिछली सरकार ने उस पर फाउंडेशन स्टोन रखा था लेकिन कोई काम नहीं हुआ। हमारी सरकार ने ही उस काम में रुचि ली। यह बहुत बड़ा काम हुआ है जिससे हरियाणा को विशेष लाभ होगा। यह काम इस साल जून तक पूरा हो जायेगा। इसी तरह से इरीगेशन मंत्री श्री हर्ष कुमार जी ने बताया कि आगरा कैनाल का अधूरा पड़ा, सफाई व मुरम्मत का काम वर्तमान सरकार ने आने के बाद अपने हाथ में लिया जिससे फरीदाबाद और गुड़गांव के अन्दर जो आगरा कैनाल के नीचे क्षेत्र आता था पूरे क्षेत्र को पानी दिया गया तो वहां के लोग बड़े खुश हुये कि इस सरकार की वजह से यह काम पूरा हो गया वरना उन लोगों को पिछले 20-25 सालों से पानी नसीब नहीं हो रहा था। इसी तरह से मेरे अपने भिवानी, लोहारू तथा महेन्द्रगढ़ जिले के एरिया में सबसे पहले लिफ्ट इरीगेशन स्कीम के तहत चौधरी बंसीलाल जी ने नहर बनवाई। परन्तु पिछले 20-22 सालों के शासनकाल में उन नहरों का काम बढ़ाना तो दूर रहा उनकी सफाई और मरम्मत तक नहीं करवाई गई। वाटर वर्क्स जो आखिरी टेल पर पड़ते थे उन में पीने का पानी भी नसीब नहीं होता था, खेतों की बात तो दूर रही। लेकिन वर्तमान सरकार ने आने के बाद उन नहरों के पम्पों की सफाई करवाई, मरम्मत करवाई तथा लोगों के पीने का पानी उपलब्ध करवाया, जिससे लोगों को काफी राहत मिली वरना लिफ्ट इरीगेशन स्कीम को तो वहां के लोग भूल ही गये थे। चौधरी बंसीलाल जी की मेहरबानी से रेवाड़ी के अन्दर पांचवी लिफ्ट इरीगेशन स्कीम शुरू की गई है जिसका विपक्षी भाइयों ने बार-बार विरोध किया। कैप्टन अजय सिंह और कई निर्दलीय सदस्य बार-बार यह जिक्र करते हैं कि दक्षिणी हरियाणा के साथ भेदभाव हो रहा है। कांग्रेस के राज में या चौटाला जी के राज में या जब हरियाणा प्रदेश अलग बना तो उस एरिया के मुख्य मंत्री भी होते थे परन्तु उन्होंने उस एरिया में नहरों के लिए कुछ नहीं किया। आज इस सरकार ने रेवाड़ी लिफ्ट इरीगेशन स्कीम शुरू की है जो 2001 तक तैयार हो जायेगी और इस स्कीम से रेवाड़ी, महेन्द्रगढ़ और झज्जर एरिया को विशेष लाभ होगा इसी तरह से इस सरकार ने नाबार्ड से 122 सब-माईनर और माईनर मंजूर करवाये हैं जो इस साल के आखिर तक पूरे हो जायेंगे जिससे जमींदारों को लाभ होगा। जैसा कि मैंने बताया है उससे इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि आज की सरकार बड़ी दिलचस्पी और ईमानदारी के साथ जमींदारों के लिए, मजदूरों के लिए काम कर रही है। आज जो लोग चौटाला जी के साथ मिलकर इस बात का एतराज करते हैं कि जमींदारों का इतना नुकसान हो गया है और उनकी जमीन की काश्त नहीं हुई या मजदूरों के साथ अन्याय हो रहा है। इन लोगों ने अपने समय में जनता के लिए कुछ काम भी नहीं किये और आज यह सरकार करती है तो उनको तकलीफ हो रही है। यह बड़ी हैरानी की बात है। दूसरी बात यह है कि आज हरियाणा में सबसे बड़ी जरूरत बिजली की है। बिजली की जरूरत आज मजदूर, जमींदार, व्यापारी और उद्योगपति सभी को है। लोगों की बढ़ती हुई बिजली की मांग को देखते हुये पिछली सरकारों ने जिसमें कांग्रेस की सरकार और चौटाला जी की सरकार शामिल हैं,

[श्री सोमबीर सिंह]

कुछ काम नहीं किया गया। कभी भी लोगों की बढ़ती हुई बिजली की मांग को पूरा करने के लिए थर्मल प्लांटों पर कोई विशेष ध्यान नहीं दिया गया। 1986 के अंदर चौधरी बंसी लाल जी का एक वर्ष के लिए शासनकाल आया था, उस समय 5वां थर्मल प्लांट बनाने का कार्य शुरू किया था, जो कि 1989 में पूर्ण हुआ। उसके बाद चौधरी ओम प्रकाश चौटाला की पार्टी का शासन आया, कांग्रेस पार्टी का शासन आया लेकिन छटा थर्मल प्लांट बनाने के लिए किसी भी सरकार ने कोशिश नहीं की जो कि 1989 में ही बन जाना चाहिए था। केवल इस की मशीनरी का आर्डर जरूर चौधरी देवी लाल की सरकार ने किया था, वह मशीनरी आई भी थी लेकिन उसकी पेमैंट नहीं की गई थी फलस्वरूप उसकी दुगुनी-तिगुनी पेमैंट आज हम देकर इस काम को कर रहे हैं। आज लोगों की बिजली की मांग को देखते हुए वर्तमान सरकार ने बड़ी ईमानदारी से बिजली उत्पादन बढ़ाने के लिए काम किया है विशेष रूप से थर्मल प्लांटों को बनाने का कार्य किया जा रहा है। जैसे कि फरीदाबाद के अंदर एल०टी०पी०सी० के द्वारा थर्मल प्लांट बनाया जा रहा है जिस पर करीब 1163 करोड़ रुपये खर्च होगा तथा इससे 432 मैगावाट बिजली पैदा होगी जो कि सारी की सारी हरियाणा प्रांत को मिलेगी। यह कार्य इस साल के अंत तक पूर्ण हो जाएगा तथा इसकी एक यूनिट तो 31 मार्च तक बिजली पैदा करना शुरू कर देगी, दूसरी यूनिट 30 जून और तीसरी यूनिट 30 दिसम्बर तक बिजली उत्पादन करना आरम्भ कर देगी। यह एक बहुत बड़ी बात है कि चौधरी बंसी लाल जी ने इस थर्मल प्लांट से 432 मैगावाट बिजली अपने रसूक से, हरियाणा को देने के लिए एन०टी०पी०सी० से हां करवाई है। इसी तरह से जैसे कि पानीपत के अंदर छटा थर्मल प्लांट लगाने का जिक्र किया था, यदि यह प्लांट 1989 के अंदर लगा दिया जाता तो उस समय इस पर करीब 238 करोड़ रुपये खर्च आने थे लेकिन अब यह कार्य हमारी सरकार ने शुरू किया है, जिस पर 634 करोड़ रुपया खर्च होगा, इस प्लांट से हरियाणा को विशेष रूप से लाभ होगा। सभापति महोदय, इसी तरह से पानीपत में जो पुराने 4 थर्मल प्लांट्स हैं, उन से हमें बिजली कम मिलती है क्योंकि उनकी मशीनरी पुरानी है, जिनकी मुरम्मत का काम हम ने एक कम्पनी को दिया है जिसके बाद इन चारों थर्मल प्लांट्स से 250 से लेकर 270 मैगावाट बिजली अतिरिक्त पैदा होगी। इसी प्रकार से 25-25 मैगावाट के छोटे-छोटे थर्मल प्लांट्स बनाने के लिए कुछेक प्राईवेट कम्पनियों के साथ बिजली बोर्ड का समझौता हुआ है जिनमें से एक प्लांट तो गुड़गांव के अंदर चालू भी हो गया है तथा दूसरा प्लांट भी जल्दी ही शुरू हो जाएगा। सभापति महोदय, डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम को ठीक करने के लिए इस सरकार ने बड़ी कोशिश की है तथा इस कार्य को करने के लिए तथा बिजली में सुधार लाने के लिए हमें पैसे की जरूरत थी। पहले तो बिजली बोर्ड की इतनी बुरी हालत होती थी कि इस को कोई लोन देने के लिए तैयार ही नहीं था लेकिन अब बिजली बोर्ड व मौजूदा सरकार के कार्य को देखते हुए विश्व बैंक ने बिजली सुधारीकरण, जनरेशन व डिस्ट्रीब्यूशन के लिए 2400 करोड़ रुपये देने के लिए हां की है जिस में से 240 करोड़ रुपया तो हमें मिल भी चुका है और बाकी पैसा भी जैसे-जैसे खर्च किया जाएगा, वैसे-वैसे मिलता जाएगा। यह प्रदेश के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। पिछली सरकारें हमारे ऊपर बहुत बोझ छोड़ गई थीं, चाहे वह थर्मल प्लांट्स बनाने का कार्य हो, चाहे नई लाईनें बनाने का काम हो अथवा सब-सैंटर बनाने का काम हो, पिछली सरकारों ने इन पर कोई पैसा खर्च नहीं किया, जो कि आज हमारी सरकार को करना पड़ रहा है तथा हमारी सरकार की ईमानदारी को देखते हुए ही विश्व बैंक ने यह पैसा हमें दिया है।

सभापति महोदय, हरियाणा प्रदेश को बने 32-33 साल हो चुके हैं, पिछले इन 32-33 सालों में जितनी भी सरकारें हरियाणा प्रदेश में आई, उन्होंने केवल 863 मैगावाट बिजली ही इस प्रदेश में पैदा की,

लेकिन आज की सरकार उस बिजली के अतिरिक्त करीब 1200 मेगावाट बिजली अपने अढ़ाई-तीन साल के कार्यकाल में पैदा कर देगी। सभापति महोदय, यह बहुत ही सराहनीय काम है और इस बात से यह भी अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह सरकार जमींदारों, उद्योगपतियों और मजदूरों की भलाई में कितनी दिलचस्पी रखती है और कितनी नेक नीयत से काम करना चाहती है। सभापति महोदय, जहां तक जमींदारों की भलाई की बात है, उनको सुविधा देने की बात है मेरा और आपका एरिया नजदीक-नजदीक है और वहां पर जमींदार ट्यूबवैलों से सिंचाई करते हैं। वहां के जमींदारों की काफी समय से एक मांग थी कि वहां पर पानी ज्यादा गहराई पर है इसलिए उन्हें बिजली के रेट्स में कुछ राहत दी जाये। सभापति महोदय, चौधरी भजन लाल जी का जब खुद का शासन होता था, उस समय तो उन्होंने कभी भी जमींदारों और मजदूरों की भलाई के लिए नहीं सोचा लेकिन उनकी सरकार जाने के बाद उन्हें जमींदारों और मजदूरों की भलाई की बात याद आती है। सभापति महोदय, चौधरी भजन लाल ने जींद, भिवानी और महेन्द्रगढ़ के किसानों को भड़काया कि वे बिजली के बिल न भरें, माफ हो जायेंगे। सभापति महोदय, कुछ लोग उनके बहकावे में भी आए और उन्होंने बिजली के बिल नहीं भरे लेकिन जो समझदार लोग थे, जिनको मालूम था कि फ्री में बिजली नहीं मिलेगी वे लोग संभल गये और अपने बिजली के बिल भर दिये। सभापति महोदय, विपक्ष के भाई तो आज भी कह रहे हैं कि हम किसानों के बिल सरकार में आने के बाद माफ कर देंगे लेकिन यह बात सिर्फ उनकी पार्टी के बंधे हुए लोग ही मानते हैं आम जनता नहीं मानती और जो उनकी पार्टी के बंधे हुए सदस्य हैं वे ही इस तरह का प्रचार कर रहे हैं। सभापति महोदय, आज लोग पैसा देकर बिजली लेना चाहते हैं और कुछ एरियाज तो ऐसे हैं जहां पर लोग ज्यादा पैसा देकर भी बिजली लेना चाहते हैं लेकिन वे लोग नियमित बिजली चाहते हैं। सभापति महोदय, जिन एरियाज में पानी ज्यादा गहराई पर लगभग 200 फुट तक है उन एरियाज को बिजली की सुविधा देने के लिए हमारी सरकार ने चार सतैब प्रणाली बनाई है जिसका सबसे ज्यादा फायदा भिवानी, महेन्द्रगढ़ और अम्बाला जिले के किसानों को होगा। इन एरियाज के किसानों को बिजली का बिल 300 रुपये देना पड़ेगा। सभापति महोदय, आजकल 300 रुपये के बिल तो घर के ही आ जाते हैं, ट्यूबवैल का बिल 300 रुपये ज्यादा नहीं है इससे किसानों को काफी राहत मिलेगी और हमारी सरकार का यह एक सराहनीय काम है। जबकि बिजली की एक यूनिट का खर्चा 2.80 पैसे से भी ज्यादा आता है बाकि का पैसा हरियाणा सरकार सबसिडी के तौर पर देती है इसलिए आज लोग मेरे विपक्ष के भाइयों की बातों में आने वाले नहीं हैं। सभापति महोदय, इसी तरह से जमींदार की भलाई के लिए हमारी सरकार ने खाद और बीज पर 256 करोड़ रुपये की सबसिडी पिछले दो साल में दी है और को-आप्रेटिव बैंक द्वारा जो लोन 16 प्रतिशत इंट्रस्ट पर दिया जाता था, उसको घटाकर 14 प्रतिशत कर दिया है। यह आम जमींदार को सुविधा देने वाली एक बहुत बड़ी बात है। सभापति महोदय, मेरे एरिया के अंदर गन्ना नहीं होता, फिर भी मैं इस बारे में आपको बताना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदेश की सरकार ने यहां के किसानों को गन्ने का सबसे ज्यादा रेट 95 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से दिलाया है। सभापति महोदय, मैं आपको एक बात और बताना चाहूंगा कि जिस समय हरियाणा प्रदेश में भाजपा और हरियाणा विकास पार्टी की सरकार बनी थी, उस समय पिछली सरकार ने 55.50 करोड़ रुपये के करीब जमींदारों को उनके गन्ने का देना था।

हमारी सरकार ने सत्ता में आने के बाद न केवल गन्ने की पुरानी पेमैन्ट की है, बल्कि हर साल गन्ने की पेमैन्ट साथ की साथ करते जा रहे हैं। सभापति महोदय, हमारे विपक्ष के साथी ये कहते रहते हैं कि हमने झूठ-मूठ बोलकर वोट लिये और कोई काम नहीं करते जबकि बिजली व नहरों की सफाई के बारे में जो काम किये गए हैं उनका मैंने जिक्र तो कर ही दिया है। बाकी जहां तक विकास की बात है, मैं बताना

[श्री सोमवीर सिंह]

चाहूंगा कि जो पिछले सालों में नये जिले बने हैं, उन जिलों में सब-डिविजन लैवल पर कई जगह लघु सचिवालय या जुडिशियल कम्पलैक्स नहीं थे तथा वहां पर कभी भी इस तरह की कोशिश नहीं की गई कि लघु सचिवालय बनाये जायें और सारे कार्यालयों को इकट्ठा किया जाये। आम आदमी को वहां जगह-जगह भागना पड़ता था। आज हमारी सरकार ने सत्ता संभालने के उपरान्त पिछले एक-डेढ़ साल में बिना किसी भेदभाव के जहां-जहां लघु सचिवालय बनाने की जरूरत थी, वहां-वहां लघु सचिवालय बनाये और जहां-जहां जुडिशियल कम्पलैक्स की जरूरत थी वहां-वहां जुडिशियल कम्पलैक्स बनाने शुरू किये। मैं हाऊस में भी यह बताना चाहता हूँ कि मेरे हल्के के लोगों को तो इससे बहुत फायदा पहुंचा है। मेरे लोहारू हल्के के अन्दर जब से हरियाणा बना है, तब से लेकर आज तक एक पी०डब्ल्यू०डी० रैस्ट हाउस के अलावा और कोई भी बिल्डिंग नहीं थी या फिर एक बिजली बोर्ड का दफ्तर जरूर था लेकिन वर्तमान सरकार के आने के बाद वहां लघु सचिवालय का काम शुरू हुआ है और वह तकरीबन सवा या डेढ़ साल के अन्दर पूरा तैयार हो जायेगा जिससे हमें बहुत बड़ी सुविधा हो जायेगी क्योंकि इसमें तहसीलदार, नायब तहसीलदार तथा दूसरे सभी अधिकारी इकट्ठे मिल जाते हैं। इसी तरह से जुडिशियल कंम्पलैक्स की जहां तक बात है, दूसरे जिलों में भी जहां-जहां ये नहीं हैं, वहां-वहां बन रहे हैं। कैथल, पंचकूला, अम्बाला, लोहारू में तो वर्तमान सरकार ने लघु सचिवालयों के निर्माण का काम पूरा करवा दिया है। रिवाड़ी, रोहतक, करनाल, यमुनानगर व फतेहाबाद में लघु सचिवालयों के निर्माण का काम शुरू हो चुका है। इसी प्रकार से यमुनानगर, रिवाड़ी, पंचकूला, करनाल, सफीदों और लोहारू क्षेत्र में जूडिशियल कम्पलैक्सिज़ के निर्माण का काम शुरू हो गया है और जल्दी ही इनका निर्माण कार्य भी पूरा हो जायेगा क्योंकि सरकार पूरी दिलचस्पी के साथ जरूरत के हिसाब से जूडिशियल कम्पलैक्सिज़ और लघु सचिवालयों के निर्माण कार्य को पूर्ण करा रही है। सभापति महोदय, इस के अलावा सड़कों के निर्माण कार्य पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जिस तरह से मेरे से पूर्व सत्ता पक्ष के माननीय सदस्यों ने पहले भी बताया है कि खराब मौसम की वजह से सड़कों के काम पर कम ध्यान दिया जा सका। सभापति महोदय, सरकार ने सड़कों के निर्माण कार्य के लिये 250 करोड़ रुपये रखे हैं जो कि सड़कों के ऊपर खर्च किये जा रहे हैं। सभापति महोदय, हरियाणा के अन्दर पांच रोड़स तो ऐसे हैं जिनको नैशनल हाई-वे में बदल दिया गया है और गवर्नर एड्रैस में भी इस बात का जिक्र आया था। इससे हमें विशेष फायदा मिलेगा। सभापति महोदय, यदि विपक्ष के साथी यहां बैठे होते तो मैं उनको आपके माध्यम से अवगत कराता फिर भी अखबार वाले उन्हें बता देंगे कि जो कल समाचारों में आया था कि एच०वी०पी० के 11 सदस्य और 1 निर्दलीय सदस्य ने सरकार से अपना समर्थन वापिस ले लिया है, ऐसी झूठी और बनावटी बातें तो श्री चौटाला और उनके जो साथी हैं, वे ही कह सकते हैं लेकिन यह सरकार सच्चाई पर चलती है और इस तरह की कोई भी बात नहीं हुई है।

सभापति महोदय, जिस तरह से ओम प्रकाश चौटाला और उनके दूसरे साथी कई बार यह ताना देते हैं कि यह सरकार अगली बार नहीं आएगी और कहते हैं कि आप लोग जब पब्लिक के बीच में जाओगे तो आपको पता लगेगा। सभापति महोदय, हम आज भी अपने हल्के के अन्दर जाते हैं और दूसरे एरियाज में भी जाते हैं। प्रदेश के लोग अच्छी तरह से इस बात को मानते हैं और समझते हैं कि सरकार के पास पैसा कम होते हुए भी उनके विकास के काम ईमानदारी के साथ हो रहे हैं जो पहले कभी नहीं होते थे। श्री ओम प्रकाश चौटाला का यह कहना कि यह सरकार आगे नहीं आनी, यह तो समय ही बताएगा। सभापति महोदय, जहां तक उनकी खुद की पार्टी की बात है, श्री ओम प्रकाश चौटाला के लिए उस से अच्छा समय नहीं हो सकता जब 1977, 1987 में लोगों ने उनको जितना बहुमत दिया था, उतना बहुमत

उनका न कभी आया और न कभी आएगा। उस दौरान ओम प्रकाश चौटाला के पिता श्री दिल्ली की सरकार में डिप्टी प्राइम मिनिस्टर थे। उनके होते हुए ओम प्रकाश चौटाला तीन बार हरियाणा के मुख्य मंत्री बने और तीनों बार ये 6 महीने से ज्यादा सरकार नहीं चला सके। अगर ओम प्रकाश चौटाला यह सपना लेते हों कि हरियाणा की जनता उनको फिर मौका देगी तो वे यह बात अपने दिमाग से निकाल दें। सभापति महोदय, अभी पिछले दिनों राजस्थान, दिल्ली और मध्य प्रदेश के चुनाव हुए थे। ओम प्रकाश चौटाला ने दिल्ली और राजस्थान के अन्दर अजमाइश कर ली। राजस्थान और दिल्ली में इनकी पार्टी का जितना बुरा हाल हुआ था उतना बुरा हाल किसी भी पार्टी का नहीं हो सकता। सभापति महोदय, ओम प्रकाश चौटाला एस०बाई०एल० कैनाल और जमीदारों के फायदे की बात करते हैं। हमारे पड़ोसी प्रान्त के मुख्य मंत्री प्रकाश सिंह बादल एस०बाई०एल० कैनाल के बारे एतराज करते हैं। पिछले दिनों जींद में ओम प्रकाश चौटाला ने एक जलसा किया था उस जलसे में प्रकाश सिंह बादल आए थे। ये उनसे अपनी शोभा बढ़ाने के लिए और अपने फायदे के लिए बात कर सकते हैं हरियाणा प्रदेश के फायदे की बात उनसे नहीं कर सकते। सभापति महोदय, राजस्थान के एक हल्के से ओम प्रकाश चौटाला के लड़के ने चुनाव लड़ा। उस चुनाव में प्रकाश सिंह बादल और उनके बेटे जो केन्द्र सरकार में मंत्री हैं, वहां पर इन्होंने लोगों के सामने झोली फैला कर वोट मांगे थे लेकिन ओम प्रकाश चौटाला के लड़के की जमानत 200 या 300 वोटों के अन्तर से बची थी। ओम प्रकाश चौटाला वोटों के लिए उनकी खुशामद करते हैं, अपने फायदे के लिए उनकी खुशामद करते हैं लेकिन हरियाणा के फायदे के लिए उनसे बात नहीं कर सकते। सभापति महोदय, हमने विधान सभा के अन्दर कई बार इस बात का जिक्र किया है ओम प्रकाश चौटाला और भजन लाल की पार्टी पहले भी इकट्ठी थी और आज भी इकट्ठी है, हम इस बात का सबूत दे सकते हैं। हम पहले भी कहते थे कि भजन लाल और ओम प्रकाश चौटाला एक हैं और इस बात का सबूत भी देते थे। हिसार के अन्दर भजन लाल के दामाद की जो शराब की फैक्टरी है, उसके अन्दर ओम प्रकाश चौटाला का शेयर है और भी कई जगहों पर उनका शेयर है। यह कोई बहुत पुरानी बात नहीं है। पिछले दिनों लोक सभा का चुनाव हुआ था उस समय आप सभी ने देखा होगा कि उस समय एम०पी० के चुनाव में भजन लाल के समर्थकों ने श्री ओम प्रकाश चौटाला के लड़के को वोट दिये थे। आदमपुर हल्के में भजन लाल के जितने वोट थे वे सारे ओम प्रकाश चौटाला के लड़के को दिलाए और उस चुनाव में ओम प्रकाश चौटाला के लड़के को 52 हजार वोट मिले। जब आदमपुर हल्के का पिछले दिनों बाई-इलैक्शन हुआ तो उसमें ओम प्रकाश चौटाला के लड़के को केवल साढ़े-पांच हजार वोट मिले जबकि एम०पी० के चुनाव में 52000 वोट मिले थे। ये बनावटी तौर पर एक दूसरे को गालियां देते हैं और लोगों को धोखा देते हैं। लोग इनको अच्छी तरह से समझ चुके हैं कि ये अपने फायदे के लिए हविपा और भाजपा की गठबंधन सरकार को गिराने के लिए इकट्ठे हैं। ये आम आदमी की भलाई के लिए कभी नही सोचते। आज चौटाला साहब हरिजनों व बैकवर्ड क्लासिज भाइयों के हित की बात करते हैं। मैं बताना चाहूंगा कि इनके अपने शासन काल में क्या होता था उसको सब अच्छी तरह से जानते हैं। इन्होंने पूनिया जी के साथ क्या बदसलूकी की थी, तपासे साहब, जो हमारे गवर्नर होते थे उनके साथ क्या बदसलूकी की थी और इसी प्रकार से चांदराम जी के साथ क्या बदसलूकी की थी, ये बात सभी जानते हैं। इन्होंने अपने राज में सिरसा जिले के हरिजनों को उनकी जमीन से खदेड़ कर उन्हें राजस्थान भिजवा दिया था। इनकी जुबान में कितनी सच्चाई है यह भी बता देता हूं। पिछले लोक सभा चुनाव के दौरान इन्होंने बी०एस०पी० के साथ समझौता करके चुनाव लड़ा और कहा कि कांशी राम को प्रधानमंत्री बनवाऊंगा इससे हरिजन लोग गुमराह हुए जिस कारण इनको उनके कुछ वोट भी मिले। लेकिन जब रिजल्ट आने लगे और पूरे रिजल्ट आये ही नहीं थे

[श्री सोमवीर सिंह]

तो कहा कि हम तो अटल बिहारी बाजपेयी को प्रधानमंत्री बनायेंगे। 4-5 दिन पहले कह रहे थे कि चौधरी बंसी लाल जी ने बी०जे०पी० के साथ समझौता कर लिया। मैं पूछना चाहता हूं कि यदि बी०जे०पी० बुरी थी तो फिर इन्होंने बी०जे०पी० के साथ दिल्ली के अन्दर और राजस्थान के अन्दर समझौता करके चुनाव क्यों लड़ा ? बाद में एक बार इनके पिता श्री का हांसी से ब्यान आया कि हमने बी०जे०पी० के साथ समझौता किया था इसलिए हम हार गए। ये भूल गए कि इनके पिताश्री बी०जे०पी० के पैर पकड़ कर ही राज्यसभा में मैम्बर बनकर पहुंचे हैं। जब इनको जरूरत होती है तब पैर पकड़ लेते हैं और आगे भी जरूरत होगी तो पैर पकड़ लेंगे, इनको कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है।

सभापति महोदय, अब मैं ला एण्ड आर्डर की स्थिति के बारे में बताना चाहूंगा। इस बारे में लाठर साहब ने भी काफी कुछ बताया। मैं बताना चाहूंगा कि चुनाव या उपचुनाव इनके समय में भी हुए और चौधरी बंसी लाल जी के समय में भी हुए। हमारी सरकार बने हुए पौने-तीन साल हो गए हैं। हमारे समय में भी 3 उप-चुनाव हुए हैं। एक उपचुनाव में हमें कामयाबी मिली, दो में नहीं मिली। ये चुनाव, फतेहाबाद, झज्जर और आदमपुर में हुए थे। हमारी सरकार ने पूरी ईमानदारी के साथ चुनाव लड़ा था। हमने किसी को दबाने व डराने की कोशिश नहीं की। मैं कहना चाहूंगा कि चौटाला जी अपने समय की बात भूल गए। जब इनके समय में मेहम का बाई-इलैक्शन हुआ था तो इन्होंने अपने सबसे नजदीकी आदमी अमीर सिंह की हत्या करवा दी थी और वहां पर 20 अन्य और मारे गए थे। हम यह मानते हैं कि कुछ क्राईम बढ़े हैं, लेकिन ये क्राईम अकेले हरियाणा में नहीं बढ़े, पूरे हिन्दुस्तान में बढ़े हैं। हमारी सरकार ने उन मुलजिमों को पकड़ा भी है जिन्होंने क्राईम किए हैं। हमारी सरकार किसी दोषी व्यक्ति को संरक्षण नहीं देती। हमारी सरकार की कोशिश होती है कि जल्दी से जल्दी दोषी व्यक्ति को पकड़ा जाये। दूसरी ओर जब इनका राज था तो इन्होंने एक ग्रीन ब्रिगेड बना रखी थी। यह ब्रिगेड लोगों की जमीनें हड़पती थी, उनके मकान छीन लेती थीं। इतना ही नहीं जाली टिकटें बसों में काटी जाती थीं। मैं बताना चाहूंगा कि 1989 के अन्दर भिवानी के लोकसभा चुनाव के दौरान जब इनकी सरकार थी उस वक्त जूई में आदमी मरे, भिवानी में आदमी मरे। हांसी में भी गोली चली थी जिसके कारण वहां पर एक गाय मरी थी। ये लोग अपनी बात को भूल जाते हैं कि इनके अपने जमाने में लोगों के साथ बेइन्साफी हुई थी। वे लोग थाने के अन्दर कम्पलेंट लिखवाने के लिए गए थे लेकिन उन की कम्पलेंट दर्ज नहीं हुई थी। जूई गांव के अन्दर जो आदमी मारा गया था उस केस में हाई कोर्ट से सजा हुई है। आज ये लोग कानून कायदे और लॉ एण्ड आर्डर की बात करते हैं। इस प्रकार की बातें इनको शोभा नहीं देती हैं। आज की सरकार इस बात का पूरा ध्यान रखती है कि चाहे कोई अमीर हो या कोई गरीब हो किसी के साथ कोई बेइन्साफी न हो। सभापति महोदय, माननीय वित्तमन्त्री जी ने जो बजट प्रस्तुत किया है मैं उसके लिए उनका धन्यवाद करता हूं जिसमें इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि लोगों पर अतिरिक्त भार न पड़े। अध्यक्ष महोदय, हमारे विपक्ष के साथी यहां पर कई बार बाहर अखबारों में ब्यान देते रहते हैं कि चौधरी बंसी लाल जी की सरकार ने शराब बन्द की। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी कह रहे थे कि शराबबन्दी के बाद लोगों पर 600 करोड़ रुपये के टैक्स लगाए गए लेकिन ओम प्रकाश चौटाला जी की पार्टी के लोगों ने कह दिया कि 3000 करोड़ रुपये के टैक्स लगाए गए हैं जबकि हमारी सरकार ने मात्र 171 करोड़ रुपये के टैक्स लगाए हैं। सभापति महोदय, यह कोई बहुत बड़ी कीमत नहीं थी। जो टैक्स लगाए गए हैं वह समय-समय पर जिस प्रकार से दूसरी चीजों के दाम बढ़ते हैं जैसे डीज़ल के दाम बढ़े उससे बसों का किराया बढ़ा और इसी प्रकार से दूसरी

चीजों के दाम भी बढ़े हैं उसके लिए कोई खास बात नहीं है। सभापति महोदय, वित्त मंत्री जी ने जो बजट पेश किया है मैं उसका समर्थन करता हूं तथा आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयान (नीलोखा) : आदरणीय सभापति महोदय, तीन तारीख को आदरणीय वित्त मन्त्री जी ने जो बजट पेश किया है उस पर मैं भी अपनी बात कहने के लिए खड़ा हुआ हूं। इस चर्चा में हिस्सा लेने वाले मेरे से पहले बोलने वाले साथियों ने इस प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा करते हुए हमारी सरकार के सत्ता में आने के बाद जो विकास कार्य हुए हैं उन के बारे में हाऊस में बताया है। इस सरकार ने कर मुक्त बजट लोगों को दिया है इससे साफ ज़ाहिर होता है कि हरियाणा प्रदेश के हित चौधरी बंसी लाल जी और इस प्रदेश की सरकार के हाथों में पूरी तरह से सुरक्षित हैं। आज चारों तरफ विकास की बात हो रही है बिजली की योजनाएं बनाई जा रही हैं, सिंचाई की योजनाएं बनाई जा रही हैं जिनके लिए पैसे की बहुत जरूरत है। हालांकि पैसे की बहुत अधिक जरूरत है लेकिन फिर भी सरकार ने जो बजट प्रस्तुत किया है वह कर रहित और कर मुक्त बजट है जिससे हरियाणा प्रदेश के हर वर्ग के हर व्यक्ति को सीधा फायदा है। यह बहुत बड़ी बात है। विरोधी पार्टी के लोग जो आज इस हाऊस में उपस्थित नहीं हैं वे बड़ी-बड़ी बातें करते थे कि हमारे टाईम में हमने लोगों का इतना भला किया, हम किसानों के हितैषी थे जब कि किसान के हितों के बारे में उनको कुछ पता ही नहीं है। 1996 में चौधरी बंसी लाल जी की सरकार बनी तो उन्होंने तुरन्त ही बाढ़ से सुरक्षा के लिए और सिंचाई के लिए योजनाएं बनाई, मास्टर प्लान तैयार किया परिणामस्वरूप इस हरियाणा प्रदेश को बाढ़ मुक्त प्रदेश बना दिया है। हमें गर्व है कि हमने हरियाणा प्रदेश में जन्म लिया है। आज हरियाणा प्रदेश का नाम चौधरी बंसी लाल के नाम से जाना जाता है। अगर हम कहीं पर जाते हैं तो वे पूछते हैं कि आप हरियाणा प्रदेश से हो जहां पर चौधरी बंसी लाल जी ने चहुंमुखी विकास किया है। यह हमारे लिए और हरियाणा की जनता के लिए बहुत ही गर्व की बात है। सभापति महोदय, 1989 में जब चौधरी देवी लाल जी डिप्टी प्राईम मिनिस्टर थे, वे हमारे इसराना गांव में आए थे और इसराना कालेज का नींव पत्थर रख गए थे। लेकिन उसके बाद जितनी भी सरकारें आई, उन्होंने उस पर कोई काम नहीं किया। 1997 में वहां पर हमारे मुख्य मंत्री जी गए थे और उन्होंने उस कालेज की मन्जूरी दे दी और अब इसराना कालेज का काम चल रहा है। इसके साथ ही मेरे जिले में एक इंजीनियरिंग कॉलेज को भी मन्जूरी मिली है जो कि मुख्य मंत्री श्री बंसी लाल जी ने ही दी है। इसके लिए मैं उनका धन्यवाद करता हूं। इसके अलावा, सिंचाई के लिए उलाना माईनर भी मंजूर की गई है जिससे 8-9 गांवों को फायदा होगा। मैं मुख्य मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि उसका काम भी यह सरकार जल्दी से शुरू करवा दें। सभापति महोदय, बिजली का थर्मल प्लांट भी मेरे हल्के में बनना शुरू हुआ है। वहां पर 110-110 मैगावाट के चार यूनिटों का काम शुरू है और 210 मैगावाट के प्लांट पर काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। यह प्लांट चौधरी बंसी लाल जी ने हमारे हल्के को 1996 में दिया है। विरोधी पक्ष के भाइयों को भय है कि अगर हमने लोगों को 24 घंटे बिजली दे दी तो उनकी दुकान बंद हो जाएगी। इसलिए ये लोगों को बिजली के बारे में गुमराह कर रहे हैं। मैं इनको यह बताना चाहूंगा कि काठ की हांडी एक बार चढ़ती है बार-बार नहीं चढ़ती है। सभापति महोदय, चौधरी देवी लाल जी 1987 में मुख्य मंत्री बने थे और उन्होंने चुनाव से पहले लोगों को कहा था कि अगर मैं जीतूंगा तो आप सब के कर्जे माफ कर दूंगा और गांव-गांव में नोट छापने की मशीन लगा दूंगा। उस वक्त लोग इनके बहकावे में आ गए थे और इनको जिता कर भेज दिया था लेकिन आज हरियाणा के सभी नागरिक समझदार हो गए हैं और अब वे इनकी असत्य बातों में नहीं आएंगे। अगर यह सरकार हरियाणा में विकास के काम, कृषि से सम्बन्धित काम और सभी सड़कें

[श्री बिजेन्द्र सिंह कादयान]

बनवा कर दे देगी तो आने वाले राज में भी चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में ही सरकार बनेगी। अभी थोड़ी देर पहले सोमवीर सिंह जी ने बोलते हुए कहा था कि विरोधी पक्ष के भाई आज समाज कल्याण की बात करते हैं। सभापति महोदय, इन भाइयों ने अपने राज में समाज कल्याण के लिए कोई स्कीम ही नहीं बनाई थी। यह जो वर्तमान सरकार है इसने गरीबों के लिए शिक्षा, कपड़ा और पुस्तकें देने का प्रबन्ध किया है। इससे गरीब आदमी का डायरैक्ट फायदा है। इसके अलावा विरोधी पक्ष के भाइयों ने कहा था कि प्रदेश की सड़कें उन्होंने बनवाई है यह बिल्कुल असत्य बात है। आज हरियाणा का हर नागरिक जानता है कि चौधरी बंसी लाल ने ही इस प्रदेश को सड़कों से जोड़ा है। आज ये कहते हैं कि सड़कें टूटी हुई हैं। यह गलत बात है। सभापति महोदय, फिर कर्जों की बात आई। कांग्रेस सरकार ने तो स्टेट की इतनी बुरी हालत कर दी थी कि स्टेट की क्रेडिबिलिटी ही खत्म हो गई थी, कोई कर्जा देने को तैयार ही नहीं था। जब चौधरी बंसी लाल जी की सरकारी आई तो स्टेट की दोबारा से क्रेडिबिलिटी बनी, साख बनी और बाहर से हमारी स्टेट को पैसा मिलना शुरू हो गया। आज ये इस सरकार से जलते हैं इन्होंने अपने राज में तो कुछ किया नहीं और हम कर रहे हैं तो इनको तकलीफ हो रही है। जैसा कि राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में कहा है कि इस वित्तीय वर्ष में वह सड़कें ठीक कर दी जायेंगी, यह एक बहुत बड़ी बात है। अगर मैं सरकार के समय की बात करूं तो इनको पता चलेगा। इन्होंने अपनी सरकार के समय में ग्रीन ब्रिगेड बनायी और हमारे प्रदेश के नौजवानों को गुमराह किया। इन्हीं नौजवानों ने बाद में लूट-खसूट की, इसलिए इनके बोए हुए बीज आज हमें परेशान कर रहे हैं। आज ये यहां पर लॉ एंड आर्डर की बात करते है जबकि यह सब देन इन्हीं हमारे भाइयों की है। जहां तक भ्रष्टाचार की बात है, हमारी सरकार के बनने के बाद भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा है हालांकि हम यह भी मानते हैं कि यह सैंट परसैंट इन्हीं की देन है क्योंकि इन लोगों ने एम०एल०एज़०, प्रशासक और ओफिसर्ज़ को लालच देकर अपने साथ जोड़ा हुआ था। चेयरमैन साहब, जब हमारी सरकार बनी और हम ओथ लेने के लिए यहां पर आए तो उसके बाद चौधरी बंसी लाल जी ने अपनी पार्टी के सभी एम०एल०एज़० की मीटिंग में कहा था और फैसला कर दिया था कि किसी भी एम०एल०ए० को डिसक्रिशनरी कोटे से प्लाट नहीं दिए जायेंगे या कोई और दूसरा फायदा उनको नहीं दिया जाएगा। इन लोगों की सरकार के वक्त में एम०एल०ए० को प्लाट देकर अपने साथ जोड़ा जाता था लेकिन हमारे चौधरी बंसी लाल जी इस मामले में बिल्कुल निष्पक्ष हैं। उन्होंने वोटरों और एम०एल०एज० सभी को एक समान रखा है। इसके अलावा, जहां तक ये विकास की बात करते हैं कि हमने यह कर दिया वह कर दिया या हमने बिजली के ये ये प्लांट्स लगवाए, मैं उनको बताना चाहूंगा कि उन्होंने प्रदेश में एक भी बिजली का प्लांट नहीं लगवाया। बाद में बिजली की डिमांड बढ़ती गयी और लोग बिजली के लिए चिल्लाते रहे लेकिन ये लोग इस बात का फायदा उठाते रहे। 1986 में ही चौधरी बंसी लाल जी ने ये प्लांट्स ठीक किए थे और बिजली की पूरी सप्लाई चालू करवायी थी। 1987 में चौधरी देवी लाल जी आ गये और उन्होंने कहा कि यह बिजली उन्हीं की देन है जबकि ऐसी बात नहीं थी क्योंकि 1986 में बंसी लाल जी ने ये प्लांट्स ठीक करवाए थे। परिणामस्वरूप 1987 में बिजली प्रदेश में मिलनी शुरू हो गयी थी लेकिन ये उसका क्रेडिट खुद लेते रहे और लोगों को गुमराह करते रहे। इन्होंने उस समय कहा था कि अब हमारा राज आ गया है, अब हम आपको 24 घंटे बिजली देंगे। चेयरमैन सर, अब हमारी सरकार पूरे प्रदेश में इस साल लोगों को 24 घंटे बिजली देना शुरू कर देगी फिर इनके पास कहने को कोई बात ही नहीं रह जाएगी। ये लोग काफी झूठी बातें कहकर चले गए लेकिन इनको हमारी बातें भी सुननी चाहिए थीं। स्पीकर साहब ने उनको हमारे से ज्यादा बोलने का समय दिया। अगर वे यहां पर होते तो हम उनको

बताते कि आज हरियाणा प्रदेश का विकास किस स्तर पर है और आपके राज में यह किस स्तर पर था ? मैं एक बार फिर वित्त मंत्री जी का धन्यवादी हूँ और प्रदेश के लोगों की तरफ से भी उनका धन्यवाद करता हूँ कि उन्होंने जो यहां पर इतना अच्छा बजट पेश किया है उसमें कोई नया कर नहीं लगाया है। यह सरकार प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए बराबर लगी हुई है। इन्हीं शब्दों के साथ मैं पुनः आपका धन्यवाद करता हुआ अपना स्थान लेता हूं।

श्री कैलाश चन्द्र शर्मा (नारनौल) : आदरणीय सभापति जी, आपका धन्यवाद कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। वर्ष 1999-2000 का बजट इस महान् सदन के सामने हमारे वित्त मंत्री जी ने पेश किया है। इस बजट में उन्होंने विभिन्न योजनाओं, चाहे वे बाढ़ की हों, सिंचाई की हों, शिक्षा विभाग की हों या बिजली उत्पादन की हों, के बारे में बताया है। उन्होंने पूरे वर्ष का अनुमान सदन के सामने रखा है। सरकार का यह दायित्व भी है जिसको उसने पूरा किया है लेकिन हमारे जो विपक्षी भाई हैं उनका भी यह दायित्व बनता था कि अगर इस बजट के अंदर कोई कमी रह गयी है, उसके बारे में वे अपने-अपने सुझाव देते, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया जबकि यह उनकी जिम्मेदारी थी। वे सदन से बाहर चले गए। हमारे अध्यक्ष महोदय ने उनको बार-बार कहा था कि आपको इस बजट पर बोलना चाहिए वरना बाहर जाकर आप अपने हल्के के लोगों को क्या बताओगे, लेकिन उसके बावजूद भी वे चले गए। मैं इस बजट का समर्थन करते हुए एक-दो सुझाव रखना चाहता हूं। हमारे झज्जर, रोहतक या सिरसा के इलाकों में बाढ़ का पानी भरा हुआ है। यहां के लोग बाढ़ के पानी से दुखी हैं। महेन्द्रगढ़, दादरी और रिवाड़ी के लोग पानी न होने के कारण दुखी हैं। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) अध्यक्ष महोदय, मेरा एक सुझाव है कि जो बड़ी-बड़ी नहरें नारनौल तक पहुंचाई हुई हैं और झज्जर की तरफ जो भी बाढ़ का पानी रोहतक में खड़ा हुआ है उसके लिए बजट में कोई प्रावधान नहीं रखा गया है। अगर इस कार्य पर सिर्फ 4-5 करोड़ रुपया खर्च कर दिया जाए और नारनौल, महेन्द्रगढ़ में जो दो नदियाँ-कृष्णावती और दोहान बहती हैं उस सारे बाढ़ के पानी को इन नदियों में डाल दिया जाए तो उधर के लोग बाढ़ के पानी से बच सकते हैं और इधर वर्षा ऋतु में दो महीने ये नदियां बहती रहें तो उससे दो सौ गांवों का जल स्तर ऊपर आ सकता है वहां नहरें देने की जरूरत नहीं है। वहां पर जो कुएं इस समय आठ घंटे चलते हैं वे 16 घंटे चल सकते हैं और किसान की फसल को 2-3 या 4 पानी फालतू मिल सकते हैं इसलिए मेरा सुझाव है कि इस बात के ऊपर ज्यादा ध्यान दिया जाए। इसके साथ ही मैं यह भी कहना चाहूंगा कि कृष्णावती नदी से सिर्फ पांच किलोमीटर आगे हरियाणा राजस्थान बॉर्डर के साथ एक सोता नदी बहती है, उसका पानी एक किलोमीटर आगे सीधा मसानी बांध में जाता है। वह मसानी बांध बाढ़ के पानी से भर सकता है और रिवाड़ी जिले को उससे फायदा हो सकता है। जितना इस कार्य को करने में देरी की जाएगी, उतना ही जो बाढ़ग्रस्त एरिया है वह डूबता रहेगा और महेन्द्रगढ़, रिवाड़ी जो सूखाग्रस्त क्षेत्र है वह सूखा ही मरता रहेगा। इस कार्य को कर दिए जाने से दोनों तरफ से फायदा हो सकता है। यहां के लोग बाढ़ से मुक्ति भी पा सकते हैं और महेन्द्रगढ़, रिवाड़ी व दादरी के लोग इस पानी को यूज में लेकर फसल भी पैदा कर सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, इस बजट में जो पैसा बिजली उत्पादन के लिए रखा गया है, उसके लिए मैं सरकार का धन्यवाद करता हूं। आने वाले समय में बिजली, किसान व आम आदमी की मूलभूत आवश्यकता हो गई है। अगर बिजली 24 घंटे मिल जाती है तो इससे हमारी ज्यादा से ज्यादा आवश्यकता की पूर्ति हो सकती है। इसके लिए मैं सरकार का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं। स्पीकर सर, जो खाद की व्यवस्था के बारे में बताया गया है जिस खाद की ऐडजस्टमैंट की बजह से कमी हुई बताई गई है वह डी०ए०पी० खाद साल में एक बार यूज होती है, मेरा कहने का तात्पर्य है कि गेहूं की फसल में एक बार यूज होती है। यूरिया खाद 2-

[श्री कैलाश चन्द्र शर्मा]

3 या 4 बार डाली जाती है इसलिए इसकी एक निश्चित तिथि होती है जब नवम्बर-दिसम्बर में गेहूं की फसल बोई जाती है क्योंकि हर साल इसकी निश्चित डेट होती है, इसलिए उस समय इस पर थोड़ा सा ध्यान अवश्य देना चाहिए। उस समय के मुताबिक यदि इसे स्टोर कर दिया जाए तो किसी प्रकार की खाद की कमी नहीं होगी। इसी प्रकार जो हमारी बाजरे की फसल होती है, बाजरे की फसल बोने के लिए जो बीज होता है, उसकी कई बार कमी हो जाती है। उसकी बिजाई का समय अनिश्चित होता है, गेहूं-चने की बिजाई का समय निश्चित होता है लेकिन बाजरे की फसल वर्षा के मुताबिक बोई जाती है। यदि वर्षा एक महीने पहले हो जाती है तो बिजाई भी पहले हो जाती है यदि वर्षा लेट हो जाती है तो बिजाई भी लेट हो 17.00 बजे जाती है इसलिये इन बातों की तरफ ध्यान देकर हमें समय पर कार्यवाही करनी चाहिए। इसके साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में जो उन्नति हुई है, नये-नये स्कूल-कालेज खोले गये हैं, उसके लिए मैं सरकार का धन्यवाद करता हूं। परन्तु प्राईवेट स्कूलों में जो बच्चे पढ़ते हैं वे सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की अपेक्षा ज्यादा इंटैलीजेंट होते हैं। इस तरफ भी सरकार को ध्यान देना पड़ेगा और इस कमी को पूरा करना होगा। अगर पढ़ाई इसी तरह से होती रही तो हमारी जो सरकारी संस्थायें हैं वे पीछे हटती जायेंगी और प्राईवेट संस्थायें आगे बढ़ती जायेंगी। इसलिए इसमें सुधार की ओर ज्यादा से ज्यादा ध्यान देना होगा। इसके साथ ही विभिन्न प्रकार के कार्यों पर जो बजट अनुमान दिखाया गया है, उनको मंजूर करने से लेकर, जहां पर पैसा लगता है उसे वहां तक पहुंचाने की व्यवस्था पर हमें थोड़ा बहुत ध्यान देना पड़ेगा। जहां पर उस पैसे को लगना है अगर हम उसे सही तरीके से पहुंचाने में कामयाब हो जायेंगे तो उस दिन भारतवर्ष में ऐसा कोई काम नहीं रहेगा जो कि अधूरा रह जायेगा। परिणामस्वरूप हमें विदेशों से किसी चीज को मंगाना नहीं पड़ेगा। जिस दिन यह व्यवस्था ठीक हो जायेगी उस दिन हमारे अपने कार्य पूरे होने लगेंगे और हमें दूसरे देशों से पैसा लेने की जरूरत नहीं होगी। हमने शिक्षा के क्षेत्र में जो उन्नति की है, बिजली के क्षेत्र में जो उन्नति की है, कृषि के क्षेत्र में जो उन्नति की है उसके लिए भी मैं सरकार का धन्यवाद करता हूं। जो बजट इस हाऊस में पढ़ा गया है उसका समर्थन करते हुए मैं एक बार फिर आपका धन्यवाद करता हूं। जयहिन्द !

श्री ओम प्रकाश जैन (पानीपत) : अध्यक्ष महोदय, बजट पर बोलने के लिए जो आपने मुझे समय दिया है, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं । इसके साथ-साथ मैं वित्त मंत्री श्री धरण दास शोरेवाला जी का भी आभार प्रकट करता हूं जिन्होंने एक बहुत बढ़िया बजट हरियाणा की जनता के सामने पेश किया है जिससे हर वर्ग को चाहे वह किसान हो, व्यापारी हो, या मजदूर हो, सभी वर्गों को लाभ मिलेगा। यह बजट हरियाणा की प्रगति में बड़ा भारी काम देगा। लेकिन दुर्भाग्य इस बात का है कि अपोजिशन के भाई इस बजट सैशन में पहले से ही अपना मन बनाकर आये थे कि उन्होंने सदन से वाक आऊट करना है।

श्री अध्यक्ष : जैन साहब इसलिए तो आपको बोलने का पूरा समय मिल गया है।

श्री ओम प्रकाश जैन : अध्यक्ष महोदय, अपोजिशन के भाई सदन में नहीं बैठे हैं लेकिन हमारे प्रैस के भाई तो बैठे होंगे। मैं उनसे प्रैस के माध्यम से पूछना चाहूंगा कि क्या जनता ने उन्हें इस बात के लिए चुनाव जिताकर भेजा था कि वे हर बात के लिए वाईकाट करें, सदन से बाहर उठकर चले जायें ? बल्कि उनके हितों की रक्षा के बारे में सदन में अपनी बात कहने के लिए जनता ने उन्हें यहां भेजा था। अपोजिशन के भाइयों को चाहिये था कि वे अच्छे तरीके से बजट पर बहस करते और सरकारी पक्ष की तरफ से यदि कोई कमी होती तो उसके बारे में भी कुछ सुझाव देते। लेकिन चलो वह तो उनके और जनता के भाग्य

की बात है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी हरियाणा के निर्माता हैं। उन्होंने राज्य का मुख्य मंत्री बनते ही हरियाणा की जनता के हितों के लिए जो कार्य करना शुरू किया वह अत्यंत सराहनीय है। कोई भी इन्सान ऐसे काम नहीं कर सकता है। इन्होंने मुख्य मंत्री बनते ही जो ड्रेनेज का कार्य किया, हर टेल तक पानी पहुंचाया, हर ड्रेन को साफ किया, ये प्रशंसनीय कार्य हैं। हरियाणा में पहले कितनी बाढ़ें आया करती थीं, फसलों को कितना नुक्सान हुआ करता था, आप जानते हैं। 1995 में बाढ़ आई थी तथा फसलों का कितना भारी नुक्सान हुआ था। लेकिन 1996 में चौधरी बंसी लाल जी की सरकार आते ही एक-एक ड्रेन की सफाई का कार्य इन्होंने खुद अपने सामने करवाया है, उसके बाद हरियाणा में बाढ़ की वजह से कोई खास नुक्सान नहीं हुआ है। इसी प्रकार चौधरी बंसी लाल जी ने नहरों के टेल तक पानी पहुंचाने का कार्य किया। वे मेरे हल्के पानीपत में गए थे तथा खुद नहरों के टेल पर भी गए थे। पिछले 18-20 सालों से आज तक किसी ने एक ईंट भी नहीं लगाई थी, नहरों में गाद भरी पड़ी थी। मेरे हल्के के बिंजोल गांव का एक पुल टूटा पड़ा था जो चौधरी बंसी लाल जी ने केवल 3 महीने में बनवाया तथा टेल तक पानी पहुंचाने का कार्य भी किया। अब मैं सहकारिता विभाग के बारे में कुछ कहना चाहता हूं। आप जानते हैं कि हरियाणा के शुगर मिलों का कितना बुरा हाल था। पानीपत शुगर मिल भी अगर हमारी सरकार नहीं आती, तो बंद हो जानी थी। चौधरी बंसी लाल जी ने मुख्य मंत्री बनते ही शुगर मिलों की हालत को देखा व खुद मौके पर जाकर लोगों को उनकी पेमैंट देने का विश्वास दिलाया। 3-4 सालों से लोगों की पेमैंट रुकी पड़ी थी, जिसकी वजह से किसानों की बुरी हालत थी, वे पैसे के बिना न कोई शादी वगैरह परिवार के अंदर कर सकते थे और न अपनी जमीन की देखभाल कर सकते थे।

सारे हरियाणा के किसानों का कुल 55 करोड़ रुपये बकाया था तथा अकेले पानीपत शुगर मिल का 13 करोड़ रुपये बकाया था, जो कि इस सरकार ने आते ही अदा कर दिया। सभी शुगर मिलों की मुरम्मत करवाई व पानीपत शुगर मिल जो बंद पड़ी थी, उसको चालू करवाया तथा अब गन्ने की नकद पेमैंट की जा रही है। अध्यक्ष महोदय, हमारे विपक्ष के भाई कह रहे थे कि यू०पी० से गन्ना क्यों खरीद रहे हैं ? विपक्ष के भाइयों को यह नहीं मालूम कि इन्होंने शुगर मिलों की इतनी हालत खराब कर दी थी कि किसान भाइयों ने गन्ने की बिजाई बंद कर दी थी। इस प्रकार से गन्ने की बिजाई बंद होने की वजह से गन्ने की प्रदेश के अंदर कमी हो गई तथा गन्ने की कमी के कारण यदि शुगर मिल बंद करेंगे तो भी उचित नहीं होगा। इसलिए गन्ने की प्रदेश के अंदर कमी की वजह से हमें अपने साथ लगते राज्य उत्तर प्रदेश से मजबूरन गन्ना खरीदना पड़ा ताकि हमारी शुगर मिलें सुचारू रूप से चल सकें। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से चौधरी बंसी लाल जी ने हरियाणा के अंदर दो नए जिले बनाए हैं। जिले तो पिछली सरकारों ने भी बनाए थे लेकिन किसी ने भी इस बात के लिए कभी नहीं सोचा कि हर जिले के अंदर एक लघु सचिवालय भी होना चाहिए। बहुत सालों से जिलों में लघु सचिवालय निर्माण का कार्य रुका हुआ था। इन्होंने आते ही हर जिले के अंदर एक लघु सचिवालय बनाने का एलान किया। एलान ही नहीं, ये जो कहते हैं, वही करते भी हैं। हर जिले के अंदर लघु सचिवालय निर्माण का कार्य चल रहा है। लेकिन किसी वजह से, मालूम नहीं, मेरा पानीपत हल्का, जो कि एक जिला है, उस में लघु सचिवालय नहीं बनाया जा रहा है। हरियाणा में 19 जिले हैं तथा 18 जिलों में तो लघु सचिवालय बनाए जा रहे हैं तथा कुछ ही दिनों में उनका कार्य भी पूर्ण हो जाएगा, लेकिन मैं आपके माध्यम से दरख्वास्त करूंगा कि हमारे पानीपत जिले में अभी तक लघु सचिवालय बनाने का कार्य नहीं हुआ है। चौधरी भजन लाल ने इसके लिए एक झूठा पत्थर जरूर रख दिया था, तथा वह जमीन भी डिफैंस की थी। वह डिफैंस की जमीन कनवर्ट नहीं हुई। अध्यक्ष महोदय, मेरी माननीय मुख्य मंत्री महोदय से प्रार्थना है कि वे पानीपत में जमीन लेकर एक मिनी सचिवालय बनवा दें तो बड़ी मेहरबानी होगी।

[श्री ओम प्रकाश जैन]

अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से शिक्षा के क्षेत्र में भी हमारी सरकार ने सत्ता में आने के बाद बहुत अच्छे काम किये हैं, बहुत से स्कूलों को अपग्रेड किया है, कई जगहों पर कालेज बनाये हैं। मेरी प्रार्थना यह है कि पानीपत बहुत बड़ा शहर है, वहां की आबादी लगभग 5 लाख है और वहां पर गवर्नमैंट कालेज नहीं है इसलिए वहां पर एक गवर्नमैंट कालेज बनवा दिया जाये। चौधरी बंसी लाल जी के सत्ता संभालने के बाद हरियाणा प्रदेश के हर क्षेत्र में विकास हुआ है। उनसे पहले की सरकार द्वारा जो भी सहायता दी जाती थी, वह समय पर नहीं मिलती थी, लेकिन हमारी सरकार के बनते ही हर किसी को जो भी सुविधा दी जाती है, वह समय पर मिल जाती है। पुरानी सरकार के समय में वृद्धावस्था पैंशन समय पर नहीं मिलती थी लेकिन हमारी सरकार के समय में सही टाईम पर हर महीने वृद्धावस्था पैंशन मिल जाती है। इतना ही नहीं हर किसान को समय पर खाद और बीज भी मिल जाता है। इस प्रकार से चौधरी बंसी लाल जी ने हर क्षेत्र में सराहनीय काम किया है। मैं समझता हूँ कि हमारे विरोधी भाइयों को इसी बात की दिक्कत है कि चौधरी बंसी लाल जी हर क्षेत्र में सराहनीय काम कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने बिजली के क्षेत्र में भी सराहनीय काम किया है। कई जगह बिजली के नये प्लांट लगाये हैं और पानीपत में भी बिजली की छठी यूनिट का काम शुरू हो गया है और जल्दी ही पूरा हो जायेगा। इसके अतिरिक्त, अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद में भी एक प्लांट लगाया गया और छोटे-छोटे प्लांट कई जगह लगाये हैं। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी बड़े ही दूरदर्शी व्यक्ति हैं, ये आगामी बीस साल की स्कीम बनाकर चलते हैं। चौधरी बंसी लाल जी यमुनानगर और हिसार में भी बिजली का प्लांट लगाने के बारे में सोच रहे हैं। 6 महीने के बाद हरियाणा प्रदेश में 24 के 24 घंटे बिजली लोगों को मिलने लगेगी। उसके बाद हमारे विपक्ष के भाई बिजली के बारे में कुछ भी नहीं कह सकेंगे। अध्यक्ष महोदय, जिस समय हरियाणा प्रदेश में किसानों, उद्योगपतियों और व्यापारियों को 24 घण्टे बिजली मिलने लगेगी तो इन सभी क्षेत्रों में काफी विकास होगा। इतना ही नहीं इससे बेरोजगारों को भी रोजगार मिलेगा व सब लोग खुशहाल होंगे। मैं समझता हूं कि हमारे विरोधी भाइयों के पेट में दर्द इसीलिए हो रहा है कि जब सब काम हम ही कर देंगे तो वे जनता को क्या वायदा करेंगे ? अध्यक्ष महोदय, कल मेरे विरोधी भाई कह रहे थे कि आपको कुर्सी पर नहीं बैठना चाहिए। यह बहुत ही गलत बात है, उनको ऐसा नहीं कहना चाहिए था। इस बात में बिल्कुल भी दम नहीं है। उन्होंने हाऊस से बाहर जाने के लिए ही यह तरीका ढूंढा है। अध्यक्ष महोदय, शुरू के दो दिन सैशन बड़े ही शांतिपूर्ण ढंग से चला था और मेरे विपक्ष के भाइयों ने देखा कि सैशन इतनी अच्छी तरह से चल रहा है, कोई मुद्दा तो उनके पास उठाने के लिए था नहीं, क्योंकि मुद्दा बनाने के लिए कोई बात चाहिए लेकिन उन्होंने बगैर किसी बात के अध्यक्ष महोदय आप को कुर्सी पर से उठाने का मुद्दा बना दिया। अध्यक्ष महोदय, आज चौधरी बंसी लाल जी की सरकार के खिलाफ किसी भी व्यक्ति के पास कोई मुद्दा नहीं है क्योंकि चौधरी बंसी लाल जी कोई ऐसी बात नहीं करते जिससे जनता को परेशानी हो, वे तो रात के बारह बजे तक जनता की भलाई के लिए काम करते रहते हैं। चौधरी बंसी लाल जी रात को तब तक नहीं सोते जब तक वे हरियाणा प्रदेश के हर जिले से हर महकमे की रिपोर्ट नहीं ले लेते। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूं कि चौधरी बंसी लाल जी एक कर्मठ, मेहनती और विकास पुरुष हैं, ऐसा मुख्य मंत्री शायद ही किसी दूसरी स्टेट में हो। जिस तरह से चौधरी बंसी लाल जी हरियाणा प्रदेश के विकास के लिए मेहनत कर रहे हैं, उसके लिए हरियाणा की जनता भी उनकी तारीफ करती है। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार के सभी मंत्री और सदस्यगण मेहनती हैं तथा अपने कार्य को पूरी ईमानदारी के साथ करते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं मुख्य मंत्री महोदय सहित हरियाणा के सभी मंत्रियों का धन्यवादी हूं तथा खासतौर से वित्तमंत्री, श्री चरण दास शोरेवाला

जी का आभारी हूं क्योंकि उन्होंने इस साल का जो बजट प्रस्तुत किया है उसमें हर सैक्टर के लोगों को खुश किया है, उन्होंने इस साल का बिल्कुल कर रहित बजट प्रस्तुत किया है। हालांकि पिछली बार भी शराबबन्दी के समय कोई खास टैक्स नहीं लगाये गये थे लेकिन हमारे विपक्ष के भाई फिजूल में ही कहने लगे थे कि सरकार ने दुनिया भर के टैक्स लगा दिये। उन भाइयों ने यह भी बहुत कहा कि जीरी की फसल लुटती फिरी। खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री जी भी यहां बैठे हैं। मैं बताना चाहूंगा कि यह रिकार्ड की बात है कि जीरी की फसल के रेट जो इस सरकार ने दिये हैं वह अपने आप में एक रिकार्ड है और आज तक किसी भी सरकार ने इतने रेट नहीं दिये। 2300-2400 रुपये प्रति क्विंटल तक जीरी बिकी है। फिजूल में ही विपक्षी सदस्य यह मुद्दा उठाते थे। हमारी सरकार और वित्त मंत्री जी ने इस बजट में हर बात का ख्याल रखा है। इस बजट में मजदूर, किसान और व्यापारी सभी का ध्यान रखा गया है। आप देखेंगे कि इस बढ़िया बजट की वजह से हमारे प्रदेश के अन्दर आने वाले समय में तरक्की होगी। यह बजट हमारी जनता के लिये हितकारी एवं लाभकारी है। अन्त में, मैं एक बार फिर वित्त मंत्री जी और मुख्य मंत्री जी का आभार प्रकट करता हूं। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिये मैं आपका भी धन्यवाद करता हूं।

पर्यटन राज्य मंत्री (श्री राम भजन अग्रवाल) : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आज वित्त मंत्री जी ने जो बजट इस सदन में पेश किया है वह एक सराहनीय बजट है। बजट के अन्दर कोई भी टैक्स नहीं लगाये गये हैं। बगैर टैक्स लगाये ही आज हरियाणा प्रान्त के अन्दर इतने अधिक विकास कार्य हो रहे हैं जिनकी गणना करना भी मुश्किल है। चौधरी बंसी लाल जी एक ऐसे मुख्य मंत्री हैं जिन्हें न तो खाने का शौक है और न पहनने का शौक है। अगर उन्हें किसी चीज का शौक है तो वह केवल स्टेट के अन्दर डिवैल्पमैन्ट के कार्य कराने का है। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने पिछले दिनों बिजली के उत्पादन के लिये नये-नये कारखानों को जन्म दिया वे चाहे फरीदाबाद में हों या पानीपत में हों। कितनी भारी इन्वैस्टमैन्ट और लगन से इन में काम चल रहा है, आप जानते हैं। जैसे कि पहले भी बताया जा चुका है कि जून माह तक सारे प्रांत को 24 घण्टे बिजली मिलने लगेगी। इसके अलावा जहां तक सड़कों की बात है, सड़कों में अभी कुछ कमी है। जैसे कि मुख्य मंत्री जी ने कल भी बताया था कुछ सड़कों को नैशनल हाइवे में बदल दिया गया है और बाकी सड़कों के निर्माण के लिये सरकार काफी प्रयत्नशील है। इन सड़कों के निर्माण का काम युद्धस्तर पर शुरू कर दिया गया है। पिछले दिनों मौसम अनुकूल नहीं रहा क्योंकि पहले जब गर्मी थी तो बेमौसमी बारिश आती रही फिर जब सर्दी आई तो धुन्ध की वजह से बी० एण्ड आर० वाले काम नहीं कर पाये, फिर भी वे सड़कों के निर्माण कार्य में जुटे हुये हैं। आप देखेंगे कि आने वाले कुछ महीनों में सड़कों का बहुत तेजी से निर्माण होगा। प्रदेश के अन्दर बिजली एवं सड़कों का जाल बिछ जायेगा। जब ये दोनों व्यवस्थाएं सुचारू रूप से चलने लगेंगी तब इन विपक्ष के भाइयों के पास कहने के लिये कोई मुद्दा ही नहीं रहेगा। अध्यक्ष महोदय, स्टेट के अन्दर अन्य क्षेत्रों में भी काफी उन्नति हो रही है। कितने ही स्कूलों और अस्पतालों का काम चल रहा है, कितने ही स्कूल अपग्रेड हो गये हैं, कितने ही इंजीनियरिंग कालेज तथा दूसरे हाई लैवल के कालेज सरकारी एवं गैर सरकारी क्षेत्रों में स्थापित किये गये हैं। आज हमारी स्टेट के अन्दर शिक्षा के क्षेत्र में अत्याधिक उन्नति हो रही है। इसी तरह से अस्पतालों को अपग्रेड किया गया है और कई जगह नये-नये 50-50 बैड के अस्पताल या दूसरे छोटे अस्पताल खोले जा रहे हैं। इसके अलावा इस स्टेट के अन्दर पोलियो उन्मूलन तथा दूसरी कई बिमारियों की रोकथाम अथवा उपचार के लिये काम हो रहा है। चुनावों के दौरान हमारे मुख्य मंत्री जी ने कहा था कि हर सात तारीख को बुढ़ापा पैंशन देंगे जो कि हर सात तारीख को मिल रही है। इसके अलावा चुनावों के दौरान और भी जो वायदे जनता से किये

[श्री राम भजन अग्रवाल]

गये थे उन्हें ज्यादा से ज्यादा पूर्ण किया जा रहा है चाहे वह बुढ़ापा पैंशन का वायदा हो, चाहे औद्योगिकरण का वायदा हो, चाहे नहरों के विकास का वायदा हो या खेती बाड़ी से संबंधित वायदा हो। 24 घण्टे बिजली देने का वायदा हम 30 जून तक पूरा करने जा रहे हैं। इसके अलावा नहरों की टेल तक पानी पहुंचा दिया गया है। नहरों के अन्दर जो घास वहैरह जमा हुआ था उसे पिछले दो सालों में साफ कर के नहरों का सुधार किया गया है तथा आने वाले समय में और भी सुधार किया जाना है। कई क्षेत्रों में नई नहरें बनाई जा रही हैं, कई नये रजवाहे और माईनर भी बनाये जा रहे हैं। मेरे विरोधी पक्ष के भाई यहां हाउस में नहीं है। पिछले दिनों उन्होंने सदन को गुमराह करने की कोशिश की थी कि यह सरकार कोई विकास का काम नहीं कर रही है। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार विकास के इतने काम कर रही है कि आने वाले समय में जनता विपक्षी भाइयों को गांवों में नहीं घुसने देगी और वे यहां हाउस के अन्दर बैठने के लायक नहीं रहेंगे। हमारी सरकार प्रदेश के अन्दर विकास के कार्य बहुत तेजी से कर रही है। मेरे विरोधी पक्ष के भाइयों का केवल एक ही मकसद है कि यहां हाउस में शोर मचाएं और हाउस को ठीक ढंग से न चलने दें ताकि उनका नाम अखबारों में आ जाए। स्पीकर साहब, कहा जाता है कि बदनाम होंगे तो क्या, नाम तो कमाते हैं चाहे वह बदनामी से कमाते हैं। उनकी भी यही हालत है। जहां तक कानून एवं व्यवस्था की बात है मैं उन लोगों को बताना चाहता हूँ कि प्रदेश के अन्दर कानून एवं व्यवस्था की स्थिति पहले से बहुत ठीक होती जा रही है। पिछले दिनों बहादुरगढ़ में जो बेबी किल्लर था उसको हमारी पुलिस ने पकड़ लिया। पुलिस ने सही आदमी को पकड़ा, जिसने सारे गुनाह स्वीकार कर लिए। इस मामले में जो पहले नकली आदमी पकड़ा गया था, उसकी हत्या कर दी गई थी। आज आप देख रहे हैं कि प्रदेश के अन्दर हर दिशा में तरक्की हो रही है, यह बात मेरे विरोधी पक्ष के भाइयों को बर्दाश्त नहीं हो रही है। सरकार पर गलत इल्जाम लगाना उनका काम है। हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री दिन-रात अपनी योजनाओं को पूरा करने में लगे रहते हैं। ज्यादातर योजनाएं अभी बन रही हैं जिनके क्रियान्वित होने पर आप देखेंगे कि हरियाणा चमकने लग जाएगा। सभी कहते हैं कि हरियाणा स्टेट के निर्माता चौधरी बंसी लाल जी हैं। चौधरी बंसी लाल जी ने स्टेट के निर्माण में पहले भी दिन-रात एक कर दिया था और अब भी दिन-रात प्रदेश के विकास कार्यों में वे लगे रहते हैं। मेरे विरोधी भाइयों की पार्टी का जब राज रहा तो स्टेट के अन्दर चाहे सड़कों की मुरम्मत हो, चाहे किसी बिल्डिंग की मुरम्मत हो और चाहे कोई दूसरे काम हों, वे नहीं हो पाए। वह सरकार टूटी हुई सड़कों पर एक थेकली भी नहीं लगा पाई। हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री चौधरी बंसी लाल जो स्टेट की डिवैल्पमैंट के कार्यों में अपना पूरा समय लगा रहे हैं। वे अधिकारियों से सम्पर्क करते रहते हैं और दिन-रात योजनाएं बनाते रहते हैं कि प्रदेश के किस क्षेत्र में किस चीज की कमी है ? वे हर काम को मुकम्मल करने के लिए तत्पर हैं। जो नैशनल हाईवे हैं, उन पर भारत सरकार का पैसा लगेगा तथा उनकी मुरम्मत बहुत जल्दी हो जाएगी। जो स्टेट हाईवे और दूसरे लिंक रोडज हैं उनकी मुरम्मत का काम पिछले एक डेढ़ महीने से शुरू कर दिया गया है। सड़कों की मुरम्मत के काम में पूरी तवज्जो दी जा रही है। अगर मौसम अनुकूल रहेगा तो यह काम 6 महीने में पूरा हो जाएगा। आप देख रहे हैं कि प्रदेश के अन्दर विकास के कार्य बहुत तीव्र गति से हो रहे हैं। चौधरी बंसी लाल जी को हरियाणा का निर्माता कहा जाता है, वे ही हरियाणा को दोबारा से चमका देंगे। मेरे विरोधी भाइयों को तो अपने घर भरने के अलावा कोई दूसरा काम नजर नहीं आता है। उनको तो केवल अपना घर भरना, अपने रिश्तेदारों को ऊपर उठाना और अपने होटल बनाना इस तरह के कामों की चिन्ता रहती है, उनको स्टेट से क्या लेना देना। जब माँ अपने बेटे को दुखी देखती है तो उसको दुख होता है परन्तु यदि किसी और का बच्चा दुखी होता है तो उसको कोई तकलीफ नहीं होती,

लेकिन चौधरी बंसी लाल जी हरियाणा प्रदेश को अपना समझते हैं। अगर हरियाणा की जनता को कोई तकलीफ होती है तो उनको उसका दुख होता है और ये सोचते हैं कि मेरे हरियाणा की जनता को तकलीफ क्यों है ? बदकिस्मती से प्रदेश का शासन कांग्रेस पार्टी के हाथ में रहा उनको इस बात का कोई ख्याल नहीं था कि जनता की दुर्दशा क्यों है और जनता को क्या तकलीफ है ? इस बात का उनको कतई ख्याल नहीं था। उनको तो अपने रिश्तेदारों और अपने घर भरने का ही ख्याल रहता था। पिछले दिनों जो पुलिस की भर्ती हुई उसमें मैरिट के आधार पर भर्ती की गई। दूसरी नौकरियों के लिए जो भर्ती की गई वह भी मैरिट के आधार पर की गई। पिछली सरकार के समय में रिश्वत के आधार पर भर्ती होती थी, जैसे कि इसको ले लो, इसको निकाल दो। इस सरकार के समय में मैरिट के आधार पर भर्ती हुई है तथा आगे भी होगी जिसके कारण आने वाले समय में अधिकारी भी ठीक होंगे। पीछे जो नियुक्तियां होती थीं वे मैरिट के आधार पर नहीं होती थी। उस वक्त न मैरिट का सवाल था और न क्वालिफिकेशन का कोई सवाल होता था। वे तो ऐसे ही काम करते रहते थे। पिछले 15-20 साल से स्टेट का ढांचा बिगड़ा हुआ था उसको सुधारने में वक्त तो लगना ही है। जैसे कोई नई बिल्डिंग बनानी हो तो वह बहुत जल्दी बन कर तैयार हो जाती है लेकिन यदि किसी पुरानी बिल्डिंग को या किसी खण्डहर को तोड़कर उसे बिल्डिंग का रूप देना हो तो उसमें नई बिल्डिंग बनाने में जो समय लगना होता है अपेक्षाकृत, उससे अधिक समय लगता है। यही हालत आज प्रदेश की है। 15-20 साल से जो इस प्रदेश की हालत बनी हुई है उसे ठीक करने में समय लगेगा। हमारे मुख्यमंत्री अपने प्रदेश की भलाई के लिए दिन-रात लगे रहते हैं क्योंकि उनको अपने प्रदेश से बहुत प्यार है। अध्यक्ष महोदय, जो बात हम कह रहे हैं, उसे कहने में मजा नहीं आ रहा है क्योंकि हमारे विरोधी पक्ष के भाई आज हमारे बीच में नहीं बैठे हैं। उनको यहां पर बैठना चाहिए था। वे अपना कीमती सुझाव सरकार को देते। उनका तो सिर्फ नोक-झोंक करने का काम रहता है। वे तो चाहते हैं कि आप उन्हें किसी तरह से यहां से निकाल दें, उनको सस्पैंड कर दें। जैसे काम न करने वाला अधिकारी यह चाहता है कि मुझे सस्पैंड कर दो ताकि मैं घर बैठे आधी पे लेता रहूं, ये भी इसी तरह चाहते हैं कि उन्हें स्टेट की, अपने जिले की या अपने हल्के की भलाई की बात न करनी पड़े तथा झगड़ा करें और उन्हें सदन से बाहर निकाल दिया जाये। वे तो कोई न कोई बहाना करके यहां से जाना चाहते हैं। वे प्रदेश के विकास की बात करना ही नहीं चाहते तथा न ही कोई तर्क की बात करना चाहते हैं। ऐसी हालत में हमारे मुख्यमंत्री पर बहुत अधिक बोझ है। वे सारी जनता का बोझ अपना समझते हैं। हमारे विरोधी भाई अपने हल्के की, जिले की कोई अच्छी बात कहें, बजाए इसके उनका सिर्फ एक ही उद्देश्य रहता है कि किस तरह से सदन की कार्यवाही में बाधा उत्पन्न करें ताकि सरकार का ध्यान विकास कार्यों की तरफ से हटकर उनकी तरफ लगा रहे। सरकार सारे हरियाणा के विकास की बात सोच रही है। हमारे मंत्रीगण व सदस्यगण चाहते हैं कि हरियाणा प्रदेश का अधिक से अधिक विकास हो और भला हो। हरियाणा को चौधरी बंसी लाल जी ने अपने हाथों से बनाया है और आगे बढ़ाया है। मैं बताना चाहूंगा कि चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में आने वाले दो सालों में हरियाणा में इतनी अधिक उन्नति हो जायेगी कि इन भाइयों को सरकार के विरुद्ध बोलने के लिए कोई शब्द नहीं मिल पायेगा। यहां पर बिजली-पानी की पूरी व्यवस्था हो जायेगी। पीने के पानी के लिए हमने अनेक नये वाटरवर्कस बनाए हैं और बना रहे हैं। हम हर खेत को पानी देंगे। पीने के पानी की व्यवस्था के लिए हमने 3-4 गावों के साथ एक चूल्टर लगा दिया है ताकि पानी की ठीक ढंग से सप्लाई हो सके। इसी प्रकार से स्टेट के अन्दर जो ग्रामीण व शहरी सड़कें टूटी हुई थीं, उनको रिपेयर किया गया है और जो सड़कें रह गई हैं उनकी मुरम्मत का काम भी जल्दी ही पूरा कर देंगे। हमारी सरकार स्टेट के अन्दर पीने के पानी की व्यवस्था को पूरा कर देगी और साथ ही सारी सड़कों की रिपेयर भी बहुत ही जल्दी

[श्री राम भजन अग्रवाल]

करने जा रही है। अब हमारे अपोजिशन के भाइयों के पास शोर मचाने के अलावा कोई मुद्दा ही नहीं है। आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मैं यह बताना चाहूंगा कि यह प्रान्त चौधरी बंसी लाल जी का अपना प्रान्त है। जैसे हिन्दुस्तान को सोने की चिड़िया कहा जाता था उसी तरह से इस देश के अन्दर इस स्टेट को सोने की चिड़िया कहा जाता है तथा यह स्टेट देश भर में जो आज दूसरे या तीसरे नम्बर पर है इसको वे पहले नम्बर की स्टेट बना देंगे। प्रत्येक व्यक्ति की आमदनी बढ़ा कर हमारी सरकार यह दिखा देगी कि हरियाणा एक छोटा-सा प्रान्त होते हुए भी देश का एक अग्रणी और उन्नत प्रान्त है। आदरणीय वित्त मन्त्री जी ने जो बजट पेश किया है उसमें जो रूपरेखा उन्होंने बताई है वह सराहनीय है। कोई भी वित्त मन्त्री बगैर टैक्स लगाए डिवैल्पमैंट की बात नहीं कर सकता लेकिन हमारे वित्त मन्त्री ने आदरणीय मुख्य मन्त्री जी के नेतृत्व में जनता पर बगैर कोई टैक्स का बोझ डाले एक शानदार डिवैल्पमैंट करने वाला बजट प्रस्तुत किया है। अध्यक्ष महोदय, आपने देखा है कि महामहिम आदरणीय राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में बताया है कि प्रदेश के अन्दर क्या-क्या होने जा रहा है और कौन-कौन सी स्कीमें शुरू की जा रही हैं ? कोई भी काम होता है तो वह पैसे से ही होता है। अध्यक्ष महोदय, पिछले दो सालों में शराबबन्दी की वजह से हमारी अर्थ-व्यवस्था चरमरा गई थी और हमारे पास फण्डज़ नहीं थे। फण्डज़ न होते हुए भी आदरणीय मुख्य मन्त्री जी ने चाहे कहीं से और कैसे भी पैसे को अरेंज किया, चाहे वर्ल्ड बैंक से लोन लिया और चाहे कहीं दूसरी तरफ से पैसे का इन्तजाम किया लेकिन डिवैल्पमैंट के काम शुरू किए। आज शराबबन्दी खत्म होने के बाद कुछ सांस आया है लेकिन इसके साथ ही साथ फिफ्थ पे-कमीशन को लागू करने से बहुत भारी बोझ हम पर आ गया है। अध्यक्ष महोदय, पैसे का अभाव होते हुए भी हमने फिफ्थ पे-कमीशन लागू कर कर्मचारियों की तनख्वाहें और भत्ते बढ़ाए हैं। अध्यक्ष महोदय, आज प्रान्त के किसी भी हिस्से में चले जाएं हर तरफ उन्नति और चहुंमुखी विकास हो रहा है। इस चहुंमुखी उन्नति को देखते हुए मैं समझता हूं कि आदरणीय मुख्य मन्त्री जी के नेतृत्व में यह प्रान्त देश का पहले नम्बर का प्रान्त होगा और लोगों को यह दिखाई देगा कि डिवैल्पमैंट किस तरह होती है और विकास कार्य किस प्रकार से होते हैं। अध्यक्ष महोदय, चारों तरफ रिश्वत का बोलबाला था, थाने बिकते थे और नौकरियां बिकती थीं लेकिन यह सरकार वह सब खत्म करके प्रान्त को हर क्षेत्र में आगे ले जा रही है।

श्री अध्यक्ष : मन्त्री जी, क्या आपकी कोई ऐसी योजना है, जिसके तहत गांवों में पर्यटन केन्द्र स्थापित किये जा रहे हैं ?

श्री राम भजन अग्रवाल : अध्यक्ष महोदय, हमारे प्रदेश के अन्दर अभी 44 पर्यटन केन्द्र हैं और कई नये पर्यटन केन्द्र हम राई, हांसी, सिवानी में खोलने जा रहे हैं। पेहवा में भी एक नया पर्यटन केन्द्र खोलने जा रहे हैं। जहां तक ग्रामीण क्षेत्रों की बात है तो हांसी में बहुत जल्दी ही पर्यटन केन्द्र चालू होने वाले है। इसके साथ ही साथ रोहतक में फास्ट फूड केन्द्र बनाया जा रहा है। इसके अन्दर छः बड़े कमरे बनाए गए हैं। अब जब आप उस ओर जाएंगे तो आपको सैनी साहब के गांव में रुकने की भी सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही हमने एक नयी स्कीम चालू की है। (विघ्न) स्पीकर सर, गांवों में भी कई तरह की स्कीमें हम चला रहे हैं। गांवों के अन्दर हम ज्वायंट वैंचर इण्ट्रोडयूस कर रहे हैं। हरियाणा के पास कोई ऐसा स्थान नहीं है, ऐसा कोई रीवर नहीं है, ऐसा कोई पहाड़ नहीं है परन्तु ये सब न होते हुए भी आज जब हम ऑल इण्डिया लैवल पर टूरिज़म की मीटिंगों में जाते हैं तो सभी लोग इस बात को सराहते हैं कि टूरिज़्म के क्षेत्र में हरियाणा सबसे आगे है। अध्यक्ष महोदय, हमने ज्वायंट वैंचर भी शुरू किया है और प्राईवेट सैक्टर में भी हम इस

को बढ़ावा देने जा रहे हैं। ज्वायंट वैंचर के लिए आप सभी लोगों से मेरा आग्रह है कि आप लोगों को बताइये कि ज्वायंट वैंचर में कोई पार्क बनाना हो या कोई होटल बनाना हो तो हम उसके लिए 33 साल तक जमीन फ्री देते हैं और उसके टर्न-ओवर का मामूली हिस्सा लेते हैं। मुरथल में ज्वायंट वैंचर के लिए आज भी मेरे पास एक-दो पार्टियां आई थीं। हमने इसके लिए एडवरटाईज किया है और नैशनल हाई-वे पर हम तीन गांवों को चुनेंगे। मैं यह भी कहना चाहूंगा कि वहां पर उन गांवों के लोगों को ही काम देंगे, उन्हीं को सर्विस देंगे और वे ही टूरिज्म कम्पलैक्सिज़ चलाएंगे। इन टूरिज्म कम्पलैक्सिज़ में ट्रेन्ड स्टॉफ होगा। अगर उन गांवों में 2-4 बच्चे होटल मैनेजमैंट का कोर्स किए होंगे तो वे ही वहां पर काम करेंगे। हम जल्दी ही गांवों के अन्दर फास्ट फूड सैंटर खोलकर गांवों के अन्दर टूरिज्म योजना को आगे ले जा रहे हैं। जहां तक खाने के सिस्टम की बात है, हमारा विभाग केवल तीन रुपए में चाय देता है और फाईव स्टार होटल में भी हाफ सैट चाय केवल आठ रुपए में दे रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि जितनी चीनी डालेंगे उतना ही मीठा होगा। हम तीन रुपए की चाय फास्ट फूड में देते हैं और दूसरी जगहों पर चाय 4-5 रुपए में दी जाती है। अगर कोई पटरी पर हजामत करवाएगा तो 25 पैसे में वह हजामत हो जाती है और अगर कोई सैलून में जाएगा तो दो रुपए लगते हैं। हम इतने सुसज्जित कम्पलैक्सिज़ में खाने की और दूसरी सुविधाएं भी देते हैं इसलिए वहां पर कुछ रेट अधिक हो जाते हैं। हम वहां पर 3 रुपए की चाय, 8-10 रुपए का कोल्ड ड्रिंक और 25-30 रुपए की खाने की थाली देते हैं। इस थाली में दो सब्जियां, दही और चपातियां वगैरह होती हैं। अध्यक्ष महोदय, आज टूरिज्म विभाग हरियाणा के अन्दर और देश के अन्दर अपना नाम रोशन कर रहा है जबकि हमारे पास साधन कम हैं। अध्यक्ष महोदय, जल्दी ही विदेश में एक कांफ्रेंस होने वाली है, हम वहां पर भी हरियाणा के टूरिज़्म विभाग का नाम रोशन करेंगे।

श्री अध्यक्ष : आप मुंढाल में भी टूरिज्म कम्पलैक्स बनवा दें।

श्री राम भजन अग्रवाल : अध्यक्ष महोदय, मैं मुख्यमंत्री जी से भी आग्रह करूंगा कि विलेजिज़ में भी टूरिज़्म को बढ़ावा दें और जैसा कि अध्यक्ष महोदय ने मुंढाल के बारे में सुझाव दिया है, वहां पर भी टूरिस्ट कम्पलैक्स बनवाया जाए। मुख्यमंत्री जी ने बताया था कि हम नैशनल हाई-वे को बढ़ावा दे रहे हैं। मैं मुख्यमंत्री जी से कहूंगा कि नारनौल से दादरी, भिवानी, जीन्द, कैथल होते हुए नैशनल हाई-वे पहले से ही परपोज्ड था। मुझे नहीं पता कि यह नैशनल हाई-वे में क्यों कन्वर्ट नहीं किया गया। मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि यह नैशनल हाई-वे जरूर बनाया जाए क्योंकि इससे दो फायदे होंगे। एक फायदा तो यह होगा कि भिवानी से चण्डीगढ़ की दूरी कम हो जाएगी। दूसरा फायदा यह होगा कि मुंढाल भी इस नैशनल हाई-वे के बीच में आ जाएगा। अध्यक्ष महोदय, अगर आप इसमें मेरी मदद करेंगे तथा अगर यह नैशनल हाई-वे बन जाएगा तो काफी फायदा हो जाएगा। अध्यक्ष महोदय, स्टेट के पास सीमित फंड्ज़ होते हैं और नैशनल हाई-वे पर भारत सरकार का पैसा लगता है। जब यह नैशनल हाई-वे बन जाएगा तो वहां की सड़कों की मुरम्मत भी हो जाएगी। अंत में, मैं आपका आभार प्रकट करता हूँ कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। धन्यवाद !

खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री (श्री गणेशी लाल) : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय वित्त मंत्री जी को हरियाणा की जनता की तरफ से साधुवाद, और बधाई देने के लिए उपस्थित हुआ हूँ कि उन्होंने एक कर-मुक्त बजट हरियाणा की जनता को देकर राहत प्रदान की है। मुझे लगता है कि इस बजट के अंदर जो बौनान्ज़ा है उसके माध्यम से जो नयी शताब्दी आने वाली है, उसमें हरियाणा प्रवेश करेगा। एक उल्लास भरा हरियाणा, एक समृद्धशाली हरियाणा और एक ऐसा हरियाणा जिसमें पर-कैपिटा-इन्कम पूरे हिन्दुस्तान

[श्री गणेशी लाल]

में सबसे ज्यादा होगी और चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में पूरे हिन्दुस्तान में हरियाणा नम्बर एक का प्रांत बनेगा। अध्यक्ष महोदय, मैं इस बजट के अंदर फिगर्ज के ऊपर नहीं जाऊंगा लेकिन प्रश्न उपस्थित होता है कि यह बजट किसके हाथों में है, कौन सी सरकार का है, और उसका नेता कैसा है ? स्वाभाविक रूप से अगर ऐसा नेता हो, जिसके पास एक मिशन हो, जिसके पास एक विज़न हो, जिसकी पूरी सरकार ट्रांसपेरेंट, करप्शन फ्री और आनेस्ट हो तो स्वाभाविक रूप से उस सरकार के बजट में अगर कम पैसा भी होता है तो उसकी आउटकम, उसका परिणाम बहुत अच्छा होता है। अध्यक्ष महोदय, जहां तक विपक्ष के माननीय सदस्यों का संबंध है, स्वाभाविक रूप से अब डैमोक्रेसी के अंदर यह लगने लगा है कि जैसे अखबारों को पढ़ा और ग्लेरिंग फैक्ट्स भी ऐसा ही बताते हैं कि हर दल यह कहने लगा है कि वह दोनों दल मिले हुए हैं। जैसे यहां पर तीन दल विशेष रूप से हैं और यहां पर हरियाणा विकास पार्टी और बी०जे०पी० की गठबंधन सरकार है तो हर दल दूसरे दलों के बारे में कहता है कि साहब ये दल मिले हुए हैं। सैंटर में भी कुल मिलाकर ऐसी ही पिक्चर है लेकिन प्रश्न उपस्थित होता है कि अगर ट्रांयगल के तीनों वरटैक्स एक दूसरे को खींच रहे हैं तो झगड़ा फिर कहां पर है ? फिर यह संशेशन और यह फयूरोर और इस प्रकार का डिसरप्शन और holding the House to ransom इस सबका अर्थ क्या है ? मुझे यह लगता है कि डैमोक्रेसी का अर्थ यह हो गया है कि किसी तरह उसके सिंहासन पर बैठने के लिए यह हुआ है। परमूटेशन और कम्बीनेशन इस प्रकार की यहां कहानी चलती रहती है। वास्तव में सिंहासन पर बैठने के लिए यह आवश्यक है तथा डैमोक्रेसी का भी यह तकाजा होना चाहिए जैसे कि वित्त मंत्री जी ने भी फरमाया है कि नीचे से नीचे की सीढ़ी पर खड़ा हुआ विकलांग व्यक्ति भी अगर कोई है तो उसमें उसका अधावक्र नजर आना चाहिए तभी कोई स्टेट या कोई राष्ट्र तरक्की की तरफ चलता है। ऐसा लगता है कि आज डैमोक्रेसी का अर्थ यह हो गया है कि naturally those who are losing the wickets under some pretext or the other, they will leave the pavilion and go out without accepting a healthy criticism. वे कोई स्वस्थ परिचर्चा, कोई रचनात्मक सुझाव न देते हुए पत्रकारिता जगत के माध्यम से अपनी ऐसी छवि बनाकर रखना चाहते हैं कि जैसे इस समय यह सरकार जो भी काम कर रही है, वह सारे हरियाणा की जनता के हितों के विपरीत है और केवल वे ही ऐसे हैं जो हरियाणा के हितों के लिए जमीन आसमान एक कर सकते हैं। ये लोग पहले सरकार में रहे थे, उस समय तो कुछ करते, कुछ करके दिखाते लेकिन इन्होंने कुछ नहीं किया। ये प्राईवेट टॉक्स में कहेंगे कि साहब, हम कुछ नहीं कर पाए तभी हमारी यह दुर्दशा है और इसलिए अगर कोई कुछ करना चाहता है तो वह न करे। इस तरह की इन्होंने डैमोक्रेसी बनायी हुई है। मुझे लगता है कि विपक्ष के जो माननीय सदस्य बाहर चले जाते हैं, अगर मैं उन सबका चित्र प्रस्तुत करूं जैसे श्री जगन नाथ जी और श्री राम बिलास जी, उनके प्रश्नों के उत्तर दे रहे थे लेकिन वे गणबार शब्द के ऊपर भी आपत्ति कर रहे थे जैसे splitting the healthy questions is always welcomed in democracy and that creates healthy democracy, of course, but splitting the hearsay वातावरण में तनाव उपस्थित कर इस प्रकार बनना कि मुझको लगता है कि डैमोक्रेसी का यह अर्थ नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मैं फिर उसी बात पर आता हूं। माननीय वित्त मंत्री जी ने जो बजट यहां पर प्रस्तुत किया है। Transparency of the decision at official level curbs corruption. That is what the Government has been doing. मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में यह सरकार जो है इसने जितनी पारदर्शिता से काम किया है, जितनी ईमानदारी से काम किया है, उतना पिछली सरकारों ने नहीं किया क्योंकि पिछली सरकारों ने अपने समय में जो भी नियुक्तियाँ की थीं, उनमें से बहुत

सारे लोग बाद में नौकरियों से हटाए गए। चाहे आप पुलिस का नाम ले लेवें, चाहे आप पटवारियों का नाम ले लेवें, चाहे आप ऐक्साइज इंसपैक्टर का नाम ले लेवें, चाहे आप एस०डी०एम० का नाम ले लेवें या चाहे आप बिजली बोर्ड के कर्मचारियों का नाम ले लेवें। ये सभी अपनी-अपनी नौकरियों से वापस आ गये। इनमें से मेरे भी कुछ विद्यार्थी थे जो पता नहीं कैसे-कैसे करके नौकरियों पर लगे थे। अगर अर्स्टव्हाइल गवनमैंट ईमानदार होती, ट्रांस्पेरेंट होती या अपने ओफिसर्ज को बाकायदा कोंफिडैन्स में रखकर काम करती और इसने जेबों में अप्लायंटमैन्ट्स लैटर रखकर, अप्वायंटमैन्ट्स न की होती तथा यदि उन्होंने सर्विसेज का कम्यूट्राइजेशन करके मैरिट के आधार पर, योग्यता के आधार पर नियुक्तियाँ की होतीं तो ऐसा नहीं होता। कई बार कहा जाता है कि गरीबी है जिसकी फ्रस्ट्रेशन की वजह से आजकल ये कल्ल और लॉ एंड आर्डर की समस्या हो रही है। लॉ एण्ड आर्डर की समस्या का खराब होना भी योग्यता के आधार पर, मैरिट के आधार पर, लोगों को नियुक्तियाँ न देना कहा जा सकता है। इसी कारण भी इंटेलेक्चुअल फ्रस्ट्रेट होता है। सर, आप पूरे हिन्दुस्तान का चित्र देखिए हर प्रांत के अंदर एक विशेष प्रकार का ऐसा इनटैलिजैंसिया, इंटेलेक्चुअल ग्रुप खड़ा होता है जो फ्रस्ट्रेट होकर इस प्रकार के डिजाईंज में भाग लेता है। अध्यक्ष महोदय, this Government is purely transparent, hundred per cent corruption-free and honest. अध्यक्ष महोदय, इसके साथ-साथ इस सरकार के पास एक मिशन है और एक विजन है। मैं माननीय विपक्ष के नेता श्री बीरेन्द्र सिंह जी का बहुत सम्मान करता हूं, वे पार्लियामैन्ट के मैम्बर भी रहे हैं, हम तो नये-नये हैं, उतना कुछ जानते भी नहीं हैं और इधर भी बहुत से ऐसे लोग हैं जो 4-4, 5-5 बार मंत्री रह चुके हैं और संसद में भी रहे होंगे, उन्होंने भी बोलते हुए कहा था कि हमारी सरकार कुछ नहीं कर रही है। हमने कहा कि your Government was laying the foundations and we are erecting an edifice out of it. आपने ये पत्थर लगाए लेकिन हमने उससे हथनीकुण्ड बैराज पैदा कर दिया। अभी बोलेंगे कि हथनीकुण्ड बैराज पैदा कर दिया तो कौन सा अहसान कर दिया। This was nothing else but a replacement of Tajewala works. अरे भई ताजेवाला हैड वर्क्स तो 124 साल पुराना है। यमुना में पानी आ जाए तो संभाल नहीं सकते, वाश ऑफ हो जाए और दुनियां मर जाए तो कौन जिम्मेदारी लेगा ? अगर 70 हजार क्यूसिक पानी यमुना कैनाल में आता है ताजेवाला का, निष्कासन से, 30 हजार क्यूसिक पानी जो जायेगा और 4 महीने में जो इरीगेशन होगी, उससे दुनियां भर को पानी जो मिलेगा, वह इनको समझ में नहीं आता। वे यह बात कह सकते थे कि आपने बहुत अच्छा काम किया साहब, हम नहीं कर पाए थे, आपने 219 करोड़ रुपया खर्च करके, हथनी कुण्ड बैराज का निर्माण करके, हरियाणा के शुष्क खेतों को और किसान की रिच करने का, जो पानी का प्रबन्ध किया है, आप इसके लिए प्रशंसा के पात्र हैं, लेकिन वे ऐसा नहीं बोलेंगे। बोलेंगे कि 1858 करोड़ रुपये का प्रौजैक्ट था और हर्ष जी से कहते हैं कि आपने इस्टैब्लिशमैंट पर 450 करोड़ रुपया खर्च कर दिया। हर्ष जी ने कहा कि भाई साहब, हमने तो पंजी भी खर्च नहीं की। अध्यक्ष महोदय, वे 450 करोड़ रुपया बोल रहे हैं कि इस्टैब्लिशमैंट पर खर्च कर दिया और हर्ष जी कह रहे हैं कि मैं चुनौती देता हूं यदि पांच पैसा भी खर्च किया हो तो या तो मैं रिजाइन कर दूंगा या आप रिजाइन कर देना। फिर ये सब्जैक्ट को बदल देते हैं, क्योंकि डेमोक्रेसी है न। मैं कहता हूं कि कंप्रीहैंसिव 1858 करोड़ रुपये का अध्ययन कर लीजिए और फिर देखिये कि 1858 करोड़ रुपया कैसे खर्च किया गया ? अपनी बात से जो एक छोटी सी बात चली चिड़ी की आँख पर तो चिड़ी की आँख को छोड़कर पूरे का पूरा दरख्त और उसमें बैठा हुआ चिड़ा, उसकी बात करना प्रारम्भ कर देते हैं। अध्यक्ष महोदय, बह है हथनीकुण्ड बैराज, इसके बारे में मैं विपक्ष के साथियों से पूछना चाहता हूं, जो इस समय उपस्थित नहीं है कि you put the scraf on the psyche of Haryana. आपने हरियाणा के अंदर

[श्री गणेशी लाल]

पानीपत की छठी यूनिट लगाने के लिए 78 करोड़ की मशीनरी को लाकर डस्टबिन में डाल दिया और अब पूछते हो कि यह सरकार क्या कर रही है ? हमने उस 78 करोड़ की मशीनरी को डस्टबिन से निकालकर उस पर 634 करोड़ रुपया लगाकर पानीपत का छठा थर्मल प्लांट बना रहे हैं और आज जो हम 634 करोड़ रुपया लगा रहे हैं उस समय यदि ये बनाते तो 238 करोड़ रुपये ही लगते। This Government under the benign leadership of Chaudhary Bansi Lal is a Government with a mission and a Government with a vision. इसलिए मैं कहता हूं कि अर्स्टवाइल गवर्नमैंट जो भी थी, उन्होंने जो स्कार्फ हरियाणा के ऊपर डाले थे या उन्होंने जो पत्थर रखने का काम किया था, उससे परे हटकर उन पत्थरों को सुंदर इमारत में बदलने का काम और हरियाणा की जनता पर जो धब्बे लगे थे उनको मिटाने का काम this Government is doing, because this Government is transparent, this Government is honest and corruption-free. This Government has a mission and this Government has a vision and that is what the Budget is speaking truly as far as these facts are concerned. हरियाणा के माननीय वित्त मंत्री महोदय ने पूरे हरियाणा का ऐसा कौन सा सैक्शन है जिसको कवर न किया हो। हरियाणा के मुख्यमंत्री चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में उन्होंने ऐसा बजट प्रस्तुत किया है जिससे वृद्ध, विधवा, बेसहारा, विकलांग इन सब का सम्मान बहाल हुआ है। पेंशन के लिए बजट में लगभग 120 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। हरियाणा सरकार ने वित्त मंत्री के माध्यम से हरियाणा की स्वतंत्रता सेनानी जिसने हरियाणा के लिए, पूरे देश के लिए अपने प्राणों को हथेली पर रखकर न्यौछावर किया और भारत की एकता, अखंडता और सार्वभौम सत्ता की जिसने रक्षा की है, उस स्वतंत्रता सेनानी की पेंशन 500 रुपये से बढ़ाकर 1400 रुपये प्लस 100 रुपये मैडीकल भत्ता दिया। चौकीदार को जो एक-एक घर से एक-एक रुपया वसूलता था और अपना जीवन निर्वाह करता था उसको 400 रुपये प्रति मास भत्ता दिया। इसके अलावा, जितना भी समाज का अनुसूचित वर्ग है, बिमुक्त वर्ग है उसके लिए बुनियाद भर की छात्रवृत्ति प्रदान की है। छात्रवृत्ति के बारे में 6 पम्फलैट्स के माध्यम से बहन कमला वर्मा जी भी बता रही थीं, जिसको मैं आज पढ़ना उचित नहीं समझता। हरियाणा के जो 27-28 परसैंट व्यक्ति हैं अगर उनके साथ बैकवर्ड क्लासिज़ के सब लोगों को जोड़ दूं तो सब लोगों को 100-150 और 250 रुपये प्रति मास पेंशन से लेकर छात्रवृत्ति के रूप में 4 हजार रुपये सालाना तक बच्चों की पढ़ाई की सुविधा के लिए व पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री के लिए माननीय वित्त मंत्री जी ने इस बजट के अंदर देने का प्रावधान किया है। इसके साथ-साथ हरियाणा के स्मालैस्ट सफाई कर्मचारी से लेकर हरियाणा के उच्चतम अधिकारी एफ०सी०आर० तक जो यहां पर बैठे हैं, सबको पांचवें वेतन आयोग से हरियाणा सरकार ने इंजैक्ट करके 1792 करोड़ रुपया उनका जी०पी०एफ० में डालकर उनको लाभान्वित किया है और इसके साथ ही अगर कहीं कोई एनॉमली रहती है अगर कहीं थोड़ी-बहुत गड़बड़ लगती है तो उसके लिए कमेटी बनाई है कोई भी आदमी आए, उसका स्वागत है और उस एनॉमली को भी दूर करने का प्रयास किया है। कई बार बात चलती है कि हरियाणा में रोजगार नहीं है बेरोजगारी बहुत ज्यादा है। हरियाणा के माननीय वित्त मंत्री जी ने जो बजट प्रस्तुत किया है उसमें बेरोजगारी को समाप्त करने के लिए ऐसा प्रावधान किया गया है। यह सच है। अध्यक्ष महोदय, पिछली बार के बजट के माध्यम से हरियाणा के अंदर 157 बड़े उद्योग और 11,617 छोटे-छोटे उद्योग लगाकर 76,600 लोगों को नौकरी प्रदान की गई है। इसी प्रकार इस बजट के माध्यम से मानेसर के अन्दर इंडस्ट्रियल मॉडल टॉऊन में 810 उद्योग लगाकर 30,000 लोगों को रोजगार दिया जायेगा। सलैक्शन की जो प्रक्रिया है वह चाहे राज्य कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम

से हो या हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन के माध्यम से हो, इस सरकार ने जो भी चयन किये हैं वह मैरिट के आधार पर किये हैं और स्कूल अध्यापकों, कॉलेज प्राध्यापकों, इंजीनियर्स आदि की दुनिया भर की लगभग 8-9 हजार रिक्तियों को इस सरकार ने भरा है। इसके अलावा बेरोजगार नवयुवकों को 5780 के करीब मैक्सी कैब के परमिट दिये जाने का प्रावधान किया गया है और 699 के लगभग रूट परमिट देंगे और 118 मार्गों पर बसें चलायेंगे। इससे भी काफी बेरोजगार युवकों को रोजगार मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ-साथ माननीय वित्त मंत्री जी ने जो बजट पढ़ा है उसमें उद्योग पर जितना निवेश किया उसके माध्यम से सर्विसेज में ज्यादा जनरेशन होगा और मुझे लगता है कि आने वाले समय में हरियाणा के अन्दर बेरोजगारी नाम की समस्या नहीं रहेगी। कई बार लोग कह देते हैं कि बेरोजगारी बहुत अधिक है एक स्थान कहीं खाली हो तो दुनियाभर से ऐप्लीकेशनज़ आ जाती हैं। यह सच है हर आदमी बैस्ट आल्टरनेटिव सोचता है वह चाहे पहले नौकरी में भी हो फिर भी इधर-उधर ऐप्लाई करता रहता है कि वहां पर अच्छी नौकरी होगी। इस प्रकार हरियाणा में जैसे-जैसे उद्योग लगने प्रारम्भ होंगे वैसे-वैसे सर्विसेज में जनरेशन होगा और वित्त मंत्री जी ने जो बजट में प्रावधान किया है उसके माध्यम से हरियाणा में बेरोजगारी की समस्या को दूर करने का प्रयास किया है और इससे हरियाणा की जनता खासकर नवयुवकों को काफी लाभ होगा। अध्यक्ष महोदय, हमारे माननीय विपक्ष के सदस्य चौधरी वीरेन्द्र सिंह ने अपने भाषण में बौद्धिक वर्ग से संबंधित प्रवचन किये कि हरियाणा की खुशहाली के लिये हरियाणा के किसान को पूरा सम्मान मिलना चाहिये और उसको पूरा-पूरा पानी मिलना चाहिए और पूरी बिजली मिलनी चाहिये। अध्यक्ष महोदय, इस बजट के अन्दर माननीय वित्त मंत्री जी ने बिजली पानी के लिए काफी पैसे की व्यवस्था की है और वैसे हम सभी जानते हैं कि यह सरकार 2 साल 8 महीने पहले जब सत्ता में आई थी उस समय माननीय मुख्यमंत्री जी ने यह कहा था कि मेरी सरकार के अन्दर किसानों की पगड़ी पर कोई आंच नहीं आने दी जायेगी और उनका मस्तक नीचे नहीं झुकने दूंगा। इस सरकार ने आज तक कर्जे के लिए किसी किसान को अण्डर सैक्शन 67 के तहत गिरफ्तार नहीं किया है और हरियाणा के किसानों के पूरे सम्मान की गारन्टी दी है। महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण की चर्चा का जवाब देते समय उन्होंने किसानों को 24 घण्टे बिजली देने की बात अपने वक्तव्य में कही है जिसकी डिटेल उन्होंने अपने वक्तव्य के दौरान आधे-पौने घण्टे तक पढ़कर बताई है कि हम हरियाणा के अन्दर इतनी बिजली पैदा कर देंगे कि हमारे लिये यह समस्या होने वाली है कि हरियाणा की सरप्लस बिजली को किसको बेचें ? दुनिया भर के प्रोजैक्ट आज चौधरी बंसीलाल जी के नेतृत्व वाली सरकार ने हरियाणा को दिये हैं। 30 जून, 1999 के बाद हरियाणा में 24 घण्टे बिजली देने के लिए हमने ट्रेलर के तौर पर तीन दिन तक इस प्रदेश को 24 घण्टे बिजली दी थी और उसमें यह पता लगा कि हमें इतने लाख यूनिट बिजली को लेना पड़ा था और इतनी लाख यूनिट पंजाब और हिमाचल प्रदेश से लेकर तथा अपने प्लांट से अरेंज करके हम पूरी कर देंगे। माननीय मुख्यमंत्री जी ने जिस दिन हरियाणा के मुख्यमंत्री के पद की शपथ ली थी तो लोगों को 24 घण्टे बिजली देने का जो संकल्प और प्रतिज्ञा की थी उसको मुख्यमंत्री जी अब पूरा करने जा रहे हैं। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी कभी हाईड्रो इलैक्ट्रिक प्रोजैक्ट का तो कभी यमुना का पानी रोकने की बात कहते हैं और कहते हैं कि तभी हरियाणा के किसानों को पूरा पानी मिलेगा। वे इन बातों को अपने हर वक्तव्य में कहते हैं। मैं हर सैशन में उनके भाषण को सुनता हूँ और उससे सम्मोहित हो जाता हूँ। आज हरियाणा के मुख्यमंत्री जी को सच मालूम है कि किसानों को कैसे पानी मिल सकता है। लेकिन कुछ राजनीतिक कंप्लशंज़ होती हैं और दूसरे प्रान्तों के साथ अनेक प्रकार के समझौते होते हैं, राष्ट्रीय दल जिसकी भी सरकार होती है उनके बीच कुछ न कुछ होता है इस कारण से शायद हर बार सब चीजें अमल में लाना थोड़ा मुश्किल होता है। लेकिन इसका मतलब यह तो नहीं कि वे उनके

[श्री गणेशी लाल]

कांस्ट्रक्टिव सुझावों के लिए विपक्ष के सहारे बैठे रहें। हरियाणा सरकार ने बिजली के अनेक ऐसे प्रोजैक्टस तुरन्त प्रारम्भ करने की बात कही है इसके लिए हमें पैसा कहीं से भी मिले, हम इन्हें पूरा करेंगे। इस सरकार को तो हैंडीकैप्ड, क्रिपल्ड और बैंक्रप्ट हरियाणा मिला था। उस हरियाणा के लिए हमने विश्व बैंक से 2400 करोड़ रुपये का ऋण मंजूर करवाया है तथा जर्मनी की ए०बी०बी० कम्पनी से समझौता करके हम हरियाणा की जनता को 24 घंटे बिजली देने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने जा रहे हैं। उस संकल्प को जो हम ने हरियाणा की जनता के सामने किया था, हम 30 जून, 1999 से पहले-पहले पूरा कर लेंगे। इसके साथ-साथ, अध्यक्ष महोदय, यहां पर अनेक बातें चलीं। मैं बताना चाहता हूं कि हरियाणा के किसानों की जमीन में जो पानी भरा हुआ है, उसके लिए भी हम काम करने वाले हैं। **(इस समय सभापतियों की सूची में से माननीय सदस्य श्री नृपेन्द्र सिंह पदासीन हुए)** हमारे माननीय वित्तमंत्री महोदय ने अपने बजट भाषण में साफ-साफ शब्दों में कहा है कि किसानों को मिल रही सबसिडी चाहे वह पेस्टीसाईड्स पर हो या किसी और वस्तु पर हो, वह यथावत चालू रहेगी। सभापति महोदय, किसानों को दिए जा रहे ऋणों पर ब्याज की दर 16 प्रतिशत से घटाकर 14 प्रतिशत कर दी गई है तथा उन्हें गन्ने का भाव 95/- रुपये प्रति क्विंटल दिया गया है। विपक्ष के भाइयों का यह कहना कि किसानों को डी०ए०पी० खाद नहीं मिला है, ठीक नहीं है। हां, इसकी सप्लाई में कहीं-कहीं थोड़ी-बहुत देरी जरूर हुई है, लेकिन यह बात बिल्कुल असत्य है कि किसानों को डी०ए०पी० खाद मिली ही नहीं है। मैं सदन को बताना चाहता हूं कि हम ने 1.98 लाख टन यूरिया की मांग के विरुद्ध 2.12 लाख टन यूरिया प्रस्तुत किया अर्थात् खपत से भी ज्यादा यूरिया हम ने प्रस्तुत किया। हमने किसानों की हर आवश्यकता को पूर्ण किया क्योंकि ये हरियाणा की एनर्जी सिक्योरिटी हैं, राष्ट्र की एनर्जी सिक्योरिटी हैं, उस एनर्जी को जनरेट करने के लिए हम ने आफिसर्ज़ के माध्यम से पूरी शक्ति का प्रयोग किया है। सभापति महोदय, हथनीकुण्ड बैराज का भी यहां पर जिक्र हुआ। मैं बताना चाहता हूं कि पिछले दिनों मैं पटौदी में नारायण सिंह जी के साथ था, वहां पर मुख्य मंत्री जी भी "रिवाड़ी लिफ्ट योजना" का उद्घाटन करने के लिए गए थे, जिसके तहत नाबार्ड से लगभग 40 करोड़ रुपये लेकर 78,900 एकड़ भूमि को सिंचित करने का प्रबंध किया गया है। इसके साथ-साथ भारत सरकार से 200 करोड़ रुपये लेकर मेवात को विकसित करने का काम भी इस सरकार ने किया है। हरियाणा का जो बिल्कुल शुष्कतम हिस्सा होता था तथा जहां पर कभी खुशहाली और हरियाली नहीं होती थी, उस क्षेत्र में भी एक नई चेतना, नया जीवन, नया चेतन्य और उल्लास भरने के लिए माननीय वित्त मंत्री जी ने अपने बजट में प्रावधान करके दिखाया है। यह बजट हरियाणा को सुंदरतम, सौम्य व खुशहाल बनाने के हमारे संकल्प के दृष्टिगत प्रस्तुत किया गया है। मैं समझता हूँ कि हरियाणा में जो इस प्रकार के विकास कार्य चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में हो रहे हैं, उनके लिए चौधरी बंसी लाल जी साधुवाद व प्रशंसा के पात्र हैं। सभापति, महोदय, इसके साथ ही साथ सदन में यह बात भी चली कि हरियाणा प्रदेश के अंदर कानून एवं व्यवस्था की स्थिति गंभीर है, खतरनाक है व अच्छी नहीं है। मैं मानता हूं कि प्रदेश के अंदर कानून एवं व्यवस्था की स्थिति ठीक नहीं है। लेकिन कानून एवं व्यवस्था की स्थिति के संबंध में अगर हम टाटा इंस्टीच्यूट ऑफ सोशल साईंसिज का सर्वे देखें, नैशनल क्राइम रिकार्ड्स ब्यूरो का सर्वे देखें, दिल्ली, बम्बई व चेन्नई के पुलिस आयुक्तों की रिपोर्ट्स देखें तथा दुनिया के अंदर जितने भी क्राईम क्षेत्र के मनोवैज्ञानिक व दार्शनिक हैं, चाहे वह पाईने हैं, केलहेकर हैं, या हैमलवेट हैं, जिन्होंने लेटैस्ट विज्ञान के हिसाब से बताया है कि It is run and chase. कुछ लोग कत्ल कर देते हैं और सभी कहते हैं कि मैं हत्यारे को पकड़ूंगा, मेरी सरकार उसको पकड़ लेगी लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं होता है। उदाहरण के तौर पर गाजियाबाद का

एक "बेबी किलर" था तथा पिछली सरकार ने उसके स्थान पर एक नकली आदमी ला कर के खड़ा कर दिया जिस प्रकार से 'प्रतिबंध' फिल्म में दिखाया गया है कि एक बूढ़े व्यक्ति जिसको रोटी नहीं मिली थी, उसको जेल के अंदर डाल दिया गया था कि इस व्यक्ति ने ही कत्ल किया है। सभापति महोदय, मैं बताना चाहूंगा कि असली आदमी को हमारी सरकार के गृह मंत्री महोदय ने पकड़ा है, जिसके लिए वे साधुवाद के पात्र हैं। लेकिन क्राईम की थ्यूरी यह है कि – "It is universally proportional to the resistance." आपके पास कितने ही साधन क्यों न हों, तथा कैसे ही पर्यावरण में पले हों, यह बात नहीं है। अभी नंदा और कपूर दोनों व्यक्तियों ने मिलकर 60 लाख रुपये की गाड़ी चुराई, वे बी०एम०डब्ल्यू० व 5 पुलिस वालों को मारकर चले गए तथा सैक्शन 304 के अंदर गिरफ्तार होने के बाद अब दिल्ली की तिहाड़ जेल में बैठे हैं। इसलिए सभापति महोदय, क्राईम की थ्यूरी जो है, it is universally proportional to the resistance. मैं बताना चाहता हूं कि आज टैलीविज़न व वीडियो की दुनिया ने 'एस्केपिस्ट' ही बनाए हैं। वास्तव में इस माहौल में आज सभी पढ़ाई से व जीवन की वास्तविकता से भागने की इच्छा करते हैं व जिंदगी की वास्तविकता को जानने की शीघ्रता के कारण वे दुनिया भर के क्राइम करते हैं। आज ऊपर से लेकर नीचे तक कोई भी दल हो, जिस प्रकार से वह आचरण करता है, उसके अनुसार वह किस कैटेगरी में आयेगा, उसके ऊपर विचार करना जरूरी है। दुनिया की एजैंसी सी०आई०ए० जिसका बजट साढ़े चार करोड़ रुपये से बढ़ाकर अब दो हजार करोड़ रुपये कर दिया गया है क्योंकि भारत के अंदर, हरियाणा के 18.00 बजे अंदर खलबली मचाने का उनका प्रयत्न चल रहा है, अगर इन सारी बातों पर हम विचार करें तो जितना मर्जी मैं प्रयास करूं जब तक इस देश के अंदर देशभक्ति, राष्ट्रीय चरित्र, समर्पण, बलिदान इत्यादि इन सबको लोग राजनीति और राजसत्ता के तराजू में तोलेंगे, तब तक ये मर्डर्ज, ये डकैतियां कम नहीं होंगी। सभापति महोदय, अगर हम हिन्दुस्तान के क्राईम के आंकड़े लें तो पता चलता है कि 16 साल से 30 साल की उम्र के लोगों ने 60 प्रतिशत से ज्यादा अपराध किये हैं और ये सभी पहली बार अपराध करने वाले हैं। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि जिस प्रकार की अपराध की थ्यूरी है, जिस प्रकार के अपराध बढ़ रहे हैं उसके लिए होम मिनिस्टर, मुख्य मंत्री या कोई मिनिस्टर इत्यादि जिम्मेवार हैं, ऐसा कोई कारण नहीं है। सभापति महोदय, अगर हम पूरे विश्व के आंकड़ें लें तो पता चलता है कि रूस में अपराध में 53 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जापान में 26 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, अमेरिका में 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जर्मनी में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है और हिंदुस्तान में 22 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इस तरह से ये क्रिमिनोलॉजी के आंकड़े हैं, सभापति महोदय, मैं कुछ बहुत ज्यादा न कहते हुए यह कहना चाहूंगा कि "Beauty lies in the eyes of the beholder in Democracy." प्रजातंत्र के अंदर देखने वालों की आंखों में सुंदरता होनी चाहिए। सभापति जी, चौधरी बंसी लाल जी हमारे नेता हैं, हरियाणा के निर्माता हैं और हरियाणा के विकास पुरुष के नाम से पहचाने जाते हैं। सभापति महोदय, मैं ज्यादा कुछ न कहते हुए माननीय वित्त मंत्री महोदय को एक कर रहित बजट पेश करने पर बधाई देता हूं और विपक्ष के सम्माननीय सदस्यों को एक पम्फलैट के माध्यम से संदेश देते हुए कहना चाहता हूं कि "माना कि हम तुम्हारी दीद के काबिल नहीं, पर हमारा शौक देख और इंतजार कर"। इन्हीं शब्दों के साथ ही मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्रम एवं रोजगार मंत्री (श्री रमेश चंद्र कौशिक) : सभापति महोदय, मैं सबसे पहले वित्त मंत्री महोदय को चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में कर रहित बजट पेश करने के लिए बधाई देता हूं। सभापति महोदय, मेरे विपक्ष के भाई सोचते थे कि इस साल के बजट में हजारों करोड़ रुपये के टैक्स लगेंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ और वे इसीलिए इस हाऊस को छोड़कर चले गये। क्योंकि जो कुछ वे सोचा करते थे

[श्री रमेश चंद्र कौशिक]

बिल्कुल उसके उलट हो गया और वे ऐसी स्थिति को देख नहीं सकते थे। सभापति महोदय, चौधरी बंसी लाल जी की सरकार बिजली के क्षेत्र में भी बड़ा सराहनीय काम कर रही है। मेरे विपक्ष के भाइयों ने देखा कि हमारी सरकार ने हरियाणा की जनता को 24 घंटे बिजली देने का जो वायदा किया था, वह भी इस साल जून तक पूरा करने वाली है। मेरे कहने का मतलब यह है कि मेरे विपक्ष के भाइयों ने देखा कि बजट में जो नये टैक्स लगने थे वे भी नहीं लगे और बिजली का काम भी चौधरी बंसी लाल जी की सरकार पूरा करने वाली है इसीलिये मेरे विपक्ष के भाई यहां से उठकर चले गये, क्योंकि अगर वे यहां बैठे होते तो उनको ये बातें सुननी पड़ती। सभापति महोदय, उनको यह भी सुनना पड़ता कि पानीपत का छठा यूनिट किसने लगवाया, फरीदाबाद का थर्मल प्लांट कौन बनवा रहा है और ऑयल रिफाइनरी, जिससे हरियाणा प्रदेश को 330 मैगावाट बिजली मिलने लगेगी, वह कौन बनवा रहा है। सभापति महोदय, चौधरी बंसी लाल जी की सरकार इस साल के आखिर तक हरियाणा प्रदेश की जनता को लगभग 1200 मैगावाट बिजली दे देगी जिससे किसानों को बहुत ज्यादा राहत मिलेगी। यह बात मेरे विपक्ष के भाई सुन और देख नहीं सकते थे। यह भी एक कारण है कि वे इस हाऊस से बगैर किसी बात के वाक-आऊट कर गये। सभापति महोदय, जब से हरियाणा प्रदेश में हरियाणा विकास पार्टी और भारतीय जनता पार्टी की मिली-जुली सरकार बनी थी तब से लोगों की नजर विकास की ओर लगी हुई है तथा चारों ओर हरियाणा प्रदेश में विकास कार्य हो रहे हैं। सभापति महोदय, जब हरियाणा प्रदेश में 24 घंटे बिजली मिलने लगेगी, तब हरियाणा प्रदेश भारत का पहला ऐसा राज्य बन जायेगा जहां पर लोगों को 24 घंटे बिजली मिलती हो। इसके अतिरिक्त, मेरे विपक्ष के भाई यह प्रचार कर रहे थे कि चौधरी बंसी लाल जी की सरकार बिजली को प्राइवेट कंपनी के हाथों में दे रही है उनको जब हमारे मुख्य मंत्री महोदय ने बताया कि हम बिजली का प्राईवेटाइजेशन नहीं कर रहे हैं बल्कि बिजली में सुधार कर रहे हैं तो उनकी यह बात भी झूठी साबित हो रही थी और उनको सुननी पड़ती इसलिए मेरे विपक्ष के भाई इस सदन को ही छोड़ कर चले गये। सभापति महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूं कि सोनीपत जिले में 220 के०वी० का कोई भी सब-स्टेशन बिजली का नहीं था लेकिन अब हमारी सरकार 220 के०वी० का सब-स्टेशन सोनीपत में लगाने जा रही है जिससे किसानों की बिजली की प्रौब्लम भी दूर हो जायेगी, इस सब-स्टेशन पर लगभग 33 करोड़ रुपये का खर्च आयेगा और इस साल जून तक यह सब-स्टेशन पूरा हो जायेगा। इस सब-स्टेशन के पूरे हो जाने पर सोनीपत जिले की बिजली की समस्या दूर हो जायेगी। सभापति महोदय, 1995-96 में आपने भी देखा था कि किस तरह से हरियाणा प्रदेश के अंदर भयानक बाढ़ आई थी। लेकिन जब से हमारी सरकार हरियाणा प्रदेश के अंदर आई है तब से हमने हरियाणा प्रदेश की हर नहर और ड्रेनेज आदि की खुदवाई का काम करवाया है, जो पेड़ बीस साल से ड्रेनेज के अंदर खड़े थे उनको खुदवाया है। यही कारण है कि पिछले साल पहले से ज्यादा बरसात होने के बावजूद भी हरियाणा प्रदेश में बाढ़ नहीं आई और इससे किसानों को काफी फायदा हुआ है। इसलिये आज चारों तरफ हरियाणा प्रदेश के अंदर विकास के कार्य हो रहे हैं और हमारे विपक्ष के भाई हमारे इन कामों की वजह से जनता के सामने जाने लायक नहीं रहे। क्योंकि अब वे जनता को कोई भी झूठा वायदा नहीं कर सकते। सभापति महोदय, इसके अतिरिक्त मैं आपको और इस हाऊस को हथनीकुण्ड बैराज के बारे में कुछ बताना चाहूंगा। इस बारे में मेरे कांग्रेस के भाई कह रहे थे कि इस बैराज का कार्य उन्होंने शुरू करवाया था। सभापति महोदय, जब चौधरी बंसी लाल जी ने हथनीकुण्ड बैराज पर जाकर देखा तो वहां पर उद्घाटन का एक टूटा हुआ पत्थर लगा हुआ था। मेरे कांग्रेस के भाइयों ने सिर्फ इस बैराज का उद्घाटन करके छोड़ दिया। लेकिन हमारी सरकार ने उस पर आगे काम शुरू करवाया है और इस साल जून महीने

तक हथनीकुण्ड बैराज बनकर तैयार हो जायेगा। सभापति महोदय, मेरे विपक्ष के भाई जहां तक किसानों के हित की बात करते हैं उस बारे में मैं आपको बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार किसानों को 50 पैसे पर यूनिट के हिसाब से बिजली दे रही है और इस मद में सरकार हर साल लगभग 700 करोड़ रुपये की सबसिडी दे रही है। हमारे विपक्ष के साथी ये कहते रहते थे कि सरकार बिजली के रेट 5 रुपये यूनिट या 6 रुपये यूनिट कर देगी लेकिन इस सरकार ने कोई रेट नहीं बढ़ाये हैं और अब उनको यह अहसास हो रहा है कि चौधरी बंसी लाल जी जो कहते हैं, वही करते हैं। सभापति महोदय, कृषि के क्षेत्र में भी हरियाणा उन्नति की ओर अग्रसर हो रहा है और आज हमारी सरकार बधाई की पात्र है जिसने गन्ने का सबसे अच्छा रेट दिया गया है और यह 95 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से दिया गया है जो कि पूरे देश में सबसे ज्यादा है। सभापति महोदय, सड़कों के निर्माण की बात आती है तो हरियाणा प्रदेश की जनता चौधरी बंसी लाल जी की ओर ही देखती है जो कि हरियाणा के निर्माता हैं और यही सरकार सड़कों का निर्माण कार्य पूरा कर सकती है। सड़कों के निर्माण के लिये बजट में पूरा प्रावधान है और लगभग 165 करोड़ रुपये रखे गये हैं जिससे सड़कों का निर्माण कार्य पूरा हो जायेगा। इसके अलावा हरियाणा प्रदेश में चारों ओर स्कूल के कमरों, आंगनवाड़ी सैन्टरों, अस्पतालों आदि के विकास कार्य बड़ी तेजी से चल रहे हैं। हमारे विपक्ष के साथियों को यहां बैठकर यह सब सुनना मुश्किल हो रहा था कि यह सरकार सब काम इतनी तेजी से कैसे करती जा रही है इसीलिये वे बहाना बनाकर उठकर चले गये। सभापति महोदय, चौधरी बंसी लाल सरकार अपने वायदे के मुताबिक हर महीने की सात तारीख को बुढ़ापा पैंशन दे रही है उसका भी बजट में पूरा प्रावधान है। चौधरी बंसी लाल जी ने चुनावों से पहले कहा था कि हम पंचायतों में जो चौकीदार होते हैं उन्हें 500 रुपये प्रति माह देंगे और अब वायदे के मुताबिक 500 रुपये प्रति माह उन्हें दिये जा रहे हैं। सभापति महोदय, वर्तमान सरकार ने कर्मचारियों को पांचवा वेतन आयोग भी दिया है और 550 करोड़ रुपये सरकार पर अतिरिक्त बोझ पड़ा है और कर्मचारियों की न केवल पांचवे वेतन आयोग की मांग पूरी की है बल्कि चौथा वेतन आयोग भी चौधरी बंसी लाल जी ने दिया था और अब कर्मचारियों की समझ में आ जायेगा कि विपक्ष के जो लोग हैं वे हमेशा बहकाते हैं और झूठ-मूठ बोलकर केवल जात-पात की राजनीति करना चाहते हैं। सभापति महोदय, हरियाणा में आज उद्योगों में श्रमिक शान्ति है जबकि चौटाला सरकार में कितने ही उद्योग उठकर जाने लगे थे। उस समय एटलस वालों ने हमारे यहां एक और फैक्टरी लगानी थी जो एटलस ने नोएडा में लगाई। आज पूरे हरियाणा में कोई भी श्रम आंदोलन नहीं है। यहां की जनता को पता है कि दिल्ली को छोड़कर पूरे देश में सबसे ज्यादा बेज़िज हरियाणा में दिये जा रहे हैं और हमारे मुख्य मंत्री जी ने कहा है कि दिल्ली के बराबर हरियाणा में मिनिमम बेज़िज देंगे। मुझे यह घोषणा करते हुये खुशी हो रही है कि आज हरियाणा प्रदेश में सभी उद्योगों में श्रमिक शान्ति है और यहां नये-नये कारखाने लगने जा रहे हैं। हरियाणा प्रदेश तेजी से उद्योगों की प्रगति की ओर बढ़ रहा है और उद्योगों के लिए मानेसर तथा कुण्डली के पास 500-500 एकड़ जमीन भी एक्वायर कर ली गई है और उद्योगों के विकास से ही हरियाणा का सही विकास संभव है और हमारे मुख्य मंत्री जी इस ओर विशेष ध्यान दे रहे हैं कि हरियाणा में ज्यादा से ज्यादा उद्योग पनपें। सभापति जी, विपक्ष के भाई कहते हैं कि वर्तमान सरकार ने हरियाणा में कोई नौकरियां नहीं दी। मैं आपके माध्यम से हाऊस में यह बताना चाहूंगा कि जब से हमारी सरकार बनी है तब से लगभग 40,000 नवयुवकों को सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में नौकरियां मिली है और ये सारी नौकरियां केवल रोजगार कार्यालयों के माध्यम से दी गई हैं। अन्त में, मैं अपने वित्त मंत्री जी एवं चौधरी बंसी लाल जी को बधाई देना चाहता हूं कि उनके द्वारा कर रहित बजट पेश किया गया है और हरियाणा अब उस विकास की गति से आगे बढ़ रहा है जिस स्थिति में चौधरी बंसी लाल जी छोड़कर गये

[श्री रमेश चंद्र कौशिक]

थे और अब ज्यादा से ज्यादा विकास के काम हो रहे हैं। इसके अलावा आखिर में, मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि बहुत दिनों से श्रमिकों की मांग चली आ रही थी कि ई०एस०आई०सी० जो कि स्वास्थ्य विभाग में है, वह लेबर डिपार्टमैंट के पास होनी चाहिये। उनकी यह मांग भी पूरी कर दी गई है और इससे श्रमिकों को दवाइयां वगैरह आसानी से मिलेंगी एवं उन्हें इसका पूरा लाभ पहुंचेगा। सभापति महोदय, एक बार फिर मैं मुख्य मंत्री जी को बधाई देता हूं कि उन्होंने हरियाणा प्रदेश की जनता के लिये कर रहित बजट पेश किया।

वास्तुकला राज्य मंत्री (श्री राज कुमार सैनी) : सभापति महोदय, मुझे आपने बजट परिचर्चा में भाग लेने का मौका दिया उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। वैसे तो मेरे से पूर्व भाई गणेशी लाल जी ने हर एक सैक्टर में बजट परिचर्चा का इतना व्याख्यान कर दिया कि हमारे लिए बोलने का कोई ज्यादा औचित्य नहीं बनता। लेकिन फिर भी यह बजट पूरे भारतवर्ष के सभी प्रदेशों में अपनी मिसाल कायम करेगा जिसके लिए हम अपने वित्त मंत्री जी को बधाई देते हैं और मुख्य मंत्री जी को बजट के बारे में दी गई सलाह और उनके नियमों का पालन करने के लिए उनका शुक्रिया अदा करते हैं, धन्यवाद करते हैं। सभापति महोदय, इस बजट के अन्दर हर सैक्टर में चहुंमुखी विकास करने का विशेष ध्यान दिया गया है क्योंकि बजट के अन्दर कोई भी नया कर नहीं लगाया गया है। सभापति महोदय, इस प्रकार से इस बजट के अन्दर दूरदर्शिता झलकती है कि बिना पैसे किसी भी घर का, किसी भी प्रदेश का और किसी भी देश का किस प्रकार से अच्छी तरह से श्रृंगार किया जाए और कम से कम पैसा खर्च करके दूरदर्शिता और पारदर्शिता उसके बीच में रख करके भी किसी काम को सिरे लगाया जाये लेकिन प्रदेश का विकास किया जाये। इस बजट का यह एक सही उदाहरण है मैं यह कहूंगा कि शिक्षा के बारे में हमारे विपक्ष के भाई यहां पर कह रहे थे कि आज स्कूलों में बच्चों का बस्ता बहुत भारी हो गया है और स्कूलों में मास्टर नहीं हैं। स्कूलों के अन्दर यह कमी है, वह कमी है। सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से यह बात बताना चाहूंगा कि पूरे प्रदेश के अन्दर पिछले साल भी 375 स्कूल अपग्रेड किए गए थे और इस साल 414 स्कूल अपग्रेड करने का सरकार का प्रावधान है, जिसके लिए प्रदेश का कितना भारी बजट खर्च होगा ? किसी भी प्रकार के टैक्स का बोझ जनता पर न डाल करके यह बजट पेश किया गया है, यह कोई छोटी बात नहीं है। सभापति महोदय, मेरे क्षेत्र में एक कालेज पिछले 20 वर्षों से चल रहा है, उसके अन्दर इस साल मैडीकल की क्लासिज़ स्टार्ट की गई हैं और एम०ए० की क्लासिज़ स्टार्ट की गई हैं और नए जे०बी०टी० सैंटर खोले गए हैं। पिछले साल मेरे क्षेत्र में 7 स्कूल अपग्रेड किए गए थे और इस साल भी 8 या 10 स्कूल अपग्रेड किए जाएंगे। बिना बजट के ये काम कैसे सम्भव हो सकते हैं। हम इसके लिए आदरणीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करेंगे कि उन्होंने पता नहीं कौन सा सिस्टम अपना रखा है जिससे जनता पर कोई बोझ भी न पड़े विकास के कार्य भी ज्यादा से ज्यादा हों, इसके लिए हम उनका विशेष धन्यवाद करते हैं। सभापति महोदय, मैं कहूंगा कि इस प्रदेश के अन्दर चौधरी बंसी लाल जी एक ऐसे नेता हैं जिनकी कोई मिसाल नहीं है क्योंकि वह तो इस प्रदेश के विश्वकर्मा हैं और उनको केवल प्रदेश का विश्वकर्मा न कह करके यदि पूरे देश का विश्वकर्मा कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। जिस भी ओहदे पर ये रहे हैं, उस पर इन्होंने एक पारदर्शिता और कुशलता की मिसाल छोड़ी है, उदाहरण छोड़े हैं। इस प्रदेश के अन्दर आज से 25 वर्ष पहले इन्होंने सड़कों का, पीने के पानी का और बिजली का जाल बिछाया था। ये 20 वर्ष के अन्दर इस बगिया को, इस चमन को, उजड़े हुए देख कर आंसू बहाते रहे लेकिन जनता के बीच में इनको विश्वास नहीं मिला। सभापति महोदय, 1996 में इस प्रदेश के अन्दर चौधरी बंसी लाल जी ने कार्यभार सम्भाला।

इस प्रदेश का कार्यभार सम्भालते ही प्रदेश का जो ढांचा टूटा फूटा पड़ा था और प्रदेश का जो खजाना खाली पड़ा था उस खाली खजाने को भरने का और खाली खजाने के माध्यम से ही जैसे तैसे छोटी-मोटी योजनाओं को चलाने का कार्यक्रम शुरू किया। जहां पर पिछले 20 वर्षों के अन्दर ऐसी स्थिति आ गई कि कोई भी व्यक्ति प्रदेश के अन्दर अपने गुलछर्रे उड़ाने की नीयत तो रखता था लेकिन उसको प्रदेश के श्रृंगार के प्रति कोई चिन्ता नहीं थी। न कोई मनन करता, न कोई नीति बनाता न कोई उसकी योजना होती और न कोई विकास होता था। जैसे पिछले दिनों मुख्य मंत्री जी ने अपने वायदे के मुताबिक शराब बंद की थी तो एक किसान का शराबी छोरा शराब बंदी लागू होते ही बेकार हो गया। वह लोगों को कहने लगा कि मैंने इलैक्शन लड़ना है तुम मुझे वोट देना। वह गांव के बुजुर्गों को कहने लगा कि मुझे वोट अवश्य देना। बुजुर्ग कहने लगा कि तू इलैक्शन जीत कर क्या करेगा। वह कहने लगा कि जो तू कहेगा, वहीं करूंगा और शराब जो बंद की हुई है उसे खोल दूंगा। लोग उससे पूछने लगे कि तेरी नीतियां क्या होंगी उसने फिर वही कहा कि जो-जो तुम कहोगे वहीं करुंगा। बुजुर्ग सोचने लगा कि इसने कहां का इलैक्शन लड़ना है। फिर भी वह उससे कहने लगा कि यदि तू चुनाव जीत गया तो हमारे गांव में शमशान घाट बनवा देना। वह लड़का कहने लगा कि यदि मैं जीत गया तो घर-घर में शमशान घाट बनवा दूंगा। मेरे कहने का मतलब यह है कि पिछले 20 सालों में जिनका राज रहा उन्होंने सारे हरियाणा को एक तरह से शमशान घाट बना करके छोड़ दिया। उन्होंने प्रदेश के हित की कभी बात सोची ही नहीं। सभापति महोदय, पिछले 15-20 सालों में बस एक ही काम रहा कि किसी तरह एम०एल०एज० को खुश रखो। इसका परिणाम यह हुआ कि पूरे प्रदेश के अन्दर एक सोच यह बन गई कि किसी तरह एम०एल०ए० बन जाओ। इस का नतीजा यह हुआ कि एक बार जो एम०एल०ए० बन गया तो उसके करोड़ों रुपये के महल खड़े हो गए जिसके कारण हमारे यहां पर एम०एल०एज० से, राजनीतिक नेताओं से विश्वास उठना स्वाभाविक ही था। चौधरी बंसी लाल जी के हाथों में पुनः सत्ता आई। तो उन्होंने इस बुराई को खत्म करने के लिए लोकपाल की नियुक्ति की। यह एक बहुत ही सराहनीय काम है। लोकपाल की नियुक्ति के पहले जो लोग उच्च पदों पर बैठे हुए थे वे गिरफ्त में नहीं आते थे, वे भी अब लोकपाल की गिरफ्त में आ जायेंगे। इससे हमारे प्रशासन में पारदर्शिता आयेगी। हमारे प्रदेश में अच्छे-अच्छे लोगों का बोलबाला होगा, प्रदेश में खुशहाली होगी और चारों तरफ विकास होगा।

सभापति महोदय, किसी भी प्रदेश की तरक्की के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य का उचित प्रबंध बहुत अनिवार्य है। मैं बताना चाहूंगा कि सरकार प्रदेश के विकास के लिए और लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के अन्दर 8 अस्पताल, 22 सी०एच०सीज० और 9 पी०एच०सीज० बनाने जा रही है। मैं अपने हल्के की बाबत कहना चाहूंगा कि मेरे यहां पर भी एक-दो सी०एच०सी० व पी०एच०सी० बनायी जानी अनिवार्य हैं।

सभापति महोदय, जैसे शरीर के अन्दर रक्त-संचार के लिये रक्त धमनियों का होना आवश्यक है, वैसे ही किसी भी राज्य के विकास के लिए सड़कों का जाल बिछा होना अति आवश्यक है। जहां पर सड़कों का जाल बिछा होगा वहां पर विकास कार्य अधिक हो सकेंगे। आज जनमानस इस बात के प्रति सचेत है कि हमारी जो टूटी सड़कें हैं उनकी तुरन्त रिपेयर हो। सभी को पता है कि पिछले 2 वर्ष में कभी भी 15 दिन से अधिक का समय मौसम के हिसाब से अच्छा नहीं रहा। किसी भी प्रदेश के विकास के लिए वहां पर सड़कों और पुलों का बनाया जाना अति आवश्यक है। मैं सरकार का ध्यान दिलाना चाहूंगा कि मेरा इलाका शिवालिक की पहाड़ियों में आता है और वह नदियों से जुड़ा हुआ है। इसलिए हमारे यहां पर सड़कें और पुल अधिक बनाये जाने की आवश्यकता है। हमारे एरिया में नदियों का तो पानी लगता ही नहीं।

[श्री राज कुमार सैनी]

हमारे यहां सिंचाई का साधन केवल ट्यूबवैल्ज़ हैं और आवागमन के साधन सड़कें हैं। एक गांव से दूसरे गांव जाने के लिए 25-30 किलोमीटर घूम कर आना पड़ता है क्योंकि हमारे इलाके में पुल कम हैं। इस आने-जाने में डीज़ल भी अधिक खर्च होता है मशीनरी भी टूटती है तथा सड़कें भी टूटती हैं। इसलिए मेरा निवेदन है कि जिन सड़कों पर पुलों की जरूरत है, उन पर पुल बनाए जाएं ताकि लोगों को आने-जाने में सुविधा हो सके और उनको चक्कर काट कर न आना पड़े। सभापति महोदय, आज पूरे प्रदेश में बाढ़-बचाव कार्य चल रहे हैं, सड़कों का काम भी चल रहा है और बाईपास व ओवर ब्रिजों का काम भी चल रहे हैं, अगर हमारे इलाके में भी ज्यादा से ज्यादा सड़कों और पुलों का इन्तजाम हो जाए तो बहुत अच्छा रहेगा। वित्त-मन्त्री जी ने जो कर-मुक्त बजट पेश किया है, उसके लिए मैं उनका आभार प्रकट करता हूं। सभापति जी, आदरणीय मुख्य मन्त्री जी ने 30 जून तक सारे प्रदेश के अन्दर पूरी बिजली देने का ऐलान कर दिया है। पूरे प्रदेश के अन्दर अब 24 घण्टे बिजली उपलब्ध होगी, यह बात विपक्ष के भाइयों को हज़म नहीं हो रही है। विपक्ष कभी अविश्वास प्रस्ताव लेकर आता है, कभी छींटाकशी करके इस हाऊस से इस प्रकार भाग रहे हैं जैसे उनमें यह बात सुनने की हिम्मत नहीं है। पूरा विपक्ष यहां से वाकआउट करके इस प्रकार से चला गया है मानो वे कभी इस सदन के सदस्य ही नहीं थे। हमारे मुख्य मन्त्री जी ने आज से 25 वर्ष पहले विकास का यह ढांचा खड़ा किया था। तब मैं बहुत छोटा था, जब यह बात सुनी जाती थी कि सारे प्रदेश के अन्दर सड़कों और बिजली का विकास हो रहा है। उस वक्त मेरी उम्र मात्र 20 वर्ष रही होगी, जब यह बात सुनने में आई तो सबसे पहले मैंने अपने गांव के अन्दर सिर्फ एक बल्ब लगवाया था और केवल एक बल्ब लगाने के लिए उस वक्त बिजली का इतना बड़ा ढांचा खड़ा किया गया था। सभापति महोदय, उस वक्त बिजली का जो इतना बड़ा ढांचा आदरणीय मुख्य मन्त्री जी द्वारा तैयार किया गया था और आज यदि 25 वर्ष पश्चात् जितनी बिजली मिल रही है उसको देखें तो पता लगेगा कि यदि उस वक्त 5 यूनिट प्रति व्यक्ति बिजली की खपत होती थी तो वहां आज 500 यूनिट प्रति व्यक्ति खपत होती है। जहां तक इस बढ़ी हुई खपत का सवाल है इसके लिए विपक्ष के इन भाइयों ने कोई प्रयास नहीं किया। इन 25 वर्षों में जिनके हाथ में हुकूमत रही, वे विपक्ष के साथी पता नहीं क्या करते रहे। सभापति महोदय, इन लोगों की सोच और समझ प्रदेश में विकास के काम करने की नहीं थी, इनकी नीयत साफ नहीं थी इन्होंने तो सिर्फ अपने एम०एल०एज० को खुश करके इस प्रदेश को लूटने का और इस प्रदेश के अन्दर हुकूमत करने का नज़रिया ही रखा, लेकिन 25 वर्ष के अन्दर विपक्ष के हमारे भाइयों ने कुछ नहीं किया। सभापति महोदय, नारायणगढ़ में सारी सिंचाई सिर्फ ट्यूबवैल्ज़ से होती है। वहां का हमारा किसान तभी खुशहाल हो सकता है यदि ट्यूबवैल्ज़ को पूरी बिजली मिले। वहां पर बिजली की तीन सब डिवीज़न्ज़ हैं – शहज़ादपुर, नारायणगढ़ और बरवाला। इन तीनों सब-डिवीज़नों के अन्दर क्रमश: 6-10 और 8 एम०बी०ए० के ट्रांसफार्मरज़ लगे हुए हैं। उन ट्रांसफार्मरज़ की क्षमता को दुगुना किये जाने की आज बहुत जरूरत है क्योंकि जब 24 घण्टे बिजली देने लगेंगे तो हमारे पास यदि उसके मुताबिक क्षमता के ट्रांसफार्मरज़ नहीं होंगे तो हम यह बात कहने में चूक करेंगे और अपनी बात से नीचे रहेंगे। जो 37 सब-डिवीज़न आगमैंट किये गये हैं, उनमें नारायणगढ़ का नाम आया या नहीं, मुझे यह पता नहीं है लेकिन मैं बिजली मन्त्री जी से निवेदन करूंगा कि यह भी उसमें ऐड करने की कृपा करें। सभापति महोदय, इस महान सदन के माध्यम से मैं यह जरूर कहूंगा कि बिजली की सप्लाई पूरी होने से लोड बहुत ज्यादा हो जायेगा और उस ज्यादा लोड को बीयर करने के लिए जो इन्फ्रास्ट्रक्चर जरूरी है, वह जरूर लगाया जाए, लेकिन ये भाई किसानों के नाम पर, बिरादरी के नाम पर और जात-पात के नाम पर वोट बटोरते रहे हैं। उन्होंने तो हमेशा सत्ता हथियाने का

ही काम किया है। (इस समय श्री अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए) अध्यक्ष महोदय, आज वित्त मंत्री जी ने मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में यह जो बजट पेश किया है, यह बहुत ही अच्छा और कर मुक्त बजट है। इस बजट में प्रदेश में चहुंमुखी विकास का काम करने हेतु एक अच्छा माहौल कायम किया है। जिससे आज पूरे प्रदेश की जनता सुख का सांस ले रही है। मैं मुख्य मंत्री जी का, वित्त मंत्री जी का और सभी सदस्यगण को इस कर-मुक्त बजट पेश करने के लिए बधाई देता हूं और धन्यवाद करता हूं। जयहिन्द !

Mr. Speaker : Now, the House is adjourned till 10.00 A.M. on Friday, the 5th February, 1999.

*18.26 Hrs. (The Sabha then *adjourned till 10.00 A.M. on Friday, the 5th February, 1999).

30900-HVS-HGP-schd.